

सं 24

नई विल्ली, शनिवार, जून 17, 1978 (ज्येष्ठ 27, 1900)

No. 24]

NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 17, 1978 (JYAISTHA 27, 1900)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

PUBLISHED BY AUTHORITY

# भाग III-- जन्ड 1

# PART III—SECTION 1

उच्च न्यायासयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल् विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यासयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा ग्रायोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 20 अप्रैल 1978

सं० ए० 32013/2/77-प्रशा०-I(i)---प्राकाणवाणी महानिदेशालय में सहायक योजना ग्रधिकारी तथा संघ लोक सेवा ध्रायोग के कार्यालय में स्थानापन्न ध्रर सिंधव श्री बी० एन० वैद्यनाथन, को ग्रद्धतन संशोधित संघ लोक सेवा ध्रायोग (स्टाफ) विनियमायली 1958 के विनियम 7 के साथ पठित विनियम 4 के प्रावधान के श्रनुसार श्रध्यक्ष, संघ लोक सेवा ध्रायोग द्वारा 17-4-1978 के पूर्वाह् से 15-7-1978 तक, ग्रथवा ध्रागामी ध्रादेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में उप मिंचव के पद पर तदर्थ ग्राधार में नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 320013/2/77-प्रणा०-I(ii)—कालीकट क्षेत्रीय इंजीनियरी कालिज, कालीकट में लेक्चरर तथा सघ लोक सेवा प्रायोग के कार्यालय में स्थानापन्न प्रवर मचिव डा० ग्रार० भास्करन को प्रदातन संशोधित मंघ लोक सेवा ग्रायोग (स्टाफ) विनियमावली 1958 के विनियम 7 के साथ पिटत विनियम 4 के प्रावधान के ग्रनुसार ग्रध्यक्ष, संघ लोक सेवा ग्रायोग द्वारा 17-4-1978 के पूर्वाह्न से 15-7-1978 तक, श्रयवा 1—116 GU/78

श्रागामी श्रादेश तक जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा श्रायोग के कार्यालय में उप सचिव के पद पर तदर्थ श्राधार में नियुक्त किया जाता है ।

#### दिनांक 1 मई 1978

सं० ए० 32013/2/77-प्रशा०-I—राष्ट्रीय पशुधन अनुसंधान संस्थान के सह प्रोफेसर तथा संघ लोक सेवा श्रायोग के कार्यालय में स्थानापत्न अवर अचिव डा० डी० एन० प्रसाद को अद्यतन संशोधित संघ लोक सेवा श्रायोग (स्टाफ) विनियमावली 1958 के विनियम 7 के साथ पटित विनियम 4 के प्रावधान के अनुसार अध्यक्ष, संघ लोक सेवा श्रायोग, द्वारा 1-5-1978 के पूर्वाह्म से 31-7-1978 तक, श्रथवा श्रागामी आदेश तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में उप सचिव के पद पर तदर्थ श्राधार में नियुक्त किया जाता है।

प्र० न० मुखर्जी, अवर सचिव **कृते** श्रध्यक्ष संघलोक सेवा श्रायोग

(3325)

# नई दिल्ली-110011, दिनांक 18 अप्रैल 1978

सं० ए० 32013/2/77-प्रणा०-I—उन कार्यालय की सम-संख्यक ग्रीधसूचना दिनांक 24-12-1977 का ग्रीधक्रमण करते हुए संघ लोक सेवा ग्रायोग के संवर्ग में केन्द्रीय मिच्चलय सेवा के ग्रानुभाग ग्रीधकारी ग्रेड के निम्नलिखित स्थायी ग्रीधकारियों को राष्ट्रपति द्वारा प्रत्येक के सामने निर्दिश्ट श्रविध के लिये ग्राथवा ग्रागामी ग्रादेश तक, जो भी पहले हो, उनत सेवा के ग्रेड I में स्थानापन्त रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त किया जाता है।

ऋ∘ नाम सं∘	<b>ग्र</b> बधि
1. श्री बीर सिंह रियात	3-10-1977 से
	2-1-1978 तक
2. श्री म्रार० म्रार० म्रहीर	5-10-1977 से 31-12-1977 तक

#### दिनांक 1 मई 1978

सं० पी०/1879-प्रशा०-I—दिल्ली दिश्वविद्यालय में भूतपूर्व रीडर तथा संघ लोक सेवा श्रामोग में उप सचिव के पद पर स्थानापपन रूप से कार्यरत डा० एस० पी० भटनागर की सेवाएं 1-5-1978 (पूर्वाह्म) से दिल्ली विध्वविद्यालय को पुनः सौंपी जाती है।

#### विनांक 5 **मई** 1978

सं० ए० 32013/1/77-प्रणा०-I—इस कार्यालय की सम-संख्यक अधिसूचना दिनांक 21-1-78 में प्रांशिक संशोधन करते हुए राष्ट्रपति द्वारा श्री वीर सिंह रियात की 3-1-78 से 4-2-78 (श्रपराह्न) तक की भ्रवधि के लिये केन्द्रीय सचिवालय सेवा 'के ग्रेड I में स्थानापन रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त किया जाता है।

# दिनांक 11 मई 1978

सं० ए० 32014/1/78-प्रशा०-III(1)—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सिववालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री श्रार० के० जसूजा को, राष्ट्रपति द्वारा 1-5-78 से 17-6-78 तक 48 दिन की अवधि के लिये, अथवा श्रागामी श्रादेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के श्रनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 32014/1/78-प्रगा०-III(2)— संघ लोक सेवा स्रायोग में केन्द्रीय मित्रवालय सेवा सवर्ग के स्थायी सहायक श्री एस० एन० गर्मा को, राष्ट्रपति द्वारा 1-5-78 से 17-6-78 तक 48 दिन की श्रवधि के लिये, श्रथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग श्रधिकारी ग्रेड में स्थानापन रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 32014/1/३३ प्रशा०-III(३)—संघ लोक सेवा श्रायाग में केन्द्रीय राजिसलय सेवा सबसं के स्पायी महायक श्री जय नारायण को, राष्ट्रपति, द्वारा 2-5-78 में 16-6-78 तक की श्रवधि के लिये, श्रथवा श्रागामी श्रादेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त मेवा के प्रनुभाग श्रधिकारी ग्रेड में स्थानापन रूप से कार्यकरने के लिये नियुका किया गया है।

> प्रभात नाथ मुखर्जी भ्रवर सचिव (प्रशासन प्रभारी) संघ लोक सेवा ग्रायोग

# कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्युरो

नई दिल्ली, दिनांक 26 मई 1978

सं० ए-19021/5/78-प्रणा०-5—राष्ट्रपति, अपने प्रसाद से श्री एल० सी० श्रमरनाथ, भा० पु० सेवा (1967-उड़ीसा) को दिनांक 10-5-78 के पूर्वाह्न से ग्रगले श्रादेश तक के लिये प्रतिनियुक्ति के ग्राधार पर पुलिस श्रधीक्षक, केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो (विशेष पुलिस स्थापना) के रूप में नियुक्त करते हैं।

श्री बी० बी० पंडा, भा० पु० सेवा (उड़ीसा) ने दिनांक 10-5-78 के पूर्वाह्म से पुलिस ग्रधीक्षक, केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो, भुवनेश्वर का कार्यभार त्याग दिया। उनकी सेवाएं राज्य सरकार को वापस सींप दी गई है।

> के० के० पुरी उप निवेशक (प्रशासन) केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यरो

# नई दिल्लो, दिनांक 24 मई 1978

सं० बी-6/69-प्रशासन-5—श्वी बी० एम० वाघ, केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो में पुलिस उप-श्रधीक्षक श्रीर महाराष्ट्र राज्य पुलिस के श्रधिकारी की सेवाएं दिनांक 30-4-78 के अपराह्न से राज्य पुलिस को वापिस सौंप दी गई हैं।

> विजय पाल पाण्डे प्रशासन स्रधिकारी (लेखा) केन्द्रीय स्रन्वेषण ब्यूरो

# नई दिल्ली, दिनांक 27 मई 1978

सं० पी० एफ०/बी-63/73-प्रशा०-I—58 वर्ष की स्रायु में निवर्तन की स्रायु प्राप्त कर लेने पर, महाराष्ट्र, पुलिस से प्रति- नियुक्त पुलिस निरीक्षक श्री बी० जी० राणे को दिनांक 30-4-78 के श्रवराह्न से केन्द्रीय श्रन्वेषण न्यूरो, सामान्य स्रवराध स्कंध, बस्बई में श्रवने पद के कार्यभार से मुक्त कर दिया गया है।

जरनैल सिंह प्रशासनिक ग्रधिकारी (स्था०) केन्द्रीय ग्रन्वेषण न्यूरो गृह, मंत्रालय

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनाक 24 मई 1978

सं० 10/13/76-प्रणा०-1--राष्ट्रपति, मान्ध्र प्रदेश में जनगणना निदेशक के कार्यालय में अन्वेषक और इस समय बंगलौर में जनगणना निदेशक, कर्णाटक के कार्यालय में तदर्थ भाधार पर सहायक निदेशक, जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर कार्यरत श्री बी० सत्यनारायण को कर्णाटक में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में तारीख 10 अप्रैल, 1978 की पूर्वाह्न से अगले भादेशों तक नियमित श्राधार पर श्रस्थायी, क्षमता में सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं। उनका मुख्यालय बंगलौर में ही रहेगा।

2. उन्होंने उसी तारीख से तदर्थ स्राधार पर धारित सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तक्तनीकी) के पद का कार्यभार छोड़ा।

सं 0 10/9/78-प्रभाव-I---राष्ट्रपति, भारत के महापजीकार के कार्यलय के सांमाजिक अध्ययन प्रभाग में अन्वेषक श्री ईव रामस्वामी को उसी कार्यालय में अनुसंधान अधिकारी (सामा-जिक अध्ययन) के पद पर पूर्णतः अस्थाई और तदर्थ आधार पर तारीख 1 अप्रैल, 1978 के पूर्वाह्न से छह महीने की अविध के लिये या ग्रगले आदेशों तक, जो भी पहले हो, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

# दिनाक 25 मई 1978

स० पी०/बी(1)-प्रणा०-I--श्वी बद्रीन।थ ने अधिवर्षिता की प्रायुपर पहुंचने पर तारीख 1 मई, 1978 के पूर्वाह्म से भारत के उप महापंजीकार (जनगणना) के पद का कार्यभार छोड़ा।

सं० पी०/पी० (35)-प्रणा०-I—राष्ट्रपति, इस कार्यालय की तारीख 8 फरवरी, 1978 की समसंख्यक अधिसूचना के अनु-क्रम में भारत निर्वाचन श्रायोग सिचवालय के स्थायी हिन्दी अनुवादक, श्री के० एन० पन्त की भारत के महापंजीकार के कार्यालय में प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा हिन्दी अधिकारी के पद पर तदर्थ नियुक्ति की श्रवधि को 1 अप्रैल, 1978 से 30 जून, 1978 तक या जब तक यह पद नियमिस श्राधार पर भरा जाए, जो भी पहले हो, सहर्थ बढ़ाते हैं।

थो पन्त का मुख्यालय नई दिस्ली में ही रहेगा।

पी० प**ग्रनाभ** भारत के महापंजीकार

# कार्यालय महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व

नई दिल्ली, दिनांक 30 मई 1978

सं० प्रशासन-I/कार्या० श्रादेश 104/5-5/पदोन्नति/78-79/ 346--महालेखाकार इस कार्यालय के निम्नांकत स्थायी श्रनुभाग अधिकारियों को 3 मई, 1978 अपराह्न से अगले आदेशों तक स्थान।पन्न लेखाधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

ऋमोक

नाम

1. श्री सरूप सिंह

ह०/भ्रपठनीय वरिष्ठ महालेखाक।र (प्रशासन)

# कार्यालय महालेखाकार-प्रथम, मध्य प्रदेश ग्वालियर, दिनांक 19 मई 1978

सं० प्रशासन-1/62---महालेखाकार प्रथम, मध्य प्रदेश ने निम्निलिखित स्थाई श्रनुभाग श्रधिकारियों को स्थानापन्न क्षमता में लेखा श्रधिकारी के पद पर वेतनमान रुपये 840-40-1000 द० श्र० 40-1200 में उनके नाम के श्रागे दर्शाये गये दिनांक से पदोन्नस किया है:--

# सर्वश्री

ग्रार० एन० चक्रवर्ती 02/0234

6-5-78 पूर्वाह्र

2. सुखन सिंह 02/0235

6-5-78 पूर्वाह्न

3. एन० एस० वैद्य 02/0236

9-5-78 पूर्वाह्न

एम०पी० लोकरे 02/0237

9-5-78 पूर्वाह्न भूष्ण गोपाल

वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

#### रक्षा मंत्रालय

भारतीय श्रार्डनेन्स फैक्टरियां सेवा कलकत्ता-16, दिनांक 26 मई 1978

मं 18/78/जी-सार्धक्य निवृत्ति श्रायु (58 वर्ष) प्राप्त कर, श्री पी के दे , स्थान।पन्न टी ० एस ० श्रो ० (मीलिक एवं स्थायी एस ० ए०) विनांक 31 मार्च, 1978 (श्रपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

# दिनांक 26 मई 1978

सं० 21/जी०/78—इस महानिदेशालय की दिनाक 26 जुलाई, 1977 की प्रधिसूचना 381०/जी/77 में निम्नलिखित संशोधन किया जाता है:—

### कम संख्या 18 में

वास्ते:--श्री मुरलीधर सिंह सहायक प्रबन्धक (परिवीक्षा) ---19 मार्च, 1977

पढ़ा जाए: अी मुरलीधर सिंह (परखाविधि पर)— 19 मार्ने, 1977

सं० 22/जी/ 78--इस महानिवेशालय की दिनांक 26 जुल।ई, 1977 की ग्रधिसूचना संख्या 39/जी/77 में निम्नलिखित संशोधन किया जाता है :---

कम संख्या 25 में 🔻

वास्ते:-- श्री एम० एल० राय,

स्थानापन्न फोरमैन--25 श्रप्रैल, 1977

पढ़ा जाए: ---श्री मनीन्द्र नाथ रे,

स्थानापन्त फोरमैन--25 श्रप्रैल, 1977 वीं० के० मेहता

सह।यक महानिदेशक, ग्रार्डनेन्स फैक्टरियां

वाणिज्य नागरिक श्रापूर्ति एवं सहकारिता मंद्रालय मख्य नियन्त्रक, श्रायात नियति का कार्यालय ग्रायात एवं निर्यात व्यापार नियंत्रण नई दिल्ली, दिनांक 24 मर्थ 1978 • स्थापना

सं० 6/994/72-प्रशासन (राज)/3757— सेवा निवृत्ति की श्रायु होने पर केन्द्रीय सचिवालय सेवा के श्रनुभाग श्रधिकारी वर्ग में स्थानापन्न श्रिधिकारी, श्री के० डी० शर्मा ने 30 श्रप्रैल, 1978 के दोहपर बाद से इस कार्यालय में नियंत्रक श्राय।त-निर्यात के पद का आर्थभार छोड दिया है।

# दिनांक 26 मई 1978

एस० के० ग्रेवाल, उप-मुख्य नियंत्रक, ग्रायात निर्यात (केन्द्रीय सचिवालय सेवा से इतर) को मुख्य नियन्त्रक ग्रायात-नियति के कार्यालय, नई दिल्ली में बिल्कुल तदर्थ ग्रौर ग्रस्थायी प्राधार पर 1 जनवरी, 1978 से 3 जनवरी, 1978 की भौर भ्रागामी भ्रावधि के लिये संयुक्त मुख्य नियन्त्रक श्रायात-निर्यात के रूप में नियुक्त करते हैं।

> का०वें० शेषाद्रि मुख्य नियंद्रक ध्रायात-निर्यात

# उद्योग मंत्रालय श्रीद्योगिक विकास विभाग

कार्यालय, विकास श्रायुक्त (लघ् उद्योग) नई दिल्ली, दिनांक 17 श्रप्रैल 1978

सं० ए० 19018 (327) / 77-प्रशासन (राजपत्नित) -- संघ लोक सेवा श्रायोग की संस्तृतियों के श्राधार पर राष्ट्रपित जी श्री के० बी० के० राजु को दिनांक 23 मार्च, 1978 (श्रपराह्न) से श्रगले श्रादेश जारी होने तक लघु उद्योग विकास संगठन में सहायक निदेशक (ग्रेड-1) (कांच/मृतिका शिल्प) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

नियुक्ति के परिणामस्वरूप श्री के० वी० के० राज् ने प्रक्रिया-सह-उत्पाद धिकास केन्द्र, रांची में विनांक 23 मार्च,1978 (भ्रपराह्न) से सहायक निदेशक (ग्रेड-1) (कांच/मृतिका शिल्प) पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया।

# दिनांक 18 अप्रैल 197**8**

सं० म-19018(103)∤73-प्रशासन(राजपत्नित)— मदनलाल (भारतीय ग्रर्थ सेवा के ग्रेष्ठ-III ग्रधिकारी) को राष्ट्रपति जी दिनांक 21-3-1978 (पूर्वाह्न) से ग्रगले भ्रादेश जारी होने तक लघु उद्योग विकास संगठन में उप निदेशक (ई० ग्राई०) के रूप में महर्ष नियुक्त करते हैं।

 नियुक्ति के परिणामस्वरूप श्री मदनलाल ने दिनांकः 10-3-78 (ग्रपराह्न) से लघु उद्योग सेवा संस्थान, नई दिल्ली के सहायक निदेशक (ग्रेड-<sup>I</sup>) पद का कार्यभार छोड़ दिया तथा दिनांक 21-3-78 (पूर्वाह्न) सें लघ उद्योग सेवा संस्थान, गोहाटी में उप निदेशक (ई० धाई०) पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया ।

# दिनांक 26 ग्रप्रैल 1978

सं० 12(282)/61-प्रशासन (राजपन्नित)---श्री जे० बी० बापुराज ने दिनांग 15-4-78 (अपराह्न) से एस० सी० ए० ए० पी० के प्रधीन तंजानिया सरकार के तंकनीकी सलाहकार केरूप में प्रतिनियुक्ति पर जाने के परिणामस्वरूप कार्यालय, विकास क्रायुक्त (लघु उद्योग), नर्ष दिल्ली में निदेशक (ग्रेड-1) (ए० ई० ई०) पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० 12/596/68-प्रशासन (राजपत्नित)---लघु उद्योग विकास संगठन में उप निदेशक तथा भारतीय श्रर्थ सेवा के ग्रेड-III म्रधिकारी श्री एस० एम० म्रार० जैदी को राष्ट्रपति जी दिनांक 24-10-1977 से 10-1-1978 तक की श्रवधि के लिये लघु उद्योग विकास संगठन में निदेशक (ग्रेड-II) (ई० श्राई०) के रूप में तदर्थ भ्राधार पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

 नियुक्ति के परिणामस्वरूप श्री एस० एम० ग्रार० जैदी ने दिनांक 24-10-1977 (पूर्वाह्म) से कार्यालय, विकास प्रायुक्त (लघु उद्योग), नई दिल्ली में उप निदेशक (ई० ब्राई०) पद का कार्यभार छोड़ दिया और दिनांक 24-10-77 (पूर्वाह्म) से ही कार्यालय, विकास ब्रायुक्त (लघु उद्योग), नई दिल्ली में निदेशक (ग्रेड-II) (ई० ग्राई०) पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया ।

#### दिनांक 27 भन्नेल 1978

सं० 12/676/70-प्रशासन (राजपत्नित)--राष्ट्रपति जी विनांक 15-4-78 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश जारी होने तक श्री जी० रमन, निदेशक (यांत्रिक) को लघु उद्योग विकास संगठन में स्रौद्योगिक सलाहकार (म्राधुनिकीकरण) के रूप में सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. नियुक्ति के परिणामस्वरूप श्री जी० रमनं ने कार्यालय, विकास भ्रायुक्त (लघु उद्योग), नई दिल्ली में दिनांक 15-4-78 (पूर्वाह्म) से निदेशक (यांत्रिक) पद का कार्यभार छोड़ दिया तथा दिनांक 15-4-78 (पूर्वाह्न) से ही कार्यालय, विकास श्रायुक्त (लघु उद्योग), नई दिल्ली में श्रीद्योगिक सलाहकार (म्राधुनिकीकरण) के रूप में कार्यभार ग्रहण कर लिया ।

सं० ए-19018/70/73-प्रशासन (राजपित्तत) — संगठन एवं प्रबन्ध सेवा निदेशालय (प्रायकर), नई दिल्ली में उप शिस्टम सलाहकार के रूप में नियुक्ति के परिणामस्वस्प श्री आर० पी० मेहता ने दिनांक 31-3-78 (अपराह्न) से लघु उद्योग विकास संगठन मे उप निदेशक (डेटा बैंक) पद का कार्यभार छोड़ दिया ।

वी० वेकटरायलु, उप निदेशक (प्रशासन)

# पटसम ग्रायुक्त का कार्यालय

# कलकत्ता, दिनांक 26 मई 1978

सं० जूट(ए)/147/65— इस कार्यालय के सम संख्यक स्रिधिसूचना दिनांक 24-4-1978 के सिर्लामले में पटसन श्रायुक्त एतद्द्वारा श्री एस० के० हजारा, निरीक्षक (श्रतकनीकी) को इस कार्यालय में एक ग्रुप 'बी' (राजपितत) महायक निदेशक (निर्यात) के तौर पर तदर्थ स्थानापन्न की हैसियत में ६० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द०रो०-40-1200/- के वेतनमान में दिनांक 30-4-78 (पूर्वाह्म) से 11-5-78 (श्रपणाह्म) तक नियुक्ति श्रविध में वृद्धि करते हैं।

कॅ० के० बनर्जी प्रशासनिक श्राधकारी

# पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

# (प्रशासन अनुभाग-1)

# नई दिल्ली, दिनाक 25 मई 1978

मं० प्र० 1/1(344)— पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय नई दिल्ली में स्थायी निदेशक श्री जी० एम० कुलश्रेष्ठ, दिनांक 30-4-1978 के श्रगराह्म से निवर्तमान श्रायु (58 वर्ष) होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

> सूर्य प्रकाश उप निदेशक (प्रशासन) कृते महानिदशक, पूर्ति तथा निपटान

#### इस्पात और खान मंत्रालय

# (खान विभाग)

भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकता-700016, दिनाक 25 मई 1978

सं० 3718/बी/2251(मो०टी०जी०)/19बा—खानज समन्वेषण निगम लिमिटेड (मिनरल एउसप्लोरेशन कारपोरेशन लि०) से परावर्ती पर श्री मी० टी० गुरूमुखी ने भारतीय भूबैज्ञानिक सर्वेक्षण में प्रियर के पद का कार्यभार 30 जनवरी, 1978 के पूर्वाह्म से संभाय निगा।

मं० 3732/वी/2251(सी०टी०जी०)/19नी--भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण के क्रिलर श्री सी० टी० गुस्सुओं का भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण की सेवाश्रों से 28 फरवरी 1977 के श्रपराह्म से मुक्त किया गया है ताकि वे खनिज समन्वेषण निगम लिमिटेड (मिनरल एक्सप्तोरेशन कारपोरेशन लि०) में सहायक ड्रिलिंग इंजीनियर के पद का कार्यभार ग्रहण कर सके।

सं० 37.86/बी/1734(4)/77/19सी—भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण के निम्नलिखित ग्रस्थायी ग्रधिकारियों को उसी श्रेणी में उनके सामने दर्शायी गई तिथि मे स्थायीवन घोषित किया जा रहा है:—

क∾	नाम	पदसंज्ञा	स्था	यीवत्
सं०			घोषित	करने
			की	तिथि
1	2	3		4
	मर्वश्री	,	·*	<b></b>
1.	प्रार० एन० पाल	सहायक <b>भूवैज्ञा</b> निक	1 2-	2-71
2.	एस० चक्रवर्ती	11	3-1	1-74
3.	भार० के० बंद्योपाध्याय	, 51	2 <b>2</b> -	9-74
4.	एम० शाममुगम	11	7-	1-73
5.	दीपाँकर सेन	,,	26-1	0-74
6.	एस० ए० पंदारे	"	1 2-	2-71
7.	के० भ्रार० रामचन्द्रन	"	1-	3-71
8.	बी० ग्रो० ठक्कर	,,	25-1	0-75
9.	ग्रशीष कुमार राय	7,	1-	9-75
10.	टी० श्रीनिवास राव	21	25	-8-75
11.	दर्शन कुमार ,	7)	1 5-	9-75
12.	पी० नरसिंह राव	73	27-1	1-75
1 3.	श्यामल कुमार विश्वास	11	26	8-75
14.	एस० श्रार० प्रसाद	ŧτ	20	-6-75
15.	बिमान देवनाथ	77	25	-8-75
16.	बी० मदन मोहन	11	4	-5-76
17.	ए० के० रेलन	73	19	8-75
18.	श्रलोकेश नन्दी	77	21	6-75
19.	सी० पी० एस० परीह	<b>ार</b> ,,	21	4-76
20.	बी० टिरके	77	19	-8-75
21.	ए० के० मलहोत्ना	11	14	-8-75
22.	एन० एस० वेंकटेश	"	7	- 9-75
23.	म्रार० के० घ्ररोरा	1)	4	- 8-7 <i>5</i>
24.	एस० टी० सम्बादन	13	4	9-75
25.	डा <b>० एम०</b> एस० म <b>ह्</b> वाल	त ,,	5-1	10-75
26.	जे० एस० जमवाल	"	27	-8-75
27.	सुजीत दास गुप्त	, 11	3-	12-76
28.	सुजीत रंजन सेन गुप्त	11	14-	12-76
29.	सय्येद ए० खान	n	14	-2-77
30.	एस० के० सिंह	21	18	-1-77
31.	भार० सी० भडारी	"	15	-4-77
32.	एम० तिवारी	n		-4-77

_1	2	3	4
33	एस० के० श्रीवास्तव	सहायक भूबैज्ञानिक	15-11-76
34	पी० गोपाल कृष्ण भट्ट	11	31-10-76
35.	डी० एन० बंद्योपाध्याय	11	8-2-77
36.	कु० कल्पना सेन	1)	29-11-76
37.	<b>ग्रमि</b> ताभ सेन	1;	22-11-76
38.	पी०एम० दत्त	"	30-3-77
39.	पी० चक्रवर्ती	"	27-11-76
40.	सुनिल कुमार दास	<b>»</b>	6-2-77
41.	जीवितेश भट्टाचार्य	17	26-3-77
42.	के० नरसिम्हाराव	71	1-4-75
43	म्रार० एस० तुल्सी	सहायक रसायनज्ञ	25-9-73
44.	डा० सुभाष <del>च</del> न्द्र	,,,	8-11-74
45.	एन०के० सिन्हा	"	23-3-77
		वी० एस	० कृष्णस्वामी, महानिदेशक

# राष्ट्रीय ग्रभिलेखागार

# नई दिल्ली-1, दिनांक 27 मई 1978

स० एफ० 11-9/78-ए-1—श्री बी० एस० कालड़ा, श्रधीक्षक, की 1 जून, 1978 के पूर्वाह्न से श्रामामी श्रादेशों तक श्रि एल० डी० श्रजमानी, प्रशासन श्रिधकारी जो 31-5-78 (श्रपराह्न) से सेवा निवृत्त हो रहे हैं उनके स्थान पर बिल्कुल तदर्थ श्राधार पर स्थानापन्न प्रशासन श्रिधकारी (ग्रुप 'बी' राजपत्रित) नियुक्त किया जाता है। यह तदर्थ नियुक्ति नियमित नियुक्ति के लिये कोई श्रिधकार या दावा नहीं करने देगी श्रीर श्रगले उच्च ग्रेड में पदोन्नित संबंधी विरष्टता श्रीर श्रहता के लिये नहीं गिनी जायेगी।

एस० एन० प्रसाद, अभिलेख निवेशक

#### म्राकाशवाणी महानिदेशालय

# नई दिल्ली, दिनाक 17 मई 1978

सं० 10/137/77-S-III——महानिदेशक, श्राकाशवाणी श्री एस० एस० जीवनराम को श्राकाशवाणी गोरखपुर में दिनाक 28-4-78 से सहायक इंजीनियर के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

> हरजीत सिंह, प्रशासन उप निदेशक, कृते महानिदेशक

# सूचना श्रौर प्रसारण मंत्रालय

#### प्रकाशन विभाग

#### नई दिल्ली, दिनांक 23 मई 1978

स० ए० 12026/1/78-प्र० I ---इस विभाग की ग्रिधिम् चना संस्था ए० 12026/1/78-प्र० 1 दिनांक '15 फरवरी, 1978 के कम में श्री के० सी० सिंहल, लेखा अधिकारी के 30 अप्रैल, 1978 से 9 जून, 1978 तक और अवकाण बढ़ा दिए जाने के फलस्वरूप निदेशक, प्रकाशन विभाग श्री जी० डी० मदान, स्थाई वरिष्ठ लेखाकार को इस विभाग में श्री सिंहल के स्थान पर तदर्थ आधार पर लेखा अधिकारी के रूप में कार्य करते रहने की अनुमति प्रदान करते हैं।

सं० ए० 12026/ 2/78-प्रणासन-1 — निदेशक, प्रकाशन विभाग, श्री र्टश्वर चन्द्र, सहायक व्यापार व्यवस्थापक को 24-4-78 से 9-6-78 तक अवकाण प्रदान किये जाने के फलस्वरूप व्यापार कार्यकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य कर रहे श्री डी० सी० गुष्ता को प्रकाणन विभाग में तदर्थ ग्राधार पर स्थानापन्न रूप से सहायक व्यापार व्यवस्थापक नियुक्त करते हैं।

2. यह तदर्थ नियुक्ति श्री डी० सी० गुप्ता को सहायक व्यापार व्यवस्थापक के ग्रेड में नियमित नियुक्ति के दावे का श्रिष्ठकार नहीं देती। वरीष्ठता के मामले में उनकी यह नियुक्ति भी ग्रेड में नहीं जोड़ी जायेगी।

#### दिनांक 26 म<del>ई</del> 1978

मं० ए० 12026/2/78-प्र०1 — इस विभाग की ग्रिधिस्चिता संख्या ए० 12026/2/78-प्र०-1 दिनांक 13-4-78 के ऋम में श्री ग्रार० बी० सिह, सहायक व्यापार व्यवस्थापक को 2-5-1978 से 1-7-1978 तक श्रवकाण प्रदान किये जाने पर निदेशक, प्रकाशन विभाग श्री एस० सी० जैन को तदर्थ ग्राधार पर स्थानापन्न रूप में सहायक व्यापार व्यवस्थापक के पद पर कार्य करने रहने की श्रतुमति देते हैं।

इन्द्रराज सिह, उप निदेशक प्रशासन, **कृते** निदेशक

# स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय नई दिल्ली, दिनांक 19 मई 1978

सं ए० 12025/8/77-भण्डार -1 — स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री सुजित कुमार सरकार को 27 मार्च, 1978 पूर्वाह्न से श्रागामी ब्रादेशो तक सरकारी चिकित्सा सामग्री भण्डार डीपू, कलकत्ता में रसायनज्ञ (वर्ग ख- राजपित ) के पद पर नियुक्त किया है। इस निदेशालय की 18 अर्थेन, 1978 की ग्रिधसूचना संख्या ए० 12025/8/77-व भण्डार-िको एतद्- द्वारा रह किया जाता है।

संगत सिंह, उप निदेशक प्रशासन

#### नई दिल्ली, दिनांक 20 मई 1978

मं० ए० 12023/14/76-(डब्ल्यू० एच०) प्रशासन-I— सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली में किनाट अनुसन्धान अधिकारी के पदार प्रानी नियक्ति ही जाने के गलस्वरूप डा० (श्रीमती) स्वर्ण लता कपूर ने 14 अप्रैल, 1978 अपराह्म से डा॰ राम-मनोहर लोहिया अस्पनाल, नई दिल्ली से सहायक जीव-रसायन के पद का कार्यभार छोड दिया है।

सं० ए० 19020/59/77-प्रशासन I—सेवा निवृत्ति की आयु के हो जाने के फलस्वरूप राजकुमारी अपमृत कौर उपचर्या महाविद्यालय, नई दिल्ली में मनोविज्ञान के प्राध्यापक श्रीमती लितिका सेन गुन्त ने 30 अप्रैल, 1978 अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गई।

### दिनांक 26 मई 1978

सं० 6-19/77-ग्रेंग् नि० -राष्ट्रपति ने श्री पी० जी० रे, तकनीको ग्रिधिकारी (जीवाणु विज्ञान), केन्द्रीय ग्रीषधि प्रयोगशाला, कलकत्ता को 4 मई, 1978 पूर्वाह्न से ग्रागामी ग्रादेशों तक उसी प्रयोगशाला में जीवाणु विज्ञानी के पट पर तदर्थ ग्राधार पर नियुक्त किया है।

श्री पी० जी० रे ने उसी तारीख से तकनीकी श्रधिकारी (जीवाणु) विज्ञान) के पद का कार्यभार छोड दिया है।

> शाम लाल कुटियाला, उप निदेशक प्रशासन (सं० व प०)

# स्वास्थ्य ग्रौर परिवार कल्याण मन्त्रालय नई दिल्ली, दिनांक 26 मई 1978

सं० ए० 19015/21/77-स्था०-1—सेवा निवर्तन की ग्रायु होने पर श्री संसार चन्द सूद ने स्वास्थ्य ग्रौर परिवार कल्याण मन्त्रालय में डेस्क ग्रधिकारी के पद का कार्यभार 1 मई 1378 पूर्वाह्न से छोड़ दिया।

प्यारे लाल जोशी, ग्रवर सचिव

# कृषि एवं सिचाई मन्त्रालय विस्तार निदेशालय नई दिल्ली, दिनांक 24 मई 1978

सं० 5(249)/78-स्था० (1)—सहायक प्रदर्शनी ग्रिधि-कारी (दृश्य) के पद पर श्री पी० बी० दत्त की तदर्थ नियुक्ति दिनांक 28 फरवरी, 78 से ग्रागे 31 ग्रगस्त, 78 तक बनी रहेगी।

> इन्द्र जीत कपूर, निदेशक प्रशासन

(ग्राम विकास विभाग) विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय फरीदाबाद, दिनांक 24 मई 1978

सं० ए० 19025/68/78-प्र०त् ---श्री एच० एन० राय वरिष्ट निरीक्षक की विषणन एवं निरीक्षण निदेशालय, ऊंझा में दिनांक 11-5-78 (ग्रपराह्न) से तीन माह की ग्रवधि के लिए अनुपकालीन आधार पर या जब तक कोई नियमित व्यवस्था होती है, जो भी पहले हो, स्थानापन्न महायक विपणन अधिकारी (वर्ष 1) नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 19025/74/78-प्र० तृ०—श्री एस० डी० काथलकर वरिष्ठ निरीक्षक को विषरण एवं निरीक्षण निदेशालय, ग्रहमदाबाद में दिनांक 8-5-78 (पूर्वाह्न) से तीन माह की ग्रविध के लिए ग्रल्पकालीन ग्राधार पर या जब तक कोई नियमित व्यवस्था होती है, जो भी पहले हो, स्थानापन्न सहायक विषणन ग्रिधकारी (वर्ग 1) नियुक्त किया गया है

मं० ए० 19025/76/78-प्र० तृ०—श्री स्नार० के० पांड विरिष्ट निरीक्षक को विषणन एवं निरीक्षण निदेशालय, नई दिल्ली में दिनांक 20-4-1978 (पूर्वाह्न) से तीन माह की अविध के लिए स्रत्पकालीन स्नाधार पर या जब तक कोई नियमित व्यवस्था होती है, जो भी, पहले हो, स्थानापन्न सहायक विषणन स्निधकारी (वर्ग 1) नियुक्त किया गया है।

# दिनांक 26 जून, 1978

सं० ए० 19025/64/78-प्र० तृ० 1—श्वी नन्द लाल मिंह वरिष्ट निरीक्षक को विषणन एवं निरीक्षण निदेशालय, चन्डीगढ में दिनांक 3-5-78 (पूर्वाह्न) से तीन माह की ग्रवधि के लिए ग्रल्पकोलीन ग्राधार पर या जब तक कोई नियमित व्यवस्था होती है, जो भी पहले हो, स्थानापन्न सहायक विषणन ग्रधिकारी (वर्ग 1) नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 19025/67/78 प्र० तृ०—श्री दिनेश प्रताप सिंह वरिष्ठ निरीक्षक की विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय, चन्डीगढ़ में दिनांक 3-5-1978 (पूर्वाह्न) से तीन माह की ग्रवधि के लिए ग्रव्पकालीन ग्राधार पर या जब तक कोई नियमित व्यवस्था होती है, जो भी पहले हो, स्थानापन्न सहायक विपणन ग्रिधकारी (वर्ग 1) नियुक्त किया गया है।

वेद प्रकाश चावला, प्रशासन निदेशक, **कृते** कृषि विपणन सलाहकार

# परमाणु उर्जा विभाग ऋय ग्रौर भंडार निदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 19 मई 1978

सं० क० भ० नि० 1/1(6)/77 प्रशासन 14236—इस निदेशालय की मद्रास क्षेत्रीय कय यूनिट, मश्रास में निकासी एवं परिवहन यूनिट के सहायक भंडार ग्रिधिकारी श्री एन० ग्रार० विजयन को सहायक क्ष्य ग्रिधिकारी के पद पर, 1 जुन 1977 से पुन, पद नियक्त किया जाता है।

> के० पी० जोसफ, प्रशासनिक स्रधिकारी

# महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय - नर्रे दिल्ली, दिनांक 17 अप्रैल 1978

सं० ए० 32013/2/77-ईडब्ल्य०--इस कार्यालय की दिनांक 5-1-1978 की अधिसूचना सं० ए० 32013/2/77-ई० डब्ल्यू० के अस में राष्ट्रपति ने श्री एच० सी० राम चौधरी की उपनिदेशक (फायर) के ग्रेप में तदर्थ नियुक्ति की अविधि दिनांक 30-12-77 से का गास के लिए अथवा ग्रंड में नियमित नियुक्ति होने तक जो भी पहले ही बढ़ा दी है ग्रीर उन्हें मुख्यालय में तैनात किया है।

सं० ए० 32013/9/77-ई० सी०—इस विभाग की दिनांक 6-12-77 की अधिसूचना सं० ए० 32013/9/77-ई० सी० दिनांक 11-1-78 की अधिसूचना सं० ए० 32013/9/77-ई० सी० दिनांक 11-1-78 की अधिसूचना सं० ए० 32013/9/77-ई० सी० तथा दिनांक 2-5-78 की अधिसूचना सं० ए० 32013/9/77-ई० सी० तथा दिनांक 2-5-78 की अधिसूचना सं० ए० 32013/9/77-ई० सी० के कम में राष्ट्रपति ने निम्नलिखित सहायक तकनीकी अधिकारियों की नागर विमानन विभाग में तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में तदर्थ नियुवित को 31-7-73 तक या येड में नियमित अप्धार पर नियुवित मों पर जो भी पहले उड़े, जारी रखने की मंजूरी देदी है —

<b>त्रम सं</b> ० नाम 1 2	तैनग्ती स्टेशन 3
1 2	
————————— सर्वेश्ची	
1. एस० के० शर्मा	<b>बैमानिक संचार स्टेशन, पालम</b>
2. जी० सी० रेडडी	रेडियो निर्माण तथा विकास एकक, नई दिल्ली
3. डी० के० शर्मा	क्षेत्रीय क र्यालय, सफदरजंग एयर नई दिल्ली
4. डी० पी० ग्रग्निहोत्नी	नागर विमानन प्रशिक्षण केन्द्र, इलाहाबाद
5. बी० रामकृष्ण •	वैमानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता
6. के० एन० के० पोद्वाल	वैमानिक संचप्र स्टेशन, बम्बई
7. ए० के० टिक	नागर विमानन प्रशिक्षण केन्द्र इलाहाबाद
8. डी० बी० सूद	वैमानिक संचार स्टेशन, सफदरजंग एयरफोर्ट, नई त्विती
9. पी० एस० वैकटरमन	वैमानिक संचार स्टेशन, नाग- पुर
10. टी० भार० शास्त्री	वैमानिक संचार स्टेशन, अम्बई
11. एम० ग्रहलदास	क्षेत्रीय कार्यालय मद्रास
12. टी० एन० मेहता	रेडियो निर्माण तथा विकास एकक, नई दिल्ली

1 2	3
13. के० चन्द्रचूड़	वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास
14. ग्रार० पी० मोहिन्द्र	रेडिया निर्माण तथा कपेर- विकास एकक, नई दिल्ली
15. एन० श्रार० एन० श्रयंगर	बैमानिक संचार स्टेशन, गोहाटी
	सत्य देव शर्मा उपनिदेशक प्रशासन

# केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तालय कानपुर, दिनांक 26 मई 1978

सं० 10/78—श्री ए० एस० श्राल्वालिया निरीक्षक (प्रवरण कोटि) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क ने, श्रधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क ने, श्रधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क वर्ग ख, वेतनमान रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के पद पर ग्रपनी पदीक्षति के फलस्वरूप—देखिए इस कार्यालय के पूष्ठांकन 11-22 ई० टी०/78/44 दिनांक 9-1-78 के अन्तर्गत निगर्त/कार्यालय स्थापना भ्रादेश सं० 1/ए/4/1978 दिनांक 9-1-78 अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क भ्रधीक्षक (कस्टम) कानपुर (मुख्यालय) के पद पर कार्यभार ग्रहण दिनांक 30-1-78 पूर्वाह्म किया।

# दिनांक 24 श्रप्रैल 1978

सं० 0 16/78—श्री पी० पी० ग्रोबर निरीक्षक, "प्रवरण कोटि" केन्द्रीय उत्पाद गुल्क ने, मधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद गुल्क वर्ग का, वेतनमान रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के पद पर भ्रपनी पदोन्नति के फलस्वरूप--देखिए इस कार्यालय के पृष्ठांकन प० सं० 0 11-22 ई० टी०/78/44 दिनांक 9-1-78 के ग्रन्तगंत निर्गत कार्यालय स्थापना श्रादेश सं० 1/ए/4/1978 दिनांक ग्रधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एम० ग्रो० ग्रार० मेवारा "मेरठ" के पद का कार्यभार दिनांक 16-1-78 पूर्वाह्म ग्रहण किया।

#### दिनांक 25 धप्रैल 1978

सं० 9/78—श्री प्राई० पी० वडेरा निरीक्षक, "प्रवरण कोटि" केन्द्रीय उत्पाद शुल्क में, प्रधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क वर्ग, का वेतन मान ६० 650-30-740-35-810-द० री०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के पद पर प्रपत्ती पदोन्नति के फलस्वरूप—देखिए, इस कार्यालय के पूष्ठांकन प० सं० O 11-22-ई० टी०-78/44 दिनांक 9-1-78 के प्रन्तगंत निर्गत कार्यालय स्थाना सारेग सं० 1/ए/4/1978 दिनांक 9-1-78—प्रधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्रयोक्षक "लेखा परिक्षा" कानपुर मुख्यालय के पद का कार्यभार दिनांक 2-2-78 पूर्वाह्म प्रहण किया।

सं० 15/78—-श्री सी० पी० सैली निरीक्षक "प्रवरण कोटि" केन्द्रीय उत्पाद शुल्क ने, श्रधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क वर्ग ख, वेतनमान रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200, के पद पर अपनी पदोन्नित के फलस्वरूप—देखिए इस कार्यालय के पृष्टांकन प० सं० 11-22 ई० टी०/78/44 दिनांक 9-1-78 के अन्तर्गत निर्गत कार्यालय स्थापना आदेश सं० 1/ए/4/1978 दिनांक 9-1-78 अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधीक्षक "ख" गा-गाजियाबाद-1 के पद का कार्यभार दिनांक 16-1-78 "पूर्वाह्र" प्रह्रण किया।

#### दिनांक 1 मई, 1978

सं० 24/78-श्री प्रेमचन्द्र मिलक निरीक्षक "प्रवरण कोटि" केन्द्रीय उत्पाद शुल्क ने ग्रधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क वर्ग ख, वेतनमान रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के पद पर ग्रपनी पदोन्नति के फलस्वरूप-देखिए इस कार्यालय के पृष्ठांकन प० सं० 0 11-22 ई० टी०/74/44 दिनांक 9-1-78 के ग्रन्तगंत निर्गत कार्यालय स्थापना ग्रादेश सं० 1/ए/4/78 दिनांक 9-1-78 ग्रधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क वर्ग "ख" के पद का कार्यभार दिनांक 24-1-78 "पूर्वाह्र" को केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाह्त्तांलय कानपुर में ग्रहण किया।

के० प्रकाश ग्रानन्द, समाहर्ता

# सीमाश्लक/स्थापना

# मद्रास-1, दिनांक 23 मई 1978

सं० 1/78—श्री सी० जुलिएन श्रान्डूर को संघ लोक सेवा श्रायोग के उम्मीदवार, 6 मई, 1978, के पूर्वाह्न से श्रगले श्रादेश तक, श्रस्थाई रूप से सीमाणुल्क घर में सीधी भर्ती श्रप्रेंसर (गैर-विशेषज्ञ) नियुक्त किया जाता है। वे दो साल तक परखाधीन काल में रहेंगे।

एम० जी० वैद्या, सीमाशुल्क समाहर्ता

# केन्द्रीय जल ध्रायोग नई दिल्ली, दिनांक 27 मई 1978

सं० क-19012/691/78-प्रणासन पांच—-प्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल श्रायाग, निम्नलिखित श्रिष्ठकारियों का श्रितिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक श्रिप्यंता की श्रेणी में स्थानापन्न रूप में 650-30-740-35-810-द्व० रा०-35-880-40-1000- द० रा०-40-1200 के वेतनमान में प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीखों से श्रागामी श्रादेश होने तक पूर्णतया श्रस्थायी एवं तदर्थ श्राधार पर नियुक्त करते हैं। उन्होंने उनके नाम के सम्मुख दिए गए कार्यालयों में पदों का कार्यभार सम्भाल लिया है।

ऋम ।	श्रधिकारी का नाम	पदोन्नति की	जिस कार्यालय में
सं०	तथा पदनाम	तारीख	पदस्थापित किए गए
1	2	3	4
	सर्वश्री		
1.	रति भान पर्यवेक्षक	12-4-78 (पूर्वाह्न)	तकनीकी परीक्षण निदेणालच नं० 1
. <b>2</b> .	के <b>ं बालकृष्णन</b> पर्यवेक्षक	26- <b>4</b> -78 (पूर्वाह्न)	जलविज्ञान-1 निदेशालय
2 ] ]	116GI/78		

1	2	3	4
3.	के० एल० खुराना	29-4-78	तकनीकी परीक्षण
	पर्यवेक्षक	(म्रपराह्न)	निदेशालय-1
4.	एम० एल० <b>बन्ना</b> पर्यवेक्षक	1 2- 4- 7 8 (पूर्वाह्न)	केन्द्रीय मृदा ग्रीर सामग्री ग्रनुसन्धान- शाला
5.	गुरबचन लास,	1 4- 4- 7 8	फाटक श्रौर ग्रभिकल्प,
	पर्यवेक्षक	(पूर्वाह्म)	निदेशालच-1
6.	के० सी० ग्रग्रवाल ,	1 <i>7-4</i> -78	फाटक भ्रौर भ्रभिकल्प
	वही	(पूर्वाह्न)	निदेशासच-2
7.	िषाय चरन, वही <sup>ं</sup>	12-4-78 (पूर्वाह्न)	श्रायोजन श्रौर प्रगति निदेशालय
8.	एस० श्रीनिवासन,	1 <i>7</i> -4-78	तकनीकी परीक्षण
	वही	(पूर्वाह्न)	निदेशालय-1
9.	म्रार० के० कटारिया, वही	14-4-78 (पूर्वाह्न)	भ्रन्वेषण वृत्त सं० 1, (केन्द्रीय भंडार प्रभाग)
10.	हरीश चन्द्र यादव, वही	18-3-78 (पूर्वाह्न)	साहिबी ग्रन्वेषण उप प्रभाग सं० 3 (रेवाड़ी)
11.	एम० जगन्नायन,	8-5-78	जल विश्वान
	वही	(पूर्वाह्स).	निदेशालय-1
12.	एस० के० कौल	29-4-78	चिनाब म्रन्वेषण उप-
	वही	(पूर्वाह्न)	प्रभाग ३, भुलू
13.	डी० मजुमदार, पर्यवेक्षक	26-4-78 (पूर्वाह्न)	केन्द्रीय बाढ पूर्वानुमान वृत्त, गौहाटी
14.	के० वी० चन्द्र-	18-4-78	सी० एम० श्राई०
	शेखरन, वही	(पूर्वाह्न)	उप-प्रभाग, रायपुर ।

# विनांक 27 मई 1978

सं० क-19012/687/78-प्रशासन-पांच 1—संघ लोक सेवा ग्रायोग की सिफारिश पर, ग्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल ग्रायोग भी ग्रार० के० भारती, हिन्दी ग्रधिकारी को केन्द्रीय जल ग्रायोग में सहायक सम्पादक (भागीरथ—हिन्दी) के पद पर रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में स्थानापन्न रूप में नियमित ग्राधार पर 1 मई, 1978 की पूर्वाह्म से ग्रागामी ग्रादेश होने तक नियुक्त करते हैं।

- (2) श्री ग्रार० के० भारती, सहायक सम्पादक (भागीरथ हिन्दी) के पद पर 1 मई, 1978 (पूर्वाह्न) से दो वर्ष की ग्रवधि के लिए परिवीक्षा पर होंगे।
- (3) श्री श्रार० के० भारती की सहायक सम्पादक (भगीरथ—हिन्दी) के रूप में नियुक्ति के परिणामस्वरूप

श्री डी॰ पी॰ शर्मा, की सेवायें 29-4-78 से उन्हें प्रदान की गई 76 दिनों की छट्टियों की समाप्ति पर शिक्षा श्रीर समाज कल्याण मंत्रालय (समाज कल्याण विभाग) की वाणिस सौंप दी गई है।

जे० के० साहा, ग्रवर सचिव

# केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण

नई दिल्ली-22, दिनांक 27 मई 1978

सं० 6/5/78-प्र०-2--- प्राध्यक्ष, केन्द्रीय विश्वुत प्राधि-करण, एतद्दारा श्री एस० के० घोष, तकनीकी सहायक की केन्द्रीय विश्वुत इंजीनियरी (वर्ग 'ब') के श्रतिरिवत सह।यक निदेशक के पद पर 1-5-78 (श्रपराह्म) से श्रन्य श्रादेश होने तक स्थानापन्न तौर पर नियुक्त करते हैं।

संतोष विश्वास, भ्रवर सचिव

पुर्वोत्तर सीमा रेलवे

महाप्रबंधक का कार्यालय (कार्मिक शाखा)

पांडु, दिनांक 25 मई 1978

सं० ई/55/III/97 (0)—(ग्र) भारतीय रेल-लेखा सेवा के तिम्नलिखित को अवर वतमान में उनके नाम के समक्ष निर्दिष्ट तारीख से स्थायी किया जाता है:—

नाम	तारीख जिससे स्थायी किया गया
श्री सुरेश कुमार	28-5-77

(ब्रा) निम्नलिखित श्रिधिकारियों को द्वितीय श्रेणी सेवा में सहायक लेखा अधिकारी के पद पर उनके नाम के समक्ष निर्दिष्ट तारीख से स्थायी किया जाता है:—

नाम	तारीख जिससे स्थायी किया गया
श्री ग्रार० के० दास	1 5-6-7 7
श्री जी० पी० वर्मा	1-12-77

म० रा० न० मूर्ति, महा-प्रबंधक

# विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंद्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी विधि बोर्बे

# कम्पनी रजिस्ट्रार का कार्यालय

"कम्पनी श्रिधिनियम 1956 श्रीर मनी प्लांट फाईनेन्स एन्ड चिट फन्ड श्राईवेट लिमिटेड के विषय में"

जालन्धर, दिनांक 23 मई 1978

सं० जी/स्टेट/560/3189/1866—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतव्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसान पर मनी प्लांट फाईनेन्स फन्ड चिट फन्ड प्राईवेट लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकूल कारण दिश्वत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा श्रीर उक्त कम्पनी विधटित कर दी जाएगी।

"कम्पनी अधिनियम 1956 और स्टेंडर्ड होटलस लिमिटेड के विषय में"

जालन्धर, दिनांक 23 मई 1978

सं० जी/स्टेट/560/3452/1868—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्दारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसान पर स्टेंडर्ड होटल्स लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकूल कारण विशित न किया गया तो रिजस्टर से नाम काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

"कम्पनी श्रधिनियम 1956 श्रीर टेली बोइस प्राईवेट लिमिटेड के विषय में"

जालन्धर, दिनांक 23 मई 1978

सं० जी०/स्टेट/560/2490/1870—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के ध्रनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि टेली वोइस प्राईवेट लिमिटेड का नाम धाज रजिस्टर से काट दिया गया है। भ्रौर उक्त कम्पनी विषटिस हो गई है।

"कम्पनी अधिनियम 1956 श्रौर नगरोटा एक्स सर्विमेंन ट्रान्सपोर्ट कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड के विषय में"

जालन्धर, विनांक 26 मई 1978

सं० जी०/स्टेट/560/2866/1928—कम्पनी प्रिधिनियम, 1956 की द्यारा 560 की उपधारा (3) के प्रमुसरण में एतव्हारा यह सूचना दी जाती है कि इस सारीख से तीन मास के प्रवसान पर नगरोटा एक्स सर्विमेंन ट्रान्सपोर्ट कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकृष कारण दिशात किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

सत्य प्रकाश तायल कम्पनियों का रजिस्ट्रार पं०, हि० प्र०व च्डीगढ़

"कम्पनी श्रधिनियम 1956 श्रोर यू०पी० श्रलुमिनियम कारपोरेशन प्राईवेट लिमिटेड के विषय में"

कानपुर, विनांक 24 मई, 1978

सं० 5113/2723-एल० सी०—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद-द्वारा सूचना दी जाती है कि यू० पी० अलूमिनियम कारपोरेशन प्राईवेट लमिटेड का नाम श्राज रजिस्टर से काट दिया गया है श्रौर उक्त कम्पनी विधटित कर दी गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और वरिष्ठ इन्डस्ट्रीज प्राईवट लिमिटेड के विषय में।

कानपूर दिनांक 24 मई, 1978

सं० 5112/2923-एल० सी०—कम्पनी स्रिधिनयम 1956 की घारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतव्हारा सूचनादी जाती है कि विशष्ठ इन्डस्ट्रीज प्राईवेट लिमिटेड का नाम श्राज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषटित कर दी गई है।

कम्पनी ग्रधिनियम 1956 ग्रौर शिवालाल श्रगरवाला एण्ड कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

कानपुर, दिनांक 27 मई 1978

सं० 5240/1113-एल० सी०—कम्पनी श्रधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के धनुसरण मे एतद्- बारा, यह सूचना दी जाती है कि शिवालाल श्रगरवाला एण्ड कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड का नाम श्राज रजिस्टर से काट दिया गया है श्रौर उक्त कम्पनी विघटित कर दी गई है।

कम्पनी श्रिधिनियम 1956 श्रौर त्रिवेदी टाइप राइटर कारपारेशन प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

कानपुर, दिनांक 27 मई 1978

सं० 5232/1851-एल० सी०—कम्पनी म्रिधिनियम 1956 की घारा 560 की उपधारा (5) के म्रनुसरण में एतद्द्वारा सूचना थी जाती है कि न्निवेदी टाइप राइटर कारपोरेशन प्राइवेट लिमिटेड का नाम भ्राज रजिस्टर से काट दिया गया है भौर उक्त कम्पनी विघटित कर थी गयी है।

कम्पनी ग्रिधिनियम 1956 ग्रौर दीवान गोकुल चन्द कपूर एण्ड सन्स (वी० एस०) प्रा० लि० के विषय मे।

कानपुर, दिनांक 27 मई, 1978

सं० 5234/2011 एल० सी०—-कम्पनी म्रिधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के म्रनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि दीवान गोकुल चन्द कपूर एन्ड सन्स (वी० एस०) प्रा० लिमिटेड का नाम भ्राज रजिस्टर से काट दिया गया है भ्रोर उक्त कम्पनी विघटित कर दी गई है।

कम्पनी ग्रिधिनियम 1956 श्रीर गढ़वाल रोजिन प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

कानपुर, दिनांक 27 मई 1978

सं० 5238/2071-एल० सी०—कम्पनी भिधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के भनसरण में एतद्दारा सूचना दी जाती है कि गढ़वाल रोशिन प्राईवेट लिभिटेड का नाम भ्राज रजिस्टर से काट दिया गया है भीर उक्त कम्पनी विघटित कर दी गयी है।

कम्पनी श्रिधिनियम 1956 श्रौर स्वान्स चिट फन्ड प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

कानपुर, दिनांक 27 मई, 1978

सं० 5242/2880 एल० सी०—कम्पनी श्रिधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनसरण में एतद्दारा सूचना दी जाती है कि स्वान्स चिट फन्ड प्राईवेट लिमिटेड का नाम भाज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित कर दी गई है।

कम्पनी भ्रधिनियम 1956 श्रौर कश्यप फाइनेन्स चिट फन्ड प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कानपुर, दिनांक 27 मई, 1978

सं० 5231/2940 एल० सी०—कम्पनी श्रिधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के ग्रनसरण में एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि कश्यप फाइनेन्स चिट फन्ड प्राईवेट लिमिटेड का नाम भ्राज रजिस्टर से काट दिया गया है श्रीर कम्पनी विघटित कर दी गई है।

कम्पनी भ्रधिनियम 1956 और भ्रनुपम शूकम्पनी प्राइवेट लि० के विषय में।

कानपुर, दिनांक 27 मई, 1978

सं० 5235/2943 एल० सी०—कम्पनी श्रिधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि श्रनुपम शू कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम श्राज रजिस्टर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विघटित कर दी गई है।

कम्पनी ग्रिधिनियम 1956 श्रौर डून चिट फण्ड प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

कानपुर, दिनांक 27 मई, 1978

सं० 5239/2987/एल० सी०--कम्पनी स्रिधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्बारा सूचना दी जाती है कि डून चिट फण्ड प्राइवेट लिमिटेड का नाम भ्राज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित कर दी गई है।

कस्पनी ग्रिधिनियम 1956 श्रीर उपमा प्रकाशन प्राइवेट लि॰ के विषय में।

कानपुर, दिनांक 27 मई, 1978

सं० 5241/2997 एस० सी०—कम्पनी भ्रधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के भ्रनुसरण में एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि उपमा प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड का नाम स्राज रजिस्टर से काट दिया गया है श्रौर उक्त कम्पनी विघटित कर दी गई है।

कम्पनी श्रिधिनियम 1956 श्रौर शीतल फाइनेन्स एण्ड चिट फण्ड प्राइवेट लि० के विषय में।

कानपूर, दिनांक 27 मई, 1978

सं० 5236/एल० सी०—कम्पनी ग्रिधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के ग्रनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि शीतल फाइनेन्स एण्ड चिट फन्ड प्राईवेट लिमिटेड का नाम श्राज रजिस्टर से काट दिया गया है ग्रौर उक्त कम्पनी विघटित कर दी गई है।

कम्पनी श्रधिनियम 1956 ग्रौर डालामिया चिट फण्ड एण्ड इन्वेस्टमेट प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कानपुर, दिनांक 27 मई, 1978

सं० 5237/3163/एल० सी०—कम्पनी श्रिधिनयम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुरारण में एतद्दारा सूचना दी जाती है कि डालिमया चिट फन्ड एण्ड इन्स्वेस्टमेंट प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित कर दी गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 श्रीर जन कल्याण ट्रेंडिंग एण्ड श्रेडिट फाइनेन्स प्राइनेट लि० के विषय में ।

कानपुर, दिनांक 27 मई 1978

सं० 5233/एल० सी०—कम्पनी श्रिधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एतद्हारा सूचना दी जाती है कि जन कल्याण ट्रेडिंग एण्ड केंडिट फाइनेन्स प्रा० लिमिटेड का नाम भ्राज रिजस्टर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विघटित कर दी गई है।

एम० एल० शाह रजिस्ट्रार श्राफ कम्पनी यु० पी०, कानपूर

भारतीय कम्पनी ग्रधिनियम 1913 श्रीर मेंसर्स ऐरो पब्लिसिटी प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

ग्रहमदाबाद, दिनांक 26 मई, 1978

सं० 1015 लीक्वीडेशन—कम्पनी अधिनियम 1913 की धारा 247 की उपधारा (4) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के भ्रवसान पर भैसर्स ऐरो पब्लिसिटी प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिश्यत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा श्रीर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

> जे० गो० गाथा प्रमंडल पंजीयक, गुजरात राज्य ब्रहमदाबाद

कम्पनी श्रिधिनियम 1956 एवं मैसर्स श्राय लेन्ड इम्पोर्ट एक्सपोर्ट कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 26 मई, 1978

सं० 15261/560 (3)--कम्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रौर मैसर्स श्रायलेन्ड् इम्पोर्ट एक्सपोर्ट कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैंसर्स आयलैन्ड इम्पोर्ट एक्सपोर्ट कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

कम्पनी श्रिप्रिनियम 1956 एवं मैंसर्स गीवा सेफटी रेजर कम्पनी श्राफ इन्डिया प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 26 मई, 1978

सं० 6131/560 (3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 और गीवा सेफ्टी रेजर कम्पनी आल इन्डिया लिमिटेड के विषय में।

कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर गीवा सेफ्टी रेजर कम्पनी आफ इन्डिय प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

वि० ए० विजयन मेनोन, कम्पनियों का श्रतिरिक्त रजिस्ट्रार महाराष्ट्र प्ररूप धाई० टी० एन० एस०----

आयकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 25 मई, 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/1306/78-79/732—अतः मुझे, एन० एस० चोपड़ा आयकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्कात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के

भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-**ए० से अ**ग्रिक है

ग्रीर जिसकी संख्या 4348-बी/1 है तथा जो मदन मोहन स्ट्रीट, 4-सी दिर्या गंज, िल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्व रूप ने वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख श्रक्तुबर 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उण्वत बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है धोर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (धन्तरकों) भोर धन्तरित (धन्तरित्यों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त धन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी भाय को बाबत, उक्त अधि-नियम के श्रश्नीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (सा) ऐसी किसी आप या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना साहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः भव उक्त भिधितियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं उक्त भिधितियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्षात्:—

- 1. श्री भीन गेन गुष्ता, सुपुत्र स्वर्गीय श्री (डा०) हर स्वरूप गुष्ता, निवासी 7301; सर्कल एवैन्यू, 102, रोरेस्ट पार्क, ईल्लिन्नियस-60130, यू० एस० ए० इनके भाई तथा जरनल श्रटारनी श्री ग्रोम प्रकाश के द्वारा, निवासी 4318, कायस्थन स्ट्रीट, 3-टरिया गंज, दिल्ली। (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती संतोष कुमारी श्रग्रवाल, पत्नी श्री बीर सिंह श्रग्रवाल, निवासी 116, स्टेट वैंक कालोनी, दिल्ली-33 तथा श्री रामा नन्दगुष्ता तथा सदा नन्दगुष्ता, सुपुत्र एल० लाला ग्यानी राम, निवासी डी-5, राना प्रताप बाग, दिल्ली-7। (श्रन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पिष्ठ के श्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उनत सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी मान्नेप:--

- (क) इस पूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति आरा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्टर रो के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:—दूसमें प्रयुक्त शब्दों स्रोर पद्दों का, जो उदत्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहों स्रथं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

मकान जोकि 193.36 वर्ग मीटर या 231.27 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लाट पर बना हुआ है, जिसका नं० 4348-बी/1 है, मदन मोहन स्ट्रीट, 4-सी, दियां गंज, नई दिल्ली-110002 में निम्न प्रकार से स्थित है:——

पूर्व: मकान नं० 4348-बी/2 पश्चिम: मकान नं० 4348-ए उत्तर: मकान नं० 4378 दक्षिण: 15 फुट चौड़ी सड़क

> (एन० एस० चोपड़ा) सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 11, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 25-5-1978

प्रहरप प्राई०टी०एन०एम०----

धायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेज, धारवाड

धारवाड़-580004, दिनांक 17 श्रप्रैल 1978 निर्देश सं० 214/78-79/ग्रर्जन—श्रतः मुझे, डि॰ सि० राजगोपालन

धायकर प्रधिनियम, 1961 ( 1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/— रुपए से ध्रिषक है

श्रीर जिसकी सं० 1-1166/2 है, जो श्रीगन से शाहि के सामने है। गुलबर्गा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, गुलबर्गा में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रंडर डाक्समेंट नं० 1099 दिनांक 3-11-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है धौर धन्तरक (धन्तरकों) और धन्तरिती (धन्तरितियो) के भीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) धन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त श्रिष्ठितयम के ध्रधीन कर देने के भन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (क्क) ऐसी किसी माय या किसी घन या प्रत्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय श्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या घन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

, अतः अय, उपत अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, में उपत अधिनियम की धारा 269थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित स्थक्तियों, प्रपति :—

- श्रीमती शारदाबाई चंदप्पा पाटिल, 17-संकया रोड, सडाणिव नगर, बंगलूर सिटी (श्रन्तरक)
- 2. (1) श्री लिगराज शंतालिगप्पा पाटिल, मैसर्स शंकरिलगप्पा एम० पाटिल, के०/ग्रो० मैसर्स एल० ग्राप्त पाटिल, नेहरू गंज, गुलबर्गा,
- (2) श्री सहेबगौडा चनम लप्पा पाटिल, R/o डिग्गाव तालुका, चिन्नापूरा, गुलबर्गा-जिला (धन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के श्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (आ) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्होकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, जो आयकर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उम अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

दूसरा ममंजलावाल मकान का नं० एम० नं० 1-1166/2 प्लाट नं० 37, भ्रैवान-ए, शाहि के यहां है । स्टेशन रोड,गृलबर्गा ।

> डि० सि० राजगोपालन स**क्षम प्राधिकारी** सहायक ग्रायकर <mark>ग्रायुक्त (निरीक्षण)</mark> ग्रर्जन रेंज, धारवाड़

तारीख: 17-4-78

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०-

आयकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 घ (1) के घ्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज,, एरणाकुलम कोचिन-16, दिनाक 6 फरवरी 1978

निर्देश सं० एल० सी० 169/77-78---यतः मुझे, सी० पी० ए० वासुदेयन

भायकर भाधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से प्रधिक है ग्रौर जिसकी सं० ग्रनुभूची के प्रनुसार है, जो तिचूर पन्चायत में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), (रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नेल्लाई मे भारतीय रजिस्ट्री-करण म्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के म्रधीन 2-9-77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है घीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे युश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---.

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविध के लिए; और/ या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या भ्रन्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय भाय कर श्रिविनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त भिष्ठिनियम', या धन-कर भिष्ठिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रव, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात:----

- (1)(i) श्री मारिष्पा गीन्टर (ii) एम० सिन्गारावेलू (iii) डा० एम० वालसुन्नमणियन (ग्रन्तरक)
- (2) (i) श्री बी० जे० जोरज्ज (ii) ती० जी० स्टानली (iii) बी० जी० साबू (iv) बी० ऐ० सान्टो, (४) बी० ऐ० सिण्ण (बी० जे० इट्टीमारा के द्वारा) (श्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की धविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की धविध, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यब्दोकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो 'उक्त ध्रधि-नियम', के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, बही भ्रथें होगा, जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है।

# अनुसूची

7.07 acres of land with buildings in Sy. Nos. 484, 487, 496, 497, 498 and 400 of Thikkur Panchayath.

सी० पी० ए० वासुवेवन सक्षम प्रधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख: 6-2-1978

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार .

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 2 जूनः 1978

निर्देश सं० ए०पी० 1805—यत: मुझे, बी० एस० वहिया श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उका प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधो । सञ्जप प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर गम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- भ्ष्ये ये श्रिधिक है

श्रोर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में है तथा जो गोता सिंह नगर जालन्धर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख श्रक्तुबर 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का शरण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर ग्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखत मे शास्त्रविक छन से कथित नहीं किया गया है।

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त श्रिष्ठितियम के ग्रिष्ठीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए भौर/या
- (ख) ऐभी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए,

श्रतः श्रब, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं उक्त श्रिधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रणीतः—

- 1. दो० बंक्षित्वा द्रानपोर्ड कम्पनी लि०, होशियारपुर (द्वारी मोहन सिंह) (प्रन्तरक)
- 2. श्रो दिवन्द्र कुमार धर्मपाल पुत्र शंकर दास निवासी मोटा सिंह नगर जालन्धर (श्रन्तरिती)
  - 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके प्रधि-भोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ती में विचि रखता हो।

(यह क्यक्ति, जिनके बारे में अधीहरूनाक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सुचना जारो करके पूर्वोका सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के प्रजंन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की अविधि या तहसम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविधि, जो भी
  ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीसर पूर्वीक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त ग्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं भ्रषं होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लाट जैंसा कि विलेख नं० 4556 ग्रक्तूबर, 77 का रिजस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी जालन्धर मं लिखा है।

> बी० एस० दहिया, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज, जालन्धर

तारीख: 2-6-78

प्रकृष भाई० टी० एम० एस०---

आमकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 व (1) के मधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जासन्धर

जालन्धर, विनांक 2 जून 1978

निर्वेश सं० ए० पी०-1806—यतः मुझे, बी० एस० व्रहिया भायकर मिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-अ के मधीन सक्तम प्राधिकारी को, पह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उखित बाजार मूल्य 25,000/- व्यए से मिधक है,

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में है तथा जो गांव धलालखुदं तहसील जालन्धर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबस श्रमुसूची में धीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख नवम्बर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रग्तरण निखित में वास्तविक कप से कवित नहीं किया गया

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वावत, उक्त प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या मन्य मास्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर मिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिधनियम, या धन-कर श्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाचें मन्तरिती द्वारा त्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रंब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में; उक्त प्रधिनियम की घारा 269-च की उपधारा (1) के प्रधीन, भिन्निकिखित व्यक्तियों, प्रयोत :---

- 1. श्रीमती गुरमेज कौर, पत्नी चरण सिंह निवासी गांव धलाल खुर्द, तहसील जालन्धर। (श्रन्तरक)
- 2. श्री केसर सिंह पुत्र तुलसा सिंह, गुरुनानक पूरा माडल टाउन, जासन्धर। (श्रन्तरिती)
  - 3. जैसाकि ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है।
 (यह व्यक्ति,जिनके बारे
 में ग्रघोहस्ताक्षरी जानता है,
 कि वह सम्पत्ति में हितबढ़
 है)

को सङ्क सुचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के गर्जन के संबंध में कोई भी गाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीक से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा।
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड किसी भ्रम्य क्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पार्कीकरण:—इसमें प्रयुक्त शन्तों बीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20क में परिफाषित है, वही धर्ष होगा जो उस प्रध्याय में विया गया है।

# अनुसूची

खेती की जमीन जैसा कि विलेख नं० 4775 नम्बर 1977 के रजिस्ट्रीकृत श्रधिकारी जालन्दर में लिखा है।

> बी० एस० दहिया, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर घायुक्त (निरीक्षण), ध्रजैन रेंज, जालम्धर

तारीख: 2-6-78.

मोहर:

3-116GI/78

प्ररूप भाई० टी॰ एन॰ एस॰---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 2 जून 1978

निर्देश स० ए० पी॰ 1807—यतः मुझे, बी॰ एस० दहिया आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- १० से प्रधिक है

भीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है, है तथा जो गांव धानाल में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीवरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख नवस्बर 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के कृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रग्तरण से हुई किसी भाय की बाबत 'उक्त भ्रिष्ठिनियम' के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या धन्य धास्तियों की जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिंनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए चा, ष्टिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः ग्रम, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269 म की उपद्वारा (1) के श्रधीन निम्निस्थित अ्वक्तियों, अर्थात् :---

- श्रीमती गुरमेज कौर पत्नी चरण सिंह गांव धनाल सहसील जालन्धर । (श्रन्तरक)
  - 2. श्री इन्द्र सिंह पुत्र केसर सिंह, गुरु नानक पुरा माडल टाउन न्धर । (श्रन्तरिती)
    - 3. जैसा कि ऊपर न० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)
  - जो व्यक्ति सपत्ति में रुचि रखता है।
     (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधो हस्साक्षरी जानता है कि वह
     सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पुर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी मानेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी के के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितव के किसी भाग्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ता करी के पांच निवित में किये का सकेंगे।

स्यव्दीकरण: इसमें प्रमुक्त शब्दों और पर्वो का, को 'क्क्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा, जो उस अध्यान में दिया गमा है।

# अनुसूची

जमीन जैसा कि विलेख न० 5121 नवम्बर 1977 के रजिस्ट्रोकर्ता ग्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> बी० एस० दहिया सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्क) श्रजैन रेंज जासन्धर

तारीख: 2-6-78

प्रकप भाई। टी। एन। एस।--

आवकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के भवीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जासन्धर जालन्धर, दिनांक 2 जून 1978

निर्देश सं० ए० पी०/1808---यतः मुझे, बी० एस० वहिया धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा बया है), की घारा 269-का के ध्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूस्य 25,000/- क्पए हे प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में है तथा जो दीन दयाल उपाध्या नगर जालन्धर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, सारीख श्रक्तूबर 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृत्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पम्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तम पामा गया प्रतिकल, निम्नसिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त भिंधितियम के भंभीत कर देने के अन्तरक के दागिस्त में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; भौर/मा
- (ख) ऐसी किसी पाव या किसी धन वा प्रन्य धास्तियों को जिन्हें भारतीय धायकर धिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिधनियम, या धन-कर धिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ज्या वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः सब, उक्त प्रविनियम की धारा 269-ग के समुसरक में, में, उक्त प्रविनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के प्रवीत, निकाशिक्षत व्यक्तियों, प्रचीतः—

- 1. श्री उमा नन्द शर्मा पुत्र विद्या राम शर्मा, मकान नं० ई एफ 424, कृष्णा नगर, जगलन्धर (श्रन्तरक)
- 2. श्री देस राज पुत्र मोहन लाल, मार्फत राज बुक डिपो, श्राकट साईड भाई हीरा गेट, जालन्धर (श्रन्सरिती)
  - 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी घाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवित्र बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रजोड्स्ताक्षरी के पास निवित में किए का सकेंगे।

स्पन्नोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों धीर पदों का, जो उक्त धिवियम, के घट्टयाय 20-क में परिभाषित है, बही अर्च होगा, जो उस घट्टयाय में विया गया है।

#### अनुपूची

प्लाट जैसा कि विलेख नं० 4535, श्रक्तूबर 77 के रजिस्ट्री-कर्ता ग्रिधकारी जालन्धर में लिखा है।

> बी० एस० दहिया **स्थाम प्राधिकारी** स**हायश्र भायक<sup>र</sup> आयुक्त** (निरी**ज्ञण**) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 2-6-78

मोहरः

प्ररूप भाई० टी० एन० एस•---

भामकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269थ (1) के भ्रष्टीन भूचना भारत सरकार

ं कार्यालय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जालन्धर

ज़ालन्धर, दिनांक 2 जून 1978

निर्वेश सं०ए०पी०नं० 1809—यतः मुझे, बी०एस० दहिया, मायकर भिर्धिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रूपए से प्रधिक है

भौर जिसकी सं० जैसा कि ्यानुसूची में है तथा जो ई० एच० 83-84 लाडोबाली रोड जालन्धर में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध प्राप्तवों में प्रौर पूर्ण का में बॉणत है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख नवम्बर 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पण्डह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भिविक्ष नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी ब्राय या किसी धन व बन्य शास्तियों को जिन्हें भारतीय बाय-कर शिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिधिनियम, या धन-कर प्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः मद, उपत मधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरक में, में, उक्त मधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, धर्यात्:—

- श्री रनजीत सिंह हरबंस सिंह पुत्र बसंत सिंह पंछीगढ़।
   (ग्रन्तरक)
- 2. श्री मनबीर सिंह पुत्र मकंलगन सिंह ए० एच० 83-84 लाडोबाली रोड जालन्धर। (ग्रन्सरिती)
  - 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिक्षिभोग में सम्पत्ति है)
  - 4. जो व्यक्ति संपत्ति में रूचि रखता हो।
    (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी
    जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की भविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी
  भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति धारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हिसबद किसी ग्रम्थ व्यक्ति द्वारा भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शम्दों भीर पदों का, जो उक्त मिन नियम, के भ्रष्ट्याय 20क में परिभाषित है, वही भर्ष होगा जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

# बन्सुची

मकान जैसा कि विलेख नं० 4851 नवस्थर 1977 के रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकरी जालन्धर में लिखा है।

बी० एस० दहिया

सक्षम प्राविकारी सहायक प्रायकर ज्ञासुक्त (निरीकण)

म्रर्जम रेज, जालन्धर

तारीख: 6 फरवरी 1978

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 प(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक भायकर धायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालनधर, दिनांक 2 जून 1978

निर्देश सं० ए० पी०-1810---यतः मुझे, बी० एस० दहिया भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- ६० से श्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में है, तथा जो बस्ती वाबा खेल जालन्धर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख नवम्बर 1977

क अधान, ताराख नवस्वर 1977
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके धृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
सिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिश्चित्यम के ग्रिश्चीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या घन्य घास्तियों, को जिन्हें भारतीय घाय-कर घिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिष्ठिनयम या धन-कर घिष्ठिनयम या धन-कर घिष्ठिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के आए;

भतः भव, उन्त प्रविनियम नी वारा 269-न के बनुतरण में, में, 'उन्त प्रधिनियम' की बारा 269-व की बपबारा (1) से नमीन निम्निवित व्यक्तियों नवीत् :—

- 1. श्री गुरबक्श सिंह पुत्र लाल सिंह खुव (सैल्फ) या मखित-यारे ग्राम हरबंस कोर (पत्नी) स्वर्णजीत सिंह (पुत्र) श्रीमती राज कवर पत्नी स्वर्ण जीत सिंह बस्ती बाबा खेल जालन्धर । (ग्रन्सरक)
- 2. श्री हंस राज महाजन एण्ड सन्ज (प्र०) लि० प्रड्डा बस्ती जी० टी० रोड, जालन्धर (ग्रन्तरिती)
  - जैसा कि ऊपर नम्बर 2 में है।
     (यह व्यक्ति, जिसके ध्रधिभोग में सम्पत्ति है)
  - 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविधि, जो भी प्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी प्रस्थ व्यक्ति द्वारा, प्रघोद्दस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो ग्रायकर श्रिष्टिनियम के शब्दाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं शर्थ होना जो उस शब्दाय में दिया गया है।

# अनुसूची

मकान खेती की जमीन के साथ जैसा कि विलेख नं० 4790 नवम्बर 1977 के रजिस्ट्रीकर्ती प्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> बी० एस० दहिया समाम प्राधिकारी, सहायक मायकर भायुक्त (निरोक्षण), श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 2-6-78

प्रकृप भाई० टी० एन० एस०---बायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269 प(1) में प्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भटिन्डा

भटिन्डा, दिनांक 24 मई 1978

निर्देश सं० 208/एचएसपी/78-79-यतः मुझे, पी० एन० मलिक.

बायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्यात 'उक्त मधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ४० से मधिक है श्रीर जिसकी सं जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है, तथा जो कोर्ट रोड होशियार पुर में स्थित है (भ्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय होशियारपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीख 17-10-1977 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए झम्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृश्य, उसके बुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से धाधिक है और मन्तरक (मन्तरकों) भौर मन्तरिती (मन्तरि-तियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मनिवित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखत में बास्तविक रूप से इधित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत उक्त मधितियम के मधीन कर बेने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी जाय या किसी धन या मन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय घायकर मिन्नियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन कर भ्रष्टिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थायाकियाजानाचाहिए था,छिपाने में सुविधा कें लिए;

धतः अव, उक्त प्रविनियम की भारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, इन्द अधिनियम की बारा 269-व की उपघारा (1) के अधीत निकाशिक व्यक्तियों पर्यात् :---

- 1. श्री पूर्ण सिंह पुत्र नारायण सिंह पुत्र सरूप सिंह गांव व डाकखाना देयपूर थाना श्रादम पूर जिला जालन्धर स्वयं भौर मुख्तियार ग्राम ज्ञान सिंह पुत्र नरायण सिंह, जोगिन्द्र कौर विधवा भाग सिंह सन्तोष कौर, जसवीर कौर, हरदियाल कौर पुलियां भाग सिंह, किरपाल सिंह भ्राडाप्टिड सन भ्राफ श्री भाग सिंह पूल नारायण सिंह (भ्रन्तरक)
- 2. श्री सन्तोख सिंह सोहन सिंह ग्रीर हरभजन सिंह पूत्र श्री कर्म सिंह गांव और डाकखाना दहकोबाल तहसील होशियारपुर (ग्रन्तरिती)
  - 3. जैसा कि नम्बर 2 में लिखा है। (वह म्यक्ति, जिसके श्रिक्षभोग में सम्पत्ति है)
  - जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रघोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के श्रिए कार्यवाहियाँ करता हा।

संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिम की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की शबधि, जो भी शबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इ.स सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

**स्पन्नीकरण:---इ**समें प्रयुक्त शब्दों झौर पदों *का*, जो उक्त अधिनियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वही प्रथं होगा जो उस घष्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

दो दुकानें जो कि कोर्ट रोड होशियारपुर में स्थित है भ्रीर जैसा कि विलेखन नम्बर 2675 माह ग्रक्तूबर, 1977 रजिस्ट्री कर्ता प्रधिकारी होशियारपुर में लिखा है।

> पी० एन० मलिक सक्रम प्राधिकारी सहायक वायकर मायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भटिन्डा

सारी**ख**: 24-5-78

प्रकप माई० टी० एन० एस०--

आयंकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपूर

जयपुर, दिनांक 26 मई 1978

निर्देश सं० राज०/सहा० म्रा० म्रर्जन/402--यतः मुझे, एम० पी० विधाष्ठ,

मायकर अधिनियम, 1981 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- ए॰ से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 19 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूण रूप से विणित है) रिजस्ट्री-कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय जयपुर में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 8 सितम्बर, 1977 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त प्रक्षि। नियम, के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (बा) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रम्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर भ्रष्टिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रष्टिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया भाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः प्रव, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक में, में, उन्त प्रधिनियम, की धारा 269-व की कपक्षारा (1) के अधीन निक्निवित व्यक्तियों, प्रचौत् :---

- 1. श्री मुरली मनोहर खण्डेलवाल पुत्र श्री गणेशलाल जी, निवासी विद्याधर का रास्ता, जयपुर। (श्रन्तरक)
- 2. श्री विजय चन्द जी लोढ़ा पुत्र श्री भागचन्द जी निवासी कुन्दीगर भैरोंजी का रास्ता, जयपुर। (प्रन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्द संपत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपता में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवदा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रश्चोहस्ताक्षणी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पत्धीकरण:---इसमें प्रमुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिचाणित हैं, वहीं धर्म होया; जो उस शब्दाय में बिया नया है।

#### अनुसूची

प्लाट नं० 19, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, गणेश कालोनी, जयपुर जो उप पंजियक जयपुर द्वारा कम संख्या 1615 दिनांक 8-9-77 पर पंजिबद्ध विकथ पक्ष में भौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० पी० विशिष्ठ सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) सक्षम प्राधिकारी ग्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 26-5-78

मोहर ।

प्रकप बाई • टी • एन • एस •--

भायकर मिश्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज जयपुर जयपुर तारीख 26 मई 2978

निर्वेश सं० राजः ०/सहा० भ्रा० ग्रर्जन/४०३ यसः मुझे एम० पी० वाशिष्ठ

बायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिन्नियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित याजार मूस्य 25,000/- द॰ से मिन्निक है

श्रीर जिसकी सं० माकन सम्पत्ति है तथा जो उदयपुर में स्थित है, 'श्रीर इससे उपावद श्रनुस्ची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्री-कर्ता श्रिषकारी के कार्यालय उदयपुर में, रिजस्ट्रीकरण श्रिष्ठित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रश्रीन, तारीख 31-10-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रितकल के श्रिये, शन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिकल का पण्डह प्रतिशत से भिष्ठक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) और भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिकल, निम्न चित्रत उद्देश्य से उक्त धन्तरण सखत में बास्तविक इप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्थरण से हुई किसी भाय की बाबत छक्त भिन्न नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रम्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिय; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त भिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए चा, छिमाने में सुविधा के लिए ।

धतः धव, उनतं धिधनियमं की धारा 269-म के प्रमुत्तरच में, में, उनतं धिधनियमं की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिमी धर्वात् ा—

- श्री महेश बिहारी द्वारा मुखत्यार ग्राम श्री मुरारी लाल पुत्र स्व० श्री गुलाजारी लाल माथुर निवासी 52 गोपालपाड़ी जयपुर (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती प्रेम देवी पत्नि श्री नन्द लाल इगरेचा वि सी 95, भपालपाड़ी उदयपुर (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिये कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की सारीख से 48 विन की मविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 विन की भविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (बा) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवता किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्यक्ति स्व :-- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्वो का, जो उक्त भिवित्यम के भव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्ष होगा, जो उस भव्याय में विका बमा है।

# धनुसूची

मकान सम्पत्ति (प्रथम मंणिल) में एक तहाई हिरसा जो असवानी रोड़ देहली गेट के बाहर उदयपुर में स्थित है और उप पंजियक, उदयपुर द्वारा कम संख्या 1985 दिनांक 31-10-1977 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है:

> एम . पी . वाणिष्ठ सक्षम प्राधिकारी सहामक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज जयपुर

सा**रीब :** 26-5-78

मोहरः

प्रारूप धाई० टी० एन० एम०--

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्चन रेज जयपुर

जयपुर तारीख 26 मई 1978

निर्देश सं० राज॰/महा० ग्रा० ग्रर्जन/४०४—यत मुझे एम० पी० वाणिष्ठ

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), नी घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- हपए से श्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं ० मकान सम्पत्ति है तथा जो उदयपुर में स्थित है, (श्रीर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण क्षम में वर्णित है) जिस्ट्रीकर्ना श्रिधकारी के कार्यालय उदयपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनाम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 31-10-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रन्तरिक (प्रन्तरिको) भीर प्रन्तरिती (प्रन्तरिविधा) के बीच ऐसे ध्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त प्रन्तरण लिखन में ग्रस्तिक हम में किया नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबन, उकत प्रधिक नियम, के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्य भे कमी करने या उसमे बचने मे सुविधा के लिए;
- (अ) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगतार्थ पन्तरितो द्वारा प्रकः नहीं किया गया या वा किया जाना चाहिए था, छिनाने में मूबिचा के लिए;

अतः प्रव, उक्त प्रधिनियम को धारा 2691 के प्रमुपरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-थ की उपद्यारा (1) क प्रधीन निम्तिचित क्यक्तियों, अर्थाता---

- 1 श्री मुगारी लाल पुत्न स्वर्गीय श्री गुलजारी लाल निवासी प्ताट ग० ५२, गोपाल वाडी श्रजमेर रोड जयपुर (अन्तरक)
- 2 श्री लक्ष्मी लाल पुत्र श्री वन्हेया लाल बागरेचा निवासी 95, संपाल वाडी उदयपुर (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके र्वाक्त सम्मित के प्रजीन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उनन सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई मी प्रारिप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की प्रविध या तत्सबधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियो में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (ख) इस सूचता के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भक्षिनियम के भध्याय 20 कमें परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अभूसूची

ग्रमवानी रोड, देहली गेट के बाहर उदयपुर में स्थित माकन सम्पत्ति (प्रथम माजल) में एक तिहाई हिस्सा, जो उप पाजियक, उदयपुर द्वारा क्रम संख्या 1986 दिनाक 31-10-1977 पर पाजिबद्ध विक्रय पत्न में ग्रीर विस्तृत स्प में विवरित है

> एम०पी० वाशिष्ठ सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर स्रायुक्त (निरी**क्षण**) श्रर्जन रेज, जयपुर

तारीख: 26-5-78

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर प्राधितियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-व(1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

श्चर्जन रेंज जयपुर

जयपुर तारीख 26 माई 🗆 🗸 🗸

निर्देश सं० राज०/सहा० ग्रा० ग्रर्जन/405—यत: मुझें एम० पी० वाशिष्ठ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उवत ब्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- द० से अधिक है

ब्रीर जिसकी सं० मकान सम्पत्ति है तथा कार है कि स्थावर सम्पत्ति, श्रीर जिसकी सं० मकान सम्पत्ति है तथा जो उटयपुर में स्थित है, (ग्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची मेंग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्री-कर्ता श्रिथकारी के कार्यालय उटयपुर में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधनिमय, 1908 (1908 का 16) के श्रश्तीन, तारी के 31-10-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिणत अधिक है श्रीर अन्तरक (अन्तरकों) भोर अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक कप से कथित नहीं किया पया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियमः के अधीन कर देंने के अक्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में गुविधा के लिए: ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों की, जिन्हें शारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उनत ग्रिधिनियम' या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्सिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया स्था या निया जाना चाहिए था, छिपाने में पृक्षिण के जिए;

भ्रतः ग्रद, उक्त अधितियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त अधितियम की धारा 269य की उपघारा (1) के ग्रिक्षीन निम्नतिश्वित काक्तियों, श्रश्वीत :—

- श्री बनतारी लाल एवं श्री महेण बिहारी द्वारा मुख्त्यार श्राम श्री मुरारी लाल पुत स्वर श्री गुलजारी लाल, गोपाल बाड़ी जयपुर (श्रन्तरक)
- श्रीमती देऊ बाई पॉत्न श्री कन्हैया लाल जी बागरेचा नि०,
   भूपालवाड़ी, उदयपुर (अन्तरिती)

हो यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के स्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:----

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (अ) इन सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पष्डीकरण:—इसमें प्रयुक्त शन्दों श्रीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्य होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

श्रसवानी मार्ग, देहली गेट, के बाहर स्थित माकन सम्पत्ति की प्रथम मंजिल, जो उप पंजियक, उदयपुर द्वारा क्रम सं० 1984 दिनांक 31-10-1977 को पंजीबद्ध विक्रय पत्न में श्रौर विस्तृत से विविणित है।

> एम० पी० वाशिष्ठ सक्षम ग्रधिकारी, सहायक ध्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 26-5-78

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन, रेंज, जयपुर

जयपुर तारीख 26 मई, 1978

निर्देश सं० राज०/सहा० ग्रा० श्रर्जन/405—यतः मुझे, एम० पी० वाणिष्ठ

भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त मिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/से अधिक ह

मीर जिसकी संव मकान सम्पत्ति है तथा जो उठ्यपुर में स्थित है, (म्रोर इससे उपावड मनुसूर्या में भीर पूर्ण के किंगत है) योजस्ट्री-कर्त्ता मिश्रकारी के कार्यालय उठ्यपुर में, रिजस्ट्रीकर मिश्रकारी के कार्यालय उठ्यपुर में, रिजस्ट्रीकर मिश्रकारी के कार्यालय उठ्यपुर में, रिजस्ट्रीकर मिश्रकारी के कार्यालय संवीत, तारीख 31-10-1977 पूर्वोक्त संपत्ति के जीवत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है मीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से मधिक है भीर मन्तरित (मन्तरितयों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उट्टेश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गमा है:~~

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त श्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; श्रौर/ग
- (ख) ऐसा किसी साय या किसी धन या अन्य आस्तिय। को, जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविद्या क लिए;

अतः भव, उन्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के भनु-सरण में, में, उन्त श्रधिनियम की धारा 269म की उपधारा (1) के श्रधीन निम्निखिख व्यक्तियों, भर्यात:---

- श्री बनवारी लाल द्वारा मुखत्यार श्राम श्री मुरारी लाल पुत गुलजारी लाल निवासी 52, गोशालवाड़ी, जयपुर (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती मोहनी वैदी पात्म श्री श्रम्बा लाल बागरेचा निवासी 95 भूपालवाड़ी, उदयपुर (ग्रन्तरिती)

को यह शुक्ता जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति क ब्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत नम्पति हे धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (३) ्स स्चना के राजपक्ष में प्रकाशन को तारीख ते 45 दिन ी अवधि था तत्सम्बन्धी एतियों पर ग्वना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किया व्यक्ति द्वारा ;
- (य) अस स्वना के राजपन्न मा अवाशन ना तारी जार 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब : ! सी भन्य व्यक्ति द्वारा अधी हस्ताश्वरी के पास नि कि म किये जा सकेंगे

स्वष्टीकरण:--इसम प्रयुक्त शब्दो आर पदो का, जो उक्त ग्रधि-नियम: ग्रध्याय 20क में परिभाषित है, वही प्रथि होता जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्री बनवारी लाल में मंगंधित मकान सम्पत्ति, जो श्रसवानी रोड़, देहली गेट के बाहर, उच्यपुर में स्थित है की प्रथम मंजिल में एक तिहाई हिस्सा, जो श्रीर प्रधिक विस्तृत मण के उप पिजयक उच्यपुर द्वारा कम सं० 1983 विनाक 31-10-1977 पर पिजबद्ध विश्रय पत्न में विवरणित है।

> एम० पी० वाशिष्ठ सक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर श्रायु**क्**त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 26-5-78

प्ररूप धाई०टी०एन०एस०--

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर बायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जयपुर**्** 

जयपुर, तारीख 26 मई 1978

निर्देश सं० राज०/ग्रा० ग्रा० श्रर्जन/407—यत: मुझे, एम० पी० वाशिष्ठ

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से अधिक है,

श्रीर जिसकी सं० डी०-57 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजरहीकर्त्ती श्रिधकारी के कार्यालय जयपुर में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 23-9-77 को पूर्वोक्त सम्मत्ति के जिबत बाजार मूल्य से कम के दूश्ममान प्रतिफल के लिये भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जिनत बाजार मूल्य, उसके दूश्यमान प्रतिफल से ऐसे दूश्यमान प्रतिफल से ऐसे दूश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्रात श्रिधक है और अन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण बिखित में वास्तिबक स्था से किया नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उकत अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी झाय या किसी घन या घन्य झास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः प्रम, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त मिश्रिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के श्रक्षीन, निम्निसिक्त म्यक्तियों, अर्थात्:—

- श्री सरतक्रमार झुंझनुवाला द्वारा श्री कृष्ण कुमार झुनझुवाला निवासी झुंझनुवाला निवास, न्यृ कालोनी, जयपुर (ग्रन्तरक)
- 2. श्री रामचन्दर एवं श्री ग्रोमप्रकाश गोयनका पुत्न श्री छागमल गोयनका निवासी प्लाट नं० डी०-185, भृगुमार्ग, बनीपार्क, जयपुर (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहिमां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रजीन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्कीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम, के ग्राध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रंथ होगा, जो उस ग्राध्याय में दिया गया है।

### अमुसुची

पूर्वी तरफ का आधा हिस्सा, प्लाट नं० डी-75, धीया मार्ग, बनीपार्क, जयपुर जो उप पंजियक जयपुर द्वारा क्रम सं० 1781 दिनांक 23-9-77 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्न में श्रीर विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

> एम० पी० वाशिष्ठ सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 26-5-78

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

अध्यकर मधिनियम, 1981 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के ग्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय सहायक श्रायकर आयुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, तारीख 26 मई 1978

निर्देश सं० राज०/सहा, श्रा० श्रर्जन/408—यत: मुझे, एम० पी० वाशि $^{6}$ 5

प्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/— रुपये से श्रिधिक है,

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 9 सी० है तथा जो उदयपुर में स्थित है, (स्रीर इससे उपाबद्ध धन्भूची में ग्रौर पुर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय उत्यपुर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, नारीख 28-10-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है और मुझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफन में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) म्रीर भ्रन्तरिता (ब्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत निभ्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त श्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रब, उन्त ग्रधिनियम, की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-घ की उपद्यारा (1) के ग्रधीन निम्नजिबित व्यक्तियों, ग्रथीत्।——

- 1. श्री भ्रमृत लाल पुत्र श्री जसराजजी यादव निवासी जयपुर (ग्रन्तरक)
- 2. श्री सुन्दर लाख पुत्र मोहन लाख जी खमेरारा निवासी चोगान स्कीम नं०, 2, उदयपुर (अन्तरिती)

को पह सूचना जारो करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्येवाहियां करता है।

उक्त समानि क प्रजैन के पम्बन्त में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या नत्संबंधी व्यक्तियों पर यूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही श्रयं ंगा, जा उस ग्रध्याय में दिया गया है।

#### ग्रनुसुची

प्लाट नं० 9 सी०, चोगान स्कीम नं० 2, मधुवन, उदयपुर में स्थित सम्पत्ति जो उप पंजियक उदयपुर द्वारा क्रम सं० 1960 दिनांक 28-10-1977 द्वारा पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० पी० वाणि ठ सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 26-5-78

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०------

मामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांचय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन, रेंज भोषाल भोषाल, तारीख 6 मई, 1978

निदेश सं० ग्राई० ए० सी० एक्वी/भोपान 78-79/994---ग्रत., मुझे रा० बु० बाली

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हमके पश्चात 'जनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित गाजार मूल्य 25,000/- र• से अधिक है

श्रीर निसकी ग० भृषि हे, तथा जो नारायण पुर में स्थित है (ग्री रिसमें उपाब ग्राम हो। से स्था जो नारायण पुर में, रिक्ट्रीन कर्ता ग्रीम हो। से जार्थालय नारायण पुर में, रिकट्रीन रण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीधीन, 5-9-1977 को पूर्वोक्त समास्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरममान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसक दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रीम है और अन्तर्व (श्रन्तरिक) कीर श्रम्तरिती (ग्रन्तियों) के बीच ऐसे अन्तर्य के लिए तम पाया गया प्रतिफल का निम्तिवित उद्देश्य से उक्त स्वरण लिखित में बास्तविक रूप उ क्षित नहीं किया बया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त ग्रिश्चित्रयम के ग्रिश्चीन कर देने के ग्रन्तरक के दागित्व में कभी करने था उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/य
- (ख) ऐसी किसी भाष या किसी धन या अन्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियेम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए का, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः प्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269 म के प्रमुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम को धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निकित व्यक्तियों, प्रयत्:—

- श्री जुगल प्रसाद देवांगत पुत्र श्री नील कंठ प्रमाद ;िनवासी नारायण पुर, जिला बस्तर (श्रन्तरक)
- 2. असीसी माति भवन इ।रा सिस्टर तेवला फांसिस, नारायण पुर, बस्तर (श्रन्तरिती)

को यह सूजना नारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप : ---

- (क) इस सूचना के 'गजपन्न में प्रकाशन की नारोख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तिमां पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में म किसी व्यक्ति तारा;
- (ब) इन सूबना के राजपत में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मर्केंगे।

स्मब्दो हरण: --इममें प्रयुक्त सब्दों और पत्रों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित है, वहीं मर्थ होगा, जा उस मध्याय में दिया गया है।

### अनु सुर्धः:

4 16 एकड़ भूमि खसरा नं० 981/2 व 982/2 स्थित नारायण पुर जिला बस्तर ।

(रा० कु० बाली) सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 6-5-1978

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

अग्यकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारः 269-व(1) के प्रधीत सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन क्षेत्र, भोपाल भोपाल, दिनांक 6 मई, 1978

निदेश सं० ब्राई० ए० सी० एक्त्री/भोपाल 78-79/995— ग्रतः, मुझे रा० कु० वाली

ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिवियन' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिबीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से ग्रिधिक है

ग्रीर जिसकी सं० मकान है, तथा जो मुडवाड़ा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रुप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, मुडवाड़ा, में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, 19-9-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी ब्राय या किसी धन व अन्य ब्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ब्राय-कर ब्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ब्रिधिनियम, या धन-कर ब्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ब्रन्निरिनो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के निए,

श्रनः श्रव, उक्त श्रधिनियम की घारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम, की घारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों श्रर्थात् :--- 1 श्री धरमूमल व मोहन लाल दोनो पुत्र श्री पिट्ठन लाल मिधी निवासी जिलोबा बार्क, भुटवाडा जिला जललपुर

> . (ग्रन्तरक)

2. श्री गोकुल दास पुत श्री सीरुमल व श्री दर्शन लाल पुत श्री गोकुल मल निवासी हनुमान गंज मुडवाड़ा जिला-जबलपुर (ग्रन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त मम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से

  45 दिन की ग्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी

  ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त-ग्रधि-नियम, के श्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

म्यूनिमिपल मकान नं० 184 विनोबा बार्ड, मुडवाड़ा, जिला-जबलपुर

> रा० कृ० बाली सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 6-5-1978

प्ररूप भाई०टी • एन० एस • ---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) की धारा 269-ध (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सङ्ग्यक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 मई, 1978

निर्देश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 47/78-79—यत: मुझे के० एस० वेंकट रामन
ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त भिधिनियम' कहा गया है), की वारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- क० में ग्रधिक है

स्रोर जिसकी सं० 3-5-1089/1/ए० है, जो नारायण मुडा स्थित है (और इससे उपाब स्मान्य मुडा स्थित है (और इससे उपाब सम्मान से स्रोर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रकती अधिकारों के कार्यालय, हैं दराबाद में भारतीय रिजस्ट्री-करण स्रधिनयम, 1908(1908 का 16) के स्रधीन 22-9-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की नई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से मधिक है भीर मन्तरक (मन्तरकों) भीर मन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिये तय पाया गया शितफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया नया है:---

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रक्षि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रश्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या भन्य भास्तियों को जिन्हें, भारतीय भायकर भिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उच्त भिधिनयम, या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकेट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, क्रियन में मुक्तिया के निये;

श्रतः श्रम, उन्त भिधिनियम की धारा 269-ग के समुसरण में में, उन्त भिधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रमीत:---

- डाक्टर गौरी संकर पलनीतकर मेडीकल पाकटोशानर 5-2-1026 गैजामसाही भारता हुँदराबाद (अन्तरक)
- 2. श्रीमती एम०श्रार० मीरा देवी पती एम० रघुनाथ रेड्डी 3-5-1089/1/ए० नारायणगुडा हैंदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोका सम्पति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की प्रविद्या सत्संबंधी अ्मिक्सियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविद्य, जो भी भविद्य बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी खसे 45 दिन के भीतर उन्त स्थायर सम्पत्ति में हितब के किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोद्दिताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दोकरण: ---इसमे प्रयुक्त जन्दो और पदों का, जो उन्त ग्रीविनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं ग्रायं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

# अमृतुची

धर ने 3-5-1089/1/ए० वीर्स्तन 193-00 वर्ग यार्ड है नारायण गुडा-हैदराबाद में है रिजिस्ट्री इस्तावेज ने 2644/77 जैनट रिजिस्ट्रा हैदराबाद के कार्यालय मे

> के० एस० वेंकट रामन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैटराबाद

तारीख: 16-5-1978

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर धायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 मई, 1978

निर्देश सं० श्रा<sup>र</sup>० ए० सी० 48/77/78—यतः मुझे, के० एस० वेंकट रामन

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- श्पये से प्रधिक है ग्रौर जिसकी सं० 1-10-1/1 है, जो श्राशोकनगर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबक्क अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्का ग्रधिकारी के कार्यालय, हैंदराबाट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 3-10-77 सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्बह प्रतिशत से श्रधिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों)भौर अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखिश में वास्तविक से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) धन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधि-नियम, के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या घन्य भास्तियों को, जिल्हें भारतीय भायकर ग्रिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनयम, या धनकर भिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ब्रतः मा, उन्त प्रधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण में, उपल अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के माधीन निम्मशिष्ति व्यक्तियों अर्थात्ः— 5—116GI/78  श्रीमती व्बलुरी राहा पती श्री दी०बी० जे० बीटल 7/4 क्लर्क रास्ता रीजीडेटीन बेनगलूर जीसंका श्री पी० वीशवेशर राइ महर-मुकतार दार है 1-1.644 राधदीनगर हैदराबाद (श्रन्तरक)

2. श्री दरसी सुदाकर राड पति स्वर्गीय सगयया गारु 1- 10/1/1 श्राशोक नगर हैदराबाद (श्रन्तिरिती)

को यह सूवना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के <mark>ग्रर्जन के लिये</mark> कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजीन के सम्बन्ध में कोई भी पाक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन के श्रविध, जो भी शर्वधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रभ्य व्यक्ति द्वारा ध्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्वव्हीकरण:----इसमें प्रयुक्त भव्यों भीर पदों का, जो उक्त भिक्ष-नियम के भ्रष्ट्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं भर्य होगा जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

# अमुसूची

घर ने 1-10-1/1 श्रामोक नगरहैदराबाद रिजस्ट्री दस्तावेज नं 2706/77 जैनट रिजस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में ।

के० एस० वेंकट रामन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर **श्रायुक्त, (निरीक्षण)** श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 16-5-1978

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के भधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 16 मई 1978

निदेश सं० ए० सी० क्यू० 23/1-1413 (659)/16-7/ 77-78---श्रतः मुझे, एस० सी० परीख आयकर पधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्रजात् 'जकत मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269वा के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करते का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- र• से ग्रधिक है श्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 794, है तथा जो खाखी जालीया रोड, भायावदर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, उपलेटा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन 27-10-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का परद्रह प्रतिशत से भधिक है और अन्तरक (ग्रन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिकल, निम्मलिखित

(क) भन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त भ्राधिनियम, के भ्राधीन कर देने के भ्रन्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

उद्देश्य से उन्त भन्तरण लि**खि**त में वास्तविक रूप से कथित

नहीं किया गया है:---

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम या घन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः बन, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम को घारा 269-थ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नसिखित स्थितियों. अर्थात् !—-

- 1. श्री दीपक ग्राइल मिल, भायाबदर (अन्तरक)
- 2. श्री श्रम्बीका श्राइल मिल, की श्रोर से भागीदार श्री चन्द्र लाल बावनजी तथा श्रन्य, खाखी जलीया रोड, भायावटर (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
  हितबद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी
  के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिक्षितयम के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्थ होगा जो उस भध्याय में दिया गया है।

#### मनुसूची

एक भ्रचल सम्पत्ति जो 3966-2-3 वर्ग गज भूमि पर स्थित है तथा जो भ्रम्बीका भाइल मिल के नाम से प्रख्यात है तथा जिसका सर्वे नं० 794 है तथा जो खाखी जलीया रोड पर, भायावदर में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन नं० 27-10-1977 वाले बिकी दस्तावेज नं० 999 में दिया गया है।

> एस० सी० परीख सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-<sup>I</sup>,ग्रहमदाबाद

तारीख: 16-5-1978

प्रारूप माई० टी॰ एन० एस०-

# मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की खारा 269 व (1) के प्रधीन सूचना

# मारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-1 ध्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 16 मई, 1978

निदेश सं० ए० सी० क्यू० 23-I-1506 (660)——ग्रतः मृक्षे एस० सी० परीख

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे ६समें ६सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- ६० से प्रधिक है

भ्रौर जिसकी सं० ई० पी० नं० 87, है तथा जो भावर रोड, जेतपुर में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विद्यात है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, जोधपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन 17-10-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से भ्राधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितयों) के बीच ऐसे भन्तरण के जिमे तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भाग की साबत उक्त आधि-नियम के भधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; भ्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रम्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये।

भतः भव, उक्त भविनियम की भारा 269-ग के भनुसरण में; मैं, उक्त भविनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. (1) श्री वरबार श्री भानवाला जगावाला यागनिक रोड, सत्यक्रमा भवन, राजकोट,
- (2) क्रमार श्री मेरामवाला जगावाला, यागनिक रोड, मत्यक्रमा भवन, राजकोट
- (3) ग्रनोपाबा, जगावाला, मिलन सोसायटी, महीला कालेज के पास, राजकोट। (ग्रन्तरक)
- 2. लोहाना महाजन ट्रस्ट, की स्रोर से प्रमुख तथा मुख्य ट्रस्टी:—

शेठ श्री देवजी भाई भीमजीभाई, फूलवाड़ी, जेतपुर (ग्रन्तरिती)

- 3. (1) हरशद डाइंग
  - (2) जगी फेब्रीक्स
  - (3) श्री बच्भाई ठाकरसी
  - (4) जे० भी० टेक्सटाईल,
  - (5) जगत टेक्सटाईल

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है।)

का यह पूत्रता जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ध्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, ध्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, , जो उक्त श्रिधिनियम के श्रद्ध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वहीं भर्ष होगा, जो उस श्रद्ध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

एक अचल सम्पत्ति जो 521-4 वर्ग गज भूमि पर स्थित है तथा जिसका ई० पी० नं० 87 है तथा जो भादर रोड जेतपुर में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन 17-10-77 वासे विकी दस्तावेज नं० 689 में दिया गया है ।

> एस० सी० परीख सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

तारीख: 16-5-1978

कार्यालय, सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनांक 25 मई 1978

निर्देश सं० ए० सी० क्यू० 23-I-1500 (663)/16-6/77-78--यत: मुझे, एस० सी० परीख

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-छ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रू० से अधिक है

श्रीर जिसको सं० सर्वे नं० 476, है तथा जो रेस कर्स के पास, राज कोट में स्थित है श्रीर (इससे उपाबद्ध श्रनसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 24-10-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिये ग्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यभान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से भिष्ठक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त भिन्न नियम, के भधीन कर देने के भन्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी थाय या किसी धन या अन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ंश्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ रेती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया ा वाहियेथा, खिपाने में सुविधा के लिए,

भतः मत्र, उक्त प्रधिनियम की धारा 269म के अनुसरण में में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269 म की उपधारा (1) के स्वीन निम्नलिसित स्पन्तियों, मर्यात् :--

- कल्याणजी लक्ष्मीचन्द तथा सन्स, की भ्रोर से भागीदार श्री कल्याणजी लक्ष्मीचंद पंचनाथ प्लाट, राजकोट (अन्तरक)
- 2. (i) आसूदोमल भावनदास, (ii) श्री डूलोराम डेवनदास, (iii) श्री घनश्याम डेवनदास, (iv) श्री सेवराम डेवनदास, रन्छोठ नगर, सोसायटी, शेरी, नं०-8, राजकोट। (श्रन्तरिती)

को यह सूबना नारी करके पूर्वीक्त सम्मास के अर्जन के लिए कार्येवाहिया करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपस में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्न भिधानियम, के भ्रष्टयाय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वहीं भर्य होगा, जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 1288 वर्ग गज है तथा सर्वे नं० 476 है, तथा जो रेसकोर्स के पास, ∤राजकोट में स्थित है। तथा जिसका पूरण वर्णन 24-10-77 वाले बिकी दस्तावेज नं० 2198/77 में दिया गया है।

> एस० सी० परीख, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजन रेंज-I, भ्रहमदाबाद

तारीख: 25-5-78

प्रकप धाई • टी • एन • एस •---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भुवनेश्वर

भुवनेश्वर, दिनांक 23 मार्च 1978

निर्देश सं० 69/77-78/श्राईएसी(ए/सी)/बीएसएसब्रार— यतः मुझे, ग्रमरेन्द्र नाथ मिश्र

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सञ्जन प्राधिकारी को, यह विश्वास करते का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- क्पए से अधिक है

श्रौर जिसकी टौजी नं० 2538 है, जो बड़जोब्रा में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध ग्रनसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रजिस्ट्रार ग्राफ ग्रासुरेन्स (कलकत्ता) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 26-9-1977

को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान प्रितिक्ष के लिये भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत भिष्ठ है भीर भन्तरिक (भ्रन्तरकों) भीर भन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, तिम्तिलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में कार्रावक का से कथिन नहीं किया गया है:---

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी प्राय को बाबन, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर या
- (ख) ऐसो किसी अय ता कि ते यन या अन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रापकर ग्रविनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रविनियम, या धन-कर ग्रविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहियेथा, खिराने से मुविशा के लिए;

्रजतः ग्रव उर्रेन अधिनियन की घारा 269-ग के मनुपरण में, मैं उक्त प्रधिनियन की घारा 249-घ की उपधारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रथीत् :--- 1. श्री राम चन्द्र राम

(भन्तरक)

2. श्री सूरज बली राम

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रष्ठोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वर्ध्वीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर वर्दों का, जो उश्त श्रधि-नियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्यहोगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

जमीन और मकान मौजा-बड़जोब्रा, टौजी नं० 2538, खाता नं० 475/2 प्लाट नं० 1367/1566 ग्रेंड प्लाट नं० 1367/1566 ग्रेंड प्लाट नं० 1367/1567 पर कटक जिला में स्थित है। वह संपत्ति रेजिस्ट्रार श्राफ श्रासुरेन्स, कलकत्ता में 26-9-77 तारीख में रेजिस्ट्रार हुन्ना, जिसके डाकुमेंट नं०-श्राई-4437 है।

अमरेन्द्र नाथ मिश्र सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, भुवनेश्वर

तारीख: 23-3-78

### प्रारूप ग्राई० टी॰ एन॰ एस०--

भायकर भधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व(1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 21 जनवरी, 1978

निदेश सं० 159-एस/एसीक्यू—यतः मुझे, श्रमर सिंह बिसेन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्राधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क० से श्रिष्ठिक है

श्रौर जिसकी सं भैंसमें इण्डियन ट्रेडमें की फैंक्टरी बिल्डिंग, मशीनरी प्लान्ट, भूमि ग्रादि है तथा जो ग्राम चौधपुर पो०श्रो० खास, श्रमरोहा, मुरादाबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय श्रमरोहा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 2-9-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार म्हय से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृहय, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से मधिक है भौर मन्तरक (मन्तरकों) भौर (मन्तरिती) (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) मन्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त भिर्मानयम के प्रधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या प्रमय भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रभारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः सब, उना प्रधिनियम, की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-र की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित स्थिन्तियों, श्रर्थात्:-- 1. रहमत उल्लाह व भ्रन्य

(धन्तरक)

- मैंसर्स स्वास्तिक सुगर्स द्वारा श्री श्रोम प्रकाण रस्तोगी व अन्य (श्रन्तरिती)
- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी माझेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा श्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो अक्त अधि-नियम, के श्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही भर्ष होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

#### अमुसुची

मैसर्स इण्डिया ट्रेडर्स की फैक्ट्री भूमि, मशीनरी, प्लान्ट, बिल्डिंग ग्रादि स्थित ग्राम चौधपुर पो० ग्रो० खास, ग्रमरोहा, ग्राम चौधपुर मुरावाबाद ।

Land measuring 7.36 acres including Building land, machinery, Plant etc etc situate at vill Chaidhpur, P.O. khas Amoha, Moradabad, and all that which is entered in the late deed and from 37G of No. 3530/77 dated 2-9-77 registered at the office of the subregistrar Amroha.

श्चमर सिंह बिसेन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रार्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 21-1-1978

प्रकप आई • टी • एन • एस •-

भायकर श्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की भार। 269 व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 5 मई 1978

निर्देश सं० 5164/एई०जी—यतः मझे, श्रमरसिंह विशेन आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से प्रधिक है

त्रौर जिसकी सं० 49-क है तथा जो नजरवाग लखनऊ में स्थित है (शौर इससे उपाब अनसूची में शौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय लखनऊ में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 17-9-77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है, धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का अचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकृत से प्रधिक है शौर अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निशित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से क्यित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्राधिनियम, के ग्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करले या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (स) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त भिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों भर्यात्:—

- 1. श्री नवल किशोर शर्मा
- (म्रन्तरक)
- 2. श्री सहदेव कुमार नन्दी
- (ग्रन्तरिती)
- 3. श्रीमती निर्मेला चक्रवर्ती

(वह व्यक्ति, जिसके म्रधिमोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बग्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की घविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घविध, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य क्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उकत श्रिधिनियम के श्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थे होगा जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

### ग्र गुसूची

एक किता दो मंजिला मकान नं० 49-क जिसका क्षेत्रफल '1596 वर्गफुट है जो कि नजरबाग (वेस्कटरजंग) (लखनऊ) में स्थित है। जोकि सेलडीड तथा फार्म 36जी नं० 3150 में ग्रंकित है तथा जोकि सब रजिस्टार लखनऊ के कार्यालय में 17-9-77 को दर्ज है।

श्रमर सिंह विशेन, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, 57 रामतीर्थ मार्ग, लखनऊ

तारीख: 5-5-78

प्रकृप माई० टी• एन• एस०———— मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, सोनीपत रोड, रोहतक रोहतक, दिनांक 30 मई 1978

निर्देश सं० जीएचएल/3/77-78—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार पठानिया,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० शिव शंकर राइस मिल का हिस्सा है तथा जो पेहोवा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, गुहला में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख सितम्बर, 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक स्थप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रम्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त भ्रवि-नियम के अधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (बा) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय भ्रायकर ग्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधनियम, या भ्रनकर ग्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः प्रव, उका प्रधिनियम की धारा 269-म के भनुसरण में, में, टक्त प्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1: (i) श्री रघूबीर सिंह श्री जसपाल सिंह पुत्रगण श्री सवरन सिंह
- (ii) श्रीमती सुरजीत कौर पत्नी श्री स्वरन सिंह निवासी कोठी नं॰ 17, टेलर रोड, ग्राम्तसर
- $(ii^i)$  श्री णमशेर सिंह पुत्र श्री धन्ना सिंह निवासी गांव भिखा हरीसिंह तहसील श्रजनाला जिला ग्रम्तसर (ग्रन्तरक)
  - श्री कैलाश चन्द्र पुत्र श्री अमर नाथ मसर्स ग्रमर नाथ कैलास चन्द्र अंडितो अनाज मन्डो, कैथल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करते पूर्वोक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के भर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियो पर सूचना
  की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध
  बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों
  में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, भन्नोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पथ्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, भी उक्त भिधिनियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्णे होगा, जो उक्त भ्रष्टयाय में दिया गया है।

# अनुसूची

शिव शंकर राइस मिल का हिस्सा जो गांव पेहोवा तहसील गुहला में स्थित है।

"सम्पत्ति जैसे के रजिस्ट्रेशन नं० 1543 में दी गई है झौर जो रजिस्ट्रीकर्ता घधिकारी गुहला के कार्यालय में 30-9-1977 को लिखी गई।"

> रविन्द्र कुमार पठानिया, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर मायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 30-5-1978

प्ररूप भाई० टी०एन०एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)
भ्रजीन रेंज, सोनीपत रोड रोहतक
रोहतक, दिनांक 30 मई 1978

निर्देश सं० जीएचएल/4/77-78—यतः मझे, रवीन्द्र कुमार पठानिया,

आयकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं शिव शंकर राइस मिल का हिस्सा जिसमें 8 कनाल 2 मरला भूमि भी है, तथा जो पेहोवा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनसूची मे श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, गुहला में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख नवस्वर, 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफक्ष के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करमे का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रिधक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीथ ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नसिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि खित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) भन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए;

श्रतः श्रव, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रमुसरण में मैं, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रिधीन निम्नलिबित व्यक्तियों, अर्थात्:---6---116G1/78

- 1. (i) श्री हरबंस सिंह पुत्र श्री कियारा सिंह, (ii) श्री हजूर सिंह पुत्र श्री फूला सिंह, (iii) श्री रच्यापाल सिंह ग्रीर (iv) श्री काबल सिंह पुत्रगन श्री हजूरा सिंह सभी निवासी गांव सरस्वती खेड़ा तहसील गुहला (ग्रन्तरक)
- 2. श्री ग्रमर नाथ पुत्र श्री राम किशन, मैसर्स ग्रमर नाथ कैलाश चन्द्र श्राङ्ती, श्रनाज मन्डी, कैथल (श्रन्तरिती)

को यह सूत्रतः जारी करकेपूर्वोकासम्पत्ति के <mark>प्रजंन के</mark> लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्य सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किनो व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
  किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रघोहस्ताक्षरी के पास
  जिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्दीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के भ्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं भर्ष होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

### अमुसुधी

शिव शंकर राइस मिल का हिस्सा जिसके साथ 8 कनाल 2 मरला भूमि भी है श्रीर जो पेहोवा तहसील गृहला में स्थित है।

"सम्पत्ति जैसे के रजिस्ट्रेशन नं० 1695 में दी है और जो रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी गृहला के कार्यालय मे 3-11-1977 को लिखी गई।"

> रवीन्द्र कुमार पठानिया, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

सारीख: 30-5-1978

मोहरः

प्ररूप घाई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के अधीम सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, सोनीपत रोड़ रोहतक रोहतक, दिनांक 30 मई 1978

निर्देश सं० जीएनएल/एस/77-78—यतः मुझे, रबीन्द्र कुमार पठानिया

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द॰ से मधिक है

श्रीर जिसकी सं० शिव शंकर राइस मिल का हिस्सा 4 कनाल 2 मरला भूमि के साथ है तथा जो पेहोवा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, गुहला में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख नवम्बर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमाम प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है धौर मुझे मह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से धिक है, भीर धन्तरक (धन्तरकों) धौर धन्तरिती (धन्तरियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक स्प से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) भ्रस्तरण से हुई किसी भाग की वागत उक्त श्रिष्ठितयम के भाषीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अभने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रव, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित क्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1. (i) श्री गुरबख्श सिंह पुत्र श्री जागीर सिंह, (ii) श्री महिन्द्र सिंह ग्रीर (iii) श्री इकबाल सिंह पुत्रगन श्री गुरबख्श सिंह निवासी गांव सरसवती खोरा तहसील गुहला (ग्रन्तरक)
- 2. श्री ग्रमर नाथ पुत्र श्री राम किशन मैसर्स ग्रमर नाथ कैलाश चन्द्र ग्राड्ती ग्रनाज मन्डी, कैथल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्बवाह्यियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की भवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रवधि, जो भी
  अवधि धाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रम्य ध्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त मधिनियम, के श्रद्ध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं मर्थ होगा, जो उस श्रद्ध्याय में दिया गया है।

### **प्रनुस्**या

शिव शंकर राइस मिल का हिस्सा जिसके साथ 4 कनाल 2 मरला भूमि है और जो पेहोवा तहसील गुहला में स्थित है।

"सम्पत्ति जैसे के रजिस्ट्रेशन नं० 1696 में दी है भीर जो रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी महला के कार्यालय में 3-11-1977 को लिखी गई।"

> रवीन्द्र कुमार पठानिया सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 30-5-1978

प्रकप भाई • टी • एन • एस • ----

धायकर धिंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म (1) के अश्रीन सूचना

भारत सरकार कार्यासय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

> ग्रर्जन रेंज, रोहतक रोहतक, दिनांक 30 मई 1978

निर्वेश सं० जीएचएल/77-78—यतः मक्षे, रवीन्द्र कुमार पठानिया

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ व्यए से प्रधिक है

ग्नौर जिसकी सं० शिव शंकर राइस मिल को हिस्सा जिसके साथ 6 कनाल 2 मरला भूमि है तथा जो पेहोवा में स्थित है (ग्नौर इससे जपाबद्ध धनसूची में ग्नौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, गृहला में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख नवम्बर, 1977 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के जित्र बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्सरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जिल्त बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पम्बह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर धन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) ग्रन्सरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के ग्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या घन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय धाय-कर घिष्टियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिष्टिनयम; या धन-कर धिर्मियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अत, उन्तर प्रक्रिनियम की घारा 269-ग के प्रमुसरक में मैं, उन्तर प्रक्रिनियम, की घारा 269-व की उपधारा (1) के श्रधीन निम्निनिवत व्यक्तियों, नर्पात् :---

- 1. (1) श्री जसवन्त सिंह पुत्र श्री मेजा सिंह, (2) श्री महाकाली सिंह पुत्र श्री घन्ना सिंह निवासी गांव उरनिया तहसील गुहला जिला कुरुक्षेत्रा (श्रन्तरक)
- 2. श्री श्रमर नाथ पुत्र श्री राम किशन मैसर्स ग्रमर नाथ जैलाश चन्द्र श्राड़ती श्रनाज मन्डी, जैथल (श्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिचित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भूभिनियम के भध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्ष होगा, जो उस भध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

णिव शंकर राइस मिल का हिस्सा जिसके साथ 6 कनाल 2 भरला भूमि है श्रौर जो कि पेहोवा तहसील गुहला में स्थित है।

"सम्पत्ति जैसे कि रजिस्ट्रेशन नं० 1720 में दी है और जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी गुहला के कार्यालय में 8-11-1977 को लिखी गई।"

> रवीन्द्र कुमार पठानिया, सक्षम प्राधिकारी

सहायक भागकर भागुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 30-5-1978

प्रक्ष माई० टी० एन० एस० — , , भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के मधीन सूचना भारत सरकार

कार्यासय, सहायक भायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, सोनीपत रोड़ रोहतक

रोहतक दिनांक 29 मई 1978

निदश सं० जी० एच० एल० $\sqrt{2/77-78}$ –स्रत : मझे रवीन्द्र कुमार पठानिया,

ग्रायकर ग्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त ग्रिविनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिवीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिरा बाजार मूल्य 25,000/- कि से ग्रिविक है ग्रीर जिसकी सं ं 1/5 हिस्सा शिव शंकर राइस मिल है तथा जो पेहोवा में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध ग्रनस्ची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, गृहला में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख सितम्बर, 1977

को पूर्शीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए मन्तरित की गई है मीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पख्रह प्रतिशत से मिन्न है थीर मन्तरक (मन्तरकों) भीर मन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीज ऐसे मन्तरण के लिये थय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की यावत, उक्त प्रधिनियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रीधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः धन, उकत श्रविनियम की धारा 269-ग कि श्रमुसरण ,में, उकत अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों अर्थात्ः—

- 1. श्री जोगिन्द्र सिंह पुत्र श्री मेजा सिंह फरैंडज कलौनी टेलर श्रमृतसर । (श्रन्तरक)
- 2. श्री श्रमर नाथ द्वारा श्रमर नाथ केलाश चन्द्र कमीर्शन एजेंट (श्राइती) श्रनाज मन्डी, कैथल (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजेंन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के भ्रष्ट्याय 20क में परिमाणित हैं, वहीं धर्ष होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

1/5 हिस्सा णिव शंकर राईस मिल मशीनरी श्रौर फिटिंगज के समेत जो पेहोबा में स्थित है।

"सम्पत्ति जैसे के रिजस्ट्रेशन नं० 1499 में दी है श्रीर जो रिजस्ट्रोकर्त्ता ग्रिधकारी गुहला के कार्याल्य में 21-9-1977 को लिखी गई"

> रवीन्द्र कुमार पठानिया, सक्षम प्राधिकारी, सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज रोहतक

तारीख: 29-5-1978

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

ग्रायकर ग्रिवितयम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के ग्रियीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, सोनीपत रोड, रोहतक रोहतक, दिनांक 29 मई 1978

आपकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भ्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269 ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रु० से भ्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं० एम० सी० न० 52-53-54 वार्ड नं० 17 है तथा जो रेलवे रोड़, रोहतक में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रुप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, रोहतक में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक सितम्बर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिगत से घधिक है, और श्रम्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत सकत अधिनियम के अधीन कर देने के अक्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी ध्राय या किसी धन या घ्रन्य ध्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रापकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

म्रतः भव, उनतं श्रिष्ठिनियम, की धारा 269-ग के मनु-सरण में, में, उन्तं भ्रिष्ठिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

- 1. श्री जय प्रसाद पुत्न श्री शीसर चन्द जैन मकान नं ० 4/101 काठ मन्डी, सोनीपत । (ग्रन्तरक)
- 2. सर्वं/श्री स्रोम प्रकाश, कृष्ण लाल, वेद प्रकाश तथा सतीश कृमार पुत्रगन श्री गतपत राय मकान नं० 78-बी-III, मौहल्ला गुरु नानक पुरा, रोहतक। (श्रन्तरिती)
  - (i) श्री जन्दू 52-53-54 वार्ड नं० 17 ,रेलवे रोड, रोहतक
    - (ii) श्री दरिया सिंह

52-53-54 बार्ड नं० 17 रेलवे रोड, रोहतक (वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह पूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्यक्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख़ से
  45 दिन की भवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  भूचना की तामील से 30 दिन की भ्रवधि, जो भी
  अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति हारा, प्रधोह्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पड्डीकरण:--इसमें प्रमुक्त सब्दों भौर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के भड़याय 20-क में परिभाषित है बही भर्ष होगा जो उस भड़्याय में दिया गया है।

### **प्रनुस्**ची

सम्पत्ति एम० सी० नं० 52-53-54 जो के बार्ड नं० 17 रेलवे रोड़, रोहतक में स्थित है। जिसका क्षेत्रफल 97 वर्ग गज है। "सम्पत्ति जैसे रजिस्ट्रेशन नं० 2345 में दी गई है श्रौर जो रजिस्ट्रीकर्त्ती श्रिधकारी के कार्यालय रोहतक में 14-9-1977 को लिखी गई।"

रवीन्द्र कुमार पठानिया, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 29-5-1978

प्ररूप भाई० दी० एन० एस०-

कायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, स**हायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण)** ध्रर्जन रेंज, रोहतक रोहतक दिनांक 29 मई 1978

निर्देश सं० सी० एच० डी०/51/77-78--श्रत: मझे रवीन्द्र कुमार पठानिया, सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- द० से प्रधिक है

धीर जिसकी सं० मकान नं० 1568 सैक्टर 7-सी० है तथा जो चन्डीगढ़ में स्थित है (ग्रीर इससे उपायद्ध श्रनसूची में धीर पूर्ण रुप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्येलय, में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख सितम्बर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अभिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफस निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रान्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त प्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में क्मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी कियो प्राय या किसी धन या धन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिक्तियम, या धन-हर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

बतः, प्रव, अन्त श्रीधनियम की धारा 269ग के प्रनुसरण में, भै, प्रकृत ग्रीधनियम, की धारा 269व की उपधारा (1) के भ्राचीन, निम्नकिष्णित व्यक्तियों अर्थात् :---

- 1. श्री प्रजीत सिंह पुत्र श्री तारा सिंह निवासी बलाक ई I/141 लाजपत नगर नई दिल्ली (ग्रन्तरक)
- 2. श्री एच॰ पी॰ पाल पुत्र श्री शादी लाल पाल निवासी 1568, सैक्टर, 7-सी॰ चन्डीगढ़। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवह किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्कोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्दों का, जो उक्त धिवियम के ध्रव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भये होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया क्या है

#### अनु सुची

मकान मं० 1568 जो के सैक्टर 7-सी० चन्डीगढ़ में स्थित है।

"सम्पत्ति जैसे के रजिस्ट्रेशन नं० 606 में दी है श्रौर जो के रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्येलय में 9-9-1977 को लिखा गया।"

> रवीन्द्र कुमार पठानिया सञ्जम प्राधिकारी सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण), ग्रजंन रेंब-II, रोहतक

**वारी<b>व** : 29**-5-78** 

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

भायकर धिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के भन्नीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक झायकर झायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 29 मई 1978

निर्वेश सं० सी० एच० डी०/103/77-78---- प्रत: मुझे रवीन्त्र कुमार पठानिया,

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 व के मधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से भ्रधिक है

श्रीर जिसकी सं । मकान नं । 74 सँक्टर 5-ए । है तथा जो चन्डीगढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख फरवरी, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, असके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाग-कर भिष्ठितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठितियम या धन-कर श्रिभित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्रिपाने में सुविधा के लिए;

चतः भन, उन्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ण की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रणीत :---

- 1. श्री म्रार० एन० चौपड़ा पुत्र श्री काणी राम चौपड़ा निवासी एफ० 3/10 वासन्त विहार, नई दिल्ली (ग्रन्तरक)
  - 2. (i) श्री बी० एन० गुप्ता पुत्र श्री बाबू राम गुप्ता
    - (ii) श्रीमित बिमला देवी गुप्ता परित श्री बी० एन० गुप्ता
    - (iii) श्री विमलिन्द्र गुता तथा
    - (iv) श्री रिजिब गुप्ता पुद्मगंण श्री बी० एन० गुप्ता निवासी मकान नं० 74 सैक्ट्रर 5 ए० चन्ण्डीगढ़ (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां मुक्त करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति आरा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
  में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताअरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

हपडिकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के भ्रष्टयाय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं भर्य होगा, जो उस भ्रष्टयाय में विया गया है।

#### अमुसूची

मकान नं० 74 जो कि प्लाट नं० 70-सी० के ऊपर बना हुआ। है। और सैक्टर 5 चण्डीगढ़ में स्थित है। जिस का क्षेत्रफल 4.07 कनाल है।

"सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रेशन नं० 1229 में दी है। भ्रौर रजिस्ट्रीकरण श्रधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय में 16/2/1978 को लिखी गई।"

रवीन्द्र कुमार पठानिया सक्षम प्रधिकारी, सहायक प्रायकर पायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, रोहतक

तारीख: 15-5-1978

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

द्मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 घ (1) के द्राघीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर भाय्क्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1 मद्रास मद्रास, दिनांक 29 मार्च 1978

निदेश सं० 6/सितम्बर/77---यतः मुझे, ए० टी० गोबिन्दन,

भायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधितियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/~ रु० से प्रधिक है

स्रोर जिसकी सं० 295 स्रोर 295 ए है, वेस्ट माली स्ट्रोट मदुरै में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय पुतुमन्डपम (पत्न सं० 455/77)) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन सितम्बर, 1977

पूर्वोकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्
प्रतिशत से प्रधिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तिक रूप में कथिन नहों किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त भ्रष्टिनियम के भ्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बजने में सुविधा के लिए; भ्रोप्
- (का) ऐसी किसो प्राय या किसी धन या प्रन्य प्रास्तियों को, जिस्हें भारतीय ग्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं कियागया या या किया जाना चाहिए या, खिपाने में सुविधा के लिए।

अत: प्रम, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात :--- 1. श्रीमती पी० पक्रजम

(ग्रन्तरक)

 श्री पी० एस० लोगन≀तन ग्रौर सुलोचना (भ्रन्तरिती)

यूनाइटेड कामरिणयल बैंक,
 (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविधि, जो भी श्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य क्यक्ति द्वारा, भधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पन्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त मध्यों भीर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम के प्रध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं भर्षे होगा, जो उस प्रभ्याय में विया गया है।

#### अमृसूची

मदुरै, वेस्ट मासी स्ट्रीट, डोर सं० 295 श्रौर 295ए में (एस० सं० 560 2709 स्क्वायर फीट की भूमि (मकान के साथ)।

> ए० टी॰ गोविन्दन सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), मर्जन रेंज, मब्रास

तारी**ख** : 29-5-1978

मोहरः

प्ररूप धाई॰ टी॰ एन॰ एम॰--

आयकर घिषित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के घधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, मद्रास

मद्राय, दिनाक 26 मई 1978

निदेश सं० 3989/सप्टेम्बर/77—यतः मुझे, के पोन्नन प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि प्यायर सम्पत्ति, जिसका उत्तित बाजार मृत्य 25,000/न्यए सं प्रधिक है

ग्नीर जिमकी सं० 18, इनाम वेंकटाचलम पिल्लै, स्ट्रीट, पान्डिचेरी में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय पायन्डचेरी 'डाकुमेन्ट' 1323/77) में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 5-9-1977

1908 (1908 का 16) के अधीन 5-9-1977
को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृण्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोनत सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के
वीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उनत अन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से कथित
किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उकत अधितियम, के प्रधीन कर देने के घन्तरक के अधित्य में कमी करते या उसमे बचने में नुविधा के गर, श्रीर/या,
- (का) ऐसी किसी माय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठिनियम, या जन-कर लिश्चिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नथा या वा किया जाना चाहिए था, खिरान में स्विम के निर्म,

अतः ग्रज, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उक्त प्रजितियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्राधीन निम्नविधित व्यक्तियों, अर्थात् :--  श्रीमती श्रान्जेल पेलेरिन, मरि जोजिकन मोलियर, (श्रन्तरक)

2. श्री मती सेलव कल्पना

(ग्रन्सरिती)

को यह पूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति को भ्रजन के सिए कार्ययाहियां करता है।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशत की तारीक्ष से 45 दिन की ध्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी ध्रविध बाद में गमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में शे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूनना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वर्धाकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं मर्थे होगा जो उस शध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

पान्डिचेरी, इनाम वेंकटराचलम पिल्लै, स्ट्रीट, डोर सं० 18 में भूमि ग्रीर मकान।

> के० पोन्नन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) . भ्रजन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 26-5-78

प्ररूप माई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 26 मई 1978

निदेश सं० 4425/सेप्टेम्बर/77—यतः मुझे, के० पोन्नन आयकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिससे इसमें इस के पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं मेट्टपालयम, श्रन्नाजी राव, स्ट्रीट, डोर सं 85 श्रौर 85 ए में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय मेट्टपालयम 'डाकुमेण्ट' 989/77) में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 1-9-1977

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है घौर घन्तरक (घन्तरकों) और अन्तरिती (घन्तरितयों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त घन्तरण लिखित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के घंधीन कर देने के श्रन्तरक के दापिन्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; मौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या भाष्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर ध्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती क्षारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुत्रिधा के लिए;

भ्रतः भ्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण मे, में, उक्त भ्रधिनियम की भ्रारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों, भ्रचीतः—— 1. श्री पी० बी० ए० मोहमद जियाउतीन,

(भ्रन्सरक)

2. श्री पी० ए० सैयद, मोहम्मद राउत्तर

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना अगरां करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उत्त सम्पत्ति के प्रजेत के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दा और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के मध्याय 20-क में परिभाषित है, वही मर्म होगा जो उस मध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मेट्टुपालयम, ग्रन्नाजी राव स्ट्रीट, डोर सं० 85 क्रौर 85-ए में भूमि क्रौर मकान।

> के० पोन्नन सक्षम प्राधिकारी स**हायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण)** श्रर्जन रेंज, मद्रास

दिनांक : 26-5-78

प्रक्ष प्राई० टी० एन० एस०---

भायकर ग्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, मद्रास मद्रास, दिनाँक 26 मई 1978

निदेश सं० 4428/सेप्टम्बर/78—यतः मुझे, के० पोन्नन प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उम्त प्रधिनियम' कहा यया है), की घारा 269 के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है और जिसकी सं० तुटियलूर, सर्वे सं० 24/2 से 24/5 तक प्रौर 241 (2.36 1/2 एकड़) में स्थित है (प्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुस्ची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय पेरियनायकन्पालयम 'डाकुमेण्ट' 182/77) में, रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन सेप्टम्बर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तिरत की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से धिक है भौर भन्तरक (भन्तरकों) भौर भन्तिरती (भन्तिरतियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) धन्तरण से हुई किसी ग्राय की वाबत, उक्त श्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के मन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी घन या घन्य प्रास्तियों, को जिन्हें भारतीय प्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत ग्रधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः मन, उक्त भविनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में। में, उक्त भविनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के मधीन। निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्।—— 1. श्री रामक्रुष्ण मिशन तिदयालाया,

(अन्तरक)

2. थी ग्रल्लिमुन्नू

(ग्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भजेन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपद्म में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की धवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमं प्रयुक्त शब्दों भीर पदी का, बो उक्त श्रवि-नियम के घ्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही धर्ष होगा जो उस घ्रव्याय में विया गया है।

# प्रमुसूची

तुटियलूर गाव में 2-361 $\frac{1}{2}$  एकड़ (जिसका एस० स० 24/1, 24/2, 24/3, 24/4 श्रोर 24/5)।

के० पोन्तन सक्षम प्राधिकारी, सहायक भागकर भागुक्त (तिशीक्षण), अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 26-5-78

मोञ्चर :

प्ररूप धाई० टी० एन० एस० ----

मायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269व (1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यात्तय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निर्राक्षण) श्रजन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 26 मई 1978

निदेश सं० 4428/सितम्बर/77—यतः मुझे के० पोन्नन आगम्कर प्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

श्रीर सिजकी सं० तुटियलुर गांव में 2-00 1/2 एकड़ (एस० सं० 23 श्रीर 24/1) में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णिन है) रिजस्ट्रीयली श्रधिवारी के कार्यालय पेरियनायकन्पालयम (डाकुमेण्ट 183/77) में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन सितम्बर, 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझं यह विश्वास करने का कारण है, कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिगत से भिक्षक है श्रीर प्रन्तरिक (श्रन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरिक के लिए तय पाया गया श्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक एवं से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे चचने में सुविधा के लिए; और/या
  - (ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या भन्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर शिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्च अधिनियम या धन-कर शिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रतः भ्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--- 1. श्री रामकृष्ण मिशन विद्यालय

(भ्रन्तरक)

- 2. (1) ए० मरुदाचलम; श्रीर
  - (2) ए० सिन्नसामि

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्थन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी न पास लिखिन में किए जा सकीं ।

स्पब्दीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिधितियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित . है, बहा अर्थ होगा, जो उग श्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

कोयम्बटूर, तालुका , दुडियलूर, गांव, एस० सं० 23 ध्रौर 24/1 में 2-00 1/2 एकड़)।

के० पोन्नन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 26-5-7**8** 

पुरुष झाई० टी० एन० एस०---

आयकर भैधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के पधीन सूचना

भारत परशार

कार्यालय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरोक्कण) श्रर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनाक 26 मई 1978

निवेश सं० 4452/सितम्बर/77—यतः मुझे, के० पोन्नन प्रायकर ग्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके वण्यात् 'उस्त ग्राधिनियम' नहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जित बाजार मृत्य 25,000/- द० से ग्राधिक है

ग्रौर जिसकी सं० संगनूर पन्चायत, ०के० मुदुर, राहाकृष्णाले ग्राउट, कृष्णम्माल स्ट्रीट, डोर सं० 40 में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यं तथ गांदिपुरम, (डाकुमेण्ट 866/77) में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन 19-7-1977

को प्लॅक्त सम्पन्ति के उचित बाजार मूक्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान अतिफल से, ऐसे दृश्यमान अतिफल के पन्द्रह अतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरिकों) के बीच हो अन्तरित के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथि। नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई डिन्मा आय की बाबत उक्त अधिनियम, के प्रधीत कर देने के प्रस्तरण के दायित्व में कमी करने पा उससे बचने में मुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी यात्र मा किसी धन या अन्य मास्त्रियों का, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रधिनियम, या धन- कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया ना या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः धन्न, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त धिधनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) के भीन निम्तनिय्त व्यक्तियों, अर्वात् :--- 1. श्रीमती डी. वसन्ना देवी

(ग्रन्तरक)

2. श्री पी० नटराजन

(भ्रन्तरिती)

को यह मुजना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के अर्जन के जिल्ला कार्यवाहियां करता है।

उरत सम्मत्ति के गर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इप सूचना के राजपत्र में प्रताणन की तारोख से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविधि को भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत प्रक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (स्व) इस सूचना क राजपत्न में प्रकाशः की तारो । से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति ऐ हिन-बद्ध किसी श्रम्थ ब्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरों के गप्त लिखित में किए का सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमं प्रयुक्त गळते और पद्धो का, जो उक्त प्रधिनियम, के प्रध्याय 20-क मं परिभाषित है. बेठी अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसुची

कोयम्बेट्र तालुका, संगन्र गांव कृप्पकोन्डाम्पुदुर रादाक्वष्णा ले ब्राउट, कृष्णम्माल स्ट्रीट, सैट सं० 31 (डोर मं० 40) में 2800स्क्वायर फीट (मकान के साथ)।

> के० पोन्नम, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, मद्रास

तारीखः 26-5-1978

प्रश्रप भाई० टी० एन० एस०-

धायकर मिर्धिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनाक 26 मई 1978

निदेश सं० 5799/सितम्बर/77—यतः मुझं, के० पोन्नन आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिश्वित्यम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ब्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/— इपए से ध्रिक है

श्रीर जिसकी सं० मद्रास-24, पसुमार्ती स्ट्रीट, डोर सं० 14 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय कोडम्बावनम (डाकुमेण्ट 1277/77) में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 12-9-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐस दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से मधिक है भोर मन्तरक (मन्तरकों) और मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित मन्तरित कहीं किया गया है:---

- (क) मन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के भन्तरक के दायिश्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी थाय या किसी धन या धन्य धास्तियों को जिन्हें भारतीय धाय-कर धिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिधनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविद्या के लिए;

नतः पत्र उन्त प्रधिनियम, की घारा 269-य के धनुतरण में, में, उन्त प्रधिनियम की घारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्ननिधित व्यक्तियों नर्थात्:--  श्रीमती सी० एच० सुशीला रानी, सी० एच० वेंकटेस्वर राव,

(भ्रन्तरकः)

2. श्री जगदीश मितरा

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पति के अजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेपा---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में ने किमी व्यक्ति द्वारा :
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़
  किसी मन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों पीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के ग्राड्याय 20-क में परिमाधित हैं वहीं प्रयंहोगा जो उस भड़वाय में दिया गया है।

# वन्स्ची

मद्रास 24, पसुमार्ती स्ट्रीट, डोर सं० 14 में  $5627 \ 3/4$  स्कुयर फीट भूमि (मकान के साथ) (टी० एस० सं० 62, ब्लाक सं० 44)।

के० पोन्तन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मब्रास

सारीख: 26-5-78

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

भ्रायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 26 मई 1978

निदेश सं० 5818/सितम्बर, /77—यतः मुझे, के० पोन्नन प्रायकर प्रधिनियम, 1961(1961 का 43) (जिसे ६समे ६सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट सं० 5 ग्रीर 6, डोर सं० 5, ग्रीम्स रोड, मद्रास 6, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय टी० नगर, मद्रास (डाकुमेण्ट 653/77) में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन सितम्बर, 1977 पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरिक (प्रन्तरिकों) मौर अन्तरिती (प्रम्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) भन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत, उक्त अधि-नियम के प्रश्नीन कर देने के भन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या घन्य घास्तियों की, जिन्हें भारतीय धायकर प्रिव्वित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रिव्वित्यम, या घनकर घांघि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः शव, उक्त भिर्धानियम की धारा 269ग के भ्रनुसरण में, में, उक्त भिर्धानियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के भिर्धान निम्नलिखित व्यक्तियों भ्रथीत् :-  श्री एम० मुक्तेस नायकर, एम० श्रानन्दन श्रीर एम० तिक्नाउक्करसु श्रीर टी० गोविन्दस्वामी

\_\_\_\_\_\_

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती जी ग्रन्तम्माल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपश्च में प्रकाशन की लारीख से 45 विन की श्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूवना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा भ्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सर्कोंगे।

स्वव्हीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम के श्रध्याय 20क में परिमाषित हैं, वही भ्रथें होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

### अमुसूची

मद्रास 6, ग्रीम्स रोड, डोर सं० 5, प्लाट सं० 5 भ्रौर 6 में 1/10 ग्रिभिन्न भाग ग्रौर 3421 स्कुयर फीट का मकान।

के० पोन्नन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयु**क्त (निरीक्षण)** श्रर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 26-5-78

प्ररूप आई० टी∙ एन० एस०—

आयकर ध्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के ध्रधीन सूचना

भारत सरकार

भार्यालय, सहायक धायकर धायुक्त (निशेक्षण)

ग्रर्जन रेज, मद्राग

मद्रास दिनांक 26 मई 1978

निदेश सं० 5818/सितम्बर/77---यतः मुझे के० पोन्नन म्रायकर श्रविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसं प्रचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार यहंग 25,000/- इपमें से अधिक है ग्रौर जिसको मं० मद्रास. ग्रीम्स रोड, डोर सं० 5, प्लाट सं० 5 ग्रीर 6 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावड मनुमूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय टी नगर, मद्रास (डाकुमेन्ट 654/77) में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1890का 16) के ग्रधीन दिनांक सितम्बर, 77 ुर्बोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है मौर मुझे यह विश्वास करने का कारण ! कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है शीर मन्तरक (मन्तरकों) अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त झन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) मन्तरण से हुई किसी भाय को बाबत उक्त प्रधितियम के अधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमो करने या उससे बचने में मुजिधा के जिए; श्रीर/या
- (य) ऐसी किसी श्राय या किमी भून या भ्रम्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रश्विनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रश्विनियम, या भ्रत-कर श्रश्विनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रम्परिती द्वारा भ्रकट नहीं किया गया था या किया गाना बाहिए या, जिस्ति में स्विधा के लिए;

अतः भव, उनत मिधिनियम की बारा 269-ग के मनुसरण में, में, उनत प्रधिनियम की बारा 269-व की उपबार (1) के अधीन निम्मलिखित ब्यक्तियों, अधीत:--

- 1. श्री एम० मुरुगेस नायकर, एम० श्रानन्दन, एम० तिरुनाउकक्ररसु श्रौर टी० गोविन्दसामि (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती जी० मिललका ग्रौर जी० सेंतामेंर

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्रशीमा पन्यान ग्रान्तरिति के ग्रर्जन क लिए कार्यवाहियां करता हा।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की शबधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
  गूचना की तामीज से 30 िन की श्रवि, जो भी
  शबधि बाद में समाप्त होती हा, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी धन्य व्यक्ति हारा, ध्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :----ध्समें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अकत श्रविनियम, के मध्याय 20-क म परिभा-पित हैं, वहीं अर्थ किंगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

### **अम् सूच**ी

मद्रास 6, ग्रीम्स रोड, डोर सं० 5, प्लाट सं० 5 श्रीर 6 में 1/10 श्रभिन्न भाग ग्रीर 3421 स्कूपर फीट का मकान।

> के० पोन्नन सक्षम प्राधिकारी यहायक स्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, ,मद्रास

तारीख: 26-5-1978

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०-

भायकर प्रक्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269भ (1) के भ्राभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक शायकर श्रायक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 30 मई 1978

निदेश सं० 5812/ सिसम्बर/77—यत:, मुझे, के० पोन्नन, भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु से भिक्षक है

श्रौर जिसकी सं मद्रास 6, नुंगम्बाक्कम, रटलन्ड गेट फिफ्त स्ट्रीट, डोर सं 2 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में श्रौर जो पूर्णरूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, टी नगर, मद्रास (डाक्रुमेन्ट 620/77) में रिजस्ट्री-करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 5-9-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उनित बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उनित बाजार मूह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिकात से मधिक है और मन्तरक (अन्तरकों) प्रौर मन्तरिती (प्रन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त मन्तरण लिखित में बास्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वाबत उक्त अधि-नियम, के भधीन कर देने के भन्तरक के वायत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा को लिए; भीर/या
- (क) ऐसी किसी धाय या किसी धन मा धन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर धिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

घतः घव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनु-सरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के भभीन निकासिक्ति व्यक्तिमों, भर्यात्:---8--116GI77

- 1. (1) श्री सारा कस्तूरी चन्डि
  - (2) डी० जे० के० कार्नेलियस

(भ्रन्तरक)

श्राभा निवासं,
 डैयोसीसन भोशियल,
 वैलफेयर सेन्टर

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपत्ति के ग्रजैन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी खा से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्की करन : --- इसमें प्रयुक्त शक्यों भीर पदों का, जो उन्त अधिनियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस भ्रष्टयाय में दिया गन्ना है।

#### अम्सूची

मद्वास 6, नुंगम्बाक्कम, रटरलन्ड गेट फिफ्त स्ट्रीट, डोर सं० 2 में 5 ग्राउन्ड श्रौर 616 स्क्वायर फीट का भूमि (मकान के साथ) ।

> के० पोन्नन सक्षम प्राधिकारी स**हायक भायकर भायुक्**त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 30-5-78

प्रकप बाई० टी० एन० एस०---

बायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 30 मई 1978

निदेश सं० 5813/सितम्बर/77—यतः, मुझे, के० पोन्नन, भायकर धिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त धिविनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- ६० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं 13, नागेस्तर श्रय्यर रोड, मद्रास-34 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्याक्षय, टी नगर, मद्रास (डाकुमेन्ट 629/77) में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन सितम्बर, 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि अधापूर्वोक्त संपत्ति का उचित आजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त भवि-नियम, के मधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/बा
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या मन्य मास्तिमों को, जिन्हें भारतीय भायकर मिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिनियम, या धन-कर मिनियम, या धन-कर मिनियम, या धन-कर मिनियम, 1957. (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः भव, उक्त भिनियम को धारा 269-म के अनु-सर्ग म, में, उक्त भिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन निम्निजित व्यक्तिमाँ, भर्षात् — श्री ए० ग्रब्बेकरधौर ए० घेकलाउडिन

(भ्रन्तरक)

2. श्री सी० के० प्रबाकरन पिडयात

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपक्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन की शवधि या तत्तंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की शवधि, जो भी शवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबद किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताकरी के पास लिखितें में किए जा सकेंगे।

स्पन्छीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिक् नियम के भव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्य होगा, जो उस भव्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

मद्रास 34, नागेस्वर श्रय्यर रोड, डोर सं० 13 में भूमि ग्रोर मकान ।

> के० पोन्नन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 30-5-1978

प्रकप भाई • टी • एन • एस • ----

क्षायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के सधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजेंन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 30 मई 1978

निदेश सं० 5816/सितम्बर/77—यतः, मुझे, के० पोन्तन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० मद्रास 34, नुगम्बाक्कम, पुश्पवनम मेयिन रोड, प्लाट सं० 1 (प्रमिसस सं० 16) में स्थित है (श्रीर इससे उग्रबद्ध अनुसूची मे और जो पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी नगर, मद्रास (डाकुमेन्ट 641/77) में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से मधिक है भौर भन्तरक (भग्तरकों) भौर भन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है।—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के ब्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविद्या के लिए; भीर/या
- (क) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त पिधनियम, या धन-कर ग्रीधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग की उपवादा (1) के ग्रधीन निम्निलित अ्यन्तियों, अर्थात् ः-- 1. कैंप्टन पी० एस० राजन

(भ्रन्तरक)

2. श्री पी० के० बहादुर

(ग्रन्सरिनी)

को यह सूचमा आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उन्त संपत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप: ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की ग्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, भधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में कियं जा सकेगे।

स्पच्छीकरण :--इसमें प्रमुक्त शब्दो भौर पदो का, जो उक्त भिधिनियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही भर्थ, होगा, जो उस भ्रष्टयाय में विया गया है।

# अमुसूची

मद्रास 34, नुंगम्बाक्कम, पुरुपवनम, मेथिन रोड, प्रैमिसस सं० 16, प्लाट स० 1, में 2 प्राउन्ड प्रौर 1220 स्ववायर फीट का भूमि (मकान के साथ)।

> के० पोत्नन सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण), भर्जन रेंज-II, महास

तारीख: 30-5-78

प्ररूप भाई० टी • एन० एस•--

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के मधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 30 मई 1978

निवेश सं० 5824/सितम्बर/77—यतः, मुझे, के० पोन्तन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त ग्राधिनियम', कहा गया है), की घारा 269-ख के भ्रधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारच है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/र र० से अधिक है

धौर जिसकी सं० 110/2 कोडम्बाक्कम है रोड, मद्रास 34 में स्थित है (धौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में धौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, टी नगर, मद्रास (डाकुमेन्ट 691/77) में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 28-9-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उतित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल

का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है गीर भन्तरक (भन्तरको) और भन्तरिती (भन्तरितियो) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण सिक्षित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी माम की बाबत, उक्त मिनियम के भवीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी भ्रम या अन्य भ्रास्तियों, को, जिन्हें भारतीय भाग-कर श्रिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या उन्त श्रिष्ठित्यम, या धन-कर भिष्ठित्यम, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के शिए;

यतः सब, उक्त श्रिष्ठितयम की धारा 269न के धनुसरच में, में, उक्त श्रीष्ठितमम की घारा 269न की उपवारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, नवींतृ:--- 1. श्री पी० श्याम सुन्वर

(प्रन्तरक)

2. श्रीमती एम० बरलश्मि

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूजना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूजना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी
  भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकावन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्यक्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा झझोइस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण !—-इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के धश्याय 20-क में परिमाणित है, वही अर्थ होगा, जो उस धब्याय में दिया गया है।

#### वन्सूची

मद्रास, 34, कोडम्बाक्कम है रोड, डोर सं० 110/2 में भूमि श्रीर मकान ।

> के० पोन्तन सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)<sup>०</sup> भर्जन रेंज-11, मद्रास

तारीख: 30-5-77

प्रारूप भाई• टी• एन• एस•---

आयकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्स (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज मद्रास

मद्रास, दिनांक 30 मई 1978

निवेश सं० 8020/सितम्बर/77-यतः मुझे के० पोन्नन धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-६० से प्रधिक है,

ग्रीर जिसकी सं० जिन्जी सर्वे सं० 7/1 बी, ग्रीर सक्करापुरम गांव एस० सं० 31/2 में भूमि ग्रीर मकान में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी कें कार्यालय जिन्जी (डाकुमेन्ट 1447/77) में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन 26-9-1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पृथ्यमान प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके पृथ्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से घधिक है घीर घन्तरक (घन्तरकों) घीर घन्तरिती (घन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नतिखित उद्देश्य से उक्त घन्तरण लिखित में वास्त-विक इप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी घाय की बाबत उक्त ध्रिष्ठ-नियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धनकर भ्रधिनियम, या धनकर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा भक्ट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने भें सुविधा के लिए;

भाग अब उपत प्रधिनियम की धारा 269-म के अनु-सरव में, में, उस्त धिधनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के भ्राचीन निम्नलिखित न्यक्तियों, धर्मात्।—

- 1. श्री सैयद श्रहमद साहिब
- (भ्रन्तरक)
- 2. श्री एस० एच० सैयद कुन्लूर

(ग्रन्तरिती)

को यह सूवना जारो करके पूर्वोक्त संपक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त संपत्ति के शर्जन के संबंध में कोई भी शाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की भवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
  की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि
  बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
  में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूबना के राजात्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संस्पत्ति में हित-बद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण :--इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो जनत ग्रिधिनियम के ग्रध्याय 20-क में यथापरि-भाषित है, वही भर्ष होगा जो, उस ग्रध्याय में दिया गया है।

## प्रमुस् ची

जिन्जी सर्वे सं० 7-1बी श्रौर सक्करापुरम गाँव एस० सं० 31/2 में भूमि श्रौर मकान (8 1/4 सेन्ट) (डाकुमेन्ट 1447/77)।

के० पोन्नन, सक्षम प्राधिकारी, स**हायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)** अ**र्ज**न रेंज, मब्रास

तारीख 30-5-78 मोहर: प्रकप बाई • ही • एन • एस • ---

भायकर समिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के सभीन सूचना

पारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, मद्रास मद्रास, दिनांक 30 मई 1978

निदेश सं० 8021/सितम्बर--/77---यतः मुझे, के० गोन्ननः

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्तू मिन्नियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन समम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द॰ से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० जिन्जी चौल्ट्री, स्ट्रीट, हैं तथा जो सर्वे सं० 4/7, (भूमि श्रौर सकान) में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिश्रारी के कार्यालय जिन्जी (श्राकुमेन्ट 1480/77) में रजिस्ट्रीकरण निधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 30-9-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तिरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से मधिक है भौर मन्तरक (मन्तरकों) और मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त मन्तरण लिखित में बास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त प्रशिनियम के प्रधीन कर देने के भ्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविद्या के लिए; भौर/मा
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अग्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत भ्रधिनियम या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया क्या या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः श्रव उन्त श्रविनियम की धारा 269-थ के बनुबरण में, मैं; उक्त पश्चिनियम, की धारा 269-व ची चपद्माचा (1) के श्रवीन निम्नीविध्य व्यक्तियों, धर्मीत्:---  श्री एम० यूसुफ खान, एम० करीम खान श्रौर एम० नूब्ल्ला

(भन्तरक)

2. एकानिया एसोसिऐशन

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धान्नेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धनिध या सत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धनिध, जो भी धनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस
  किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्टोहस्ताक्षरी के पात
  लिखित में किये जा सकेंगे।

स्यब्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पवों का, जो उक्त भिन्नियम के भव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही भर्य होगा, जो उस भव्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

जिन्जी चौस्ट्री स्ट्रीट, सर्वे सं० 4/7 में भूमि घौर मकान (डाकुमेन्ट 1480/77) ।

> के० पोन्नन सक्षम प्राधिकारी सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज मद्रास

सारीख: 30-5-1978

प्रकप गाई०टी०एन०एस०---

भायकर व्यक्षितियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के भ्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्याक्रय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-II, मद्रास मद्रास, दिनांक 30 मई 1978

निदेश सं० 8023/सितम्बर/77-यतः मुझे, के० पोन्नन भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-श्व के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- ४० से मधिक है भीर जिसकी संब्होर सब ०/ए, जेंब बीव बिल्डिंगस, टीव एसव सं० 3427, महा मारियम्मन कोयिल स्ट्रीट, मन्नार्गुडि में स्थित है (भीर इससे उपावक भनुसूची में भीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय मन्नार्गेडि (डाक्रमेन्ट 2137/77) में, रजिस्द्रीकरण भ्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 28-9-77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है घौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर भन्तरक (धन्तरकों) भौर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित

(क) भ्रम्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रष्टिनियम, के भ्रभीन कर देने के भ्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या

उद्देश्य से उक्त प्रग्तरण शिखित में वास्तविक रूप से कथित

नहीं किया गया है:---

(ख) ऐसी किसी माय या किसी घन या धन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविद्या के लिए;

अतः सब, उक्त प्रिप्तियम की घारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रिप्तियम की घारा 269-म की उपजारा (1) के प्रधीन निम्नलिक्ति व्यक्तिमें, नर्वात्।— 1. श्री जे० एस० एम० शेक बदूर्तीन,

(ग्रन्तरक)

2. श्री ए० ए० हाजा मोयदीन, राउत्तर

(भ्रन्त (र्)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तस्तंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन, की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रष्टोहस्ताकारी के पास लिखिन में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रमुक्त मध्यों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गमा है।

### अनुसूची

मन्नार्गुडि, महा मारियम्मन कोयिल स्ट्रीट, छोर सं० 0/ए, (जे० वि० बिल्डिंग्स), 6159 स्क्वायर फीट का भूमि (मकान के साथ) (वार्ड सं० 1, ब्लाक सं० 54, टी० एस० सं० 3427)।

के० पोन्नन सक्षम प्राधिकारी, स्रायक्ष्य प्रायक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज, मद्रास

तारीख: 30-5-1978

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269-व (1) के मधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर <mark>भ्रायुक्त (निरीक्</mark>रण)

द्यर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 जनवरी। 1978

निदेश सं० 11339/म्रर्जन/मु० नगर/77-78/6808—-यतः, मुक्को, म्रार० पी० भार्गव,

भायकर अधिक्षियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित नाजार मूल्य 25,000/- द॰ से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० मुजपफर नगर है, में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय मुजफ्फर नगर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 17-9-1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (बन्तरकों) भौर प्रन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण शिखत में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी मायकी बाबत उक्त मिन-नियम के मधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; मौर/या
- (ख) ऐसी किसी खाय या किसी धन या खम्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविद्या के लिए;

श्रवः अव, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के प्रमुखरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के सवीन निभ्यक्तिव्यत व्यक्तिव्यें, प्रयाद् :—  श्री बेगराज शर्मा पुत्र बनवारी लाल एवं श्रोमप्रकाश पुत्र बेगराज शर्मा निवासी मकान नं० 43, घेर खत्ती, नई मंडी, मुजफ्फर नगर।

(ग्रन्तरक)

2. सुरेश चन्द, रमेश चन्द एवं सुभाष चन्द पुत्र हरिश्चंद निवासी मकान नं० 128, मोपा रोड, (दक्षिणी) मुजफ्फर नगर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की झवधि या तत्सम्बधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की झवधि, ओ भी झवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (आ) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बढ़ किसी झन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्ठीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रिष्ठितियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभावित हैं, वही अर्थ होगा जो उस श्रध्याय में विया गया है।

### अनुसुची

मकान नं० 198 साउथ मोपा रोड, नई मंडी, मुजफ्फरनगर 5000 रु० के विकय मृख्य में बेचा गया।

> ग्रार० पी० भागेव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 4-1-78

प्रकप भाई० टी० एन० एस०-

भ्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भ्रारा 269 व (1) के ग्रिधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक झायकर भायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर , दिनांक 30 जनवरी, 1978

निवेश सं० 813/प्रजंन/प्रागरा/77-78—7479—यतः
मुझे, ग्रार० पी० भार्गव,
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य
25,000/- ४० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० ...... है तथा जो ...... में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय धागरा में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन सितम्बर, 1977 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है भीर मृत्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पख्डह प्रतिशत से प्रधिक है, भीर धन्तरक (अन्तरकों) और मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में ब(स्तविक इन्दर्भ के धित नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रम्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उकत भ्रधि-नियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रम्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या धन्य धाहितयों को जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ृ अतः अब उस्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269 व की उपधारा (1) के अधीन निम्निखित व्यक्तियों, अवीत्:---  रुकमनी बाई विधवा स्वर्गीय श्री मथुरा दास, सदर भट्टी, श्रागरा ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री नन्द किशोर पुरी पुत्न श्री परमानन्द पुरी निवासी शंकर मारकेट, पीपल मन्डी, श्रागरा व राजकुमार पुरी पुत्र परमानन्द पुरी, निवासी कृष्णा कालोनी, श्रागरा ।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करला हं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी घाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितवढ़ किसी ग्रन्थ क्यन्ति द्वारा, ग्रद्धोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्वव्यक्तिरण :---इसमें प्रयुक्त, शन्दों भीर पदों का, जो उन्त भिधिनियम, के भ्रष्टमाय 20-क में परिभाषित हैं, बही धर्म होगा जो उस भ्रष्टमाय में दिया गया

# अमुसूघो

श्रचल सम्पत्ति मकान न० 17/296वं 17/296/1 स्थित सदर भट्टी रकक्षागंज, दार्ड श्रागरा जोकि 75000 रु० में बेची गयी।

ग्रार० पी० भागेंव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 30-1-78 मोहरू: प्रका प्राई० टी० एन० एस•--

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म (1) के मधीन सूचना

#### भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

स्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 31 जनवरी, 1978

निदेश सं० 10809/म्रर्जन/हापुड़/7778/7499—यतः मुझें म्रार० पी० भार्गव,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-छ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है,

और जिसकी सं० ध्रनुसूची के पनुसार है तथा जो ध्रनुसूची के ध्रनुसार स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ध्रनुसूची में भीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ध्रिधकारी के कार्यालय हापुड़ में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ध्रिधीन तारीख 2-9-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए शन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और शन्तरक (शन्तरकों) भौर शन्तरिती (शन्तरितियों) के बीच ऐसे शन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) धन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त मधिनियम, के मधीन कर देने के शन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या प्रन्य घास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर घघिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत घघिनियम, या घन-कर घघिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपने में सुविधा के लिए;

प्रतः पव, उक्त प्रधिनियम की घारा 269 ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की द्वारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन विकतिलित व्यक्तियों अर्थात् :---  माधो क्रपाल पुत्र स्वर्गीय दाउ दयाल निवासी रेवती मुंज, हापुड़, जिला गाजियाबाद।

(भन्तरक)

 श्री राज क्रपाल पुत्र बनवारी लाल निवासी बुर्ज, हापुड़ ' जिला गाजियाबाद ।

(अन्तरिती)

को यउ सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंत के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की मविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की मविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पाधीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्च होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

# अन्**स्ची**

श्रचल सम्पत्ति मकान तीन भागों में स्थित रेवती कुंज, रेलवे रोड, हापूड़ 27000 रु० के विकय मृत्य में बेची गयी।

> श्रार० पी० भागेत्र, सक्षम प्राधिकारी, सहायक द्यायकर प्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख 31-3-78 मोहर : प्ररूप धाई० टी० एन० एस०---

आयकर प्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के प्रधीन सूचना

#### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, विनांक 31 जनवरी, 1978

निदेश सं० 10819/म्रर्जन/हापुड/7778/7513—यत. मुझे श्रार० पी० भार्गव,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाखार मृल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है और जिसकी सं० ग्रनुसूची के ग्रनुसार है तथा जो ग्रनुसूची के ग्रनुसार हिथत है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजिस्ट्रीकर्ती ग्रधिकारी के कार्यालय हापुड़ में रिजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 2-9-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यभान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कथित मही किया गया है:—

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त भिन्न नियम, के भन्नीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रिष्ठनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिष्ठनियम, या धनकर भ्रिष्ठनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनामं भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

मतः, भव, उक्त भिविनियम की धारा 269-ग के भनु-सरण में मैं, उक्त भिविनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्मसिवित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री जनार्दन कृपाल पुत्र दाउ दयाल, निवासी रेवती कुज, हापुड़, गाजियाबाद। '(अन्तरक)
- श्री सुनील कुमार पुत्र राज कृपाल निवासी बुर्ज, हापुड़, गाजियाबाद

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविधि या तत्संबंधी अ्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ंख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किंदा प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त सन्दों भीर पदों का, जो उक्त भिक्ष-नियम के म्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही भ्रयं होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

ग्रचल सम्पत्ति मकान तीन भागों में स्थित रेवती कुंज, रेलवे रोड, हापुड़ 27000 रु० के विक्रय मूल्य में बेची गयी।

> ग्रार० पी० भार्गव, सक्षम प्राधिकारी, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण), सर्जन रेंज, कानपुर

तारीख 31-1-78 मो**हर** : प्ररूप आई० टी॰ एन० एस०---

भ्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के भ्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 31 जनवरी 1978

निदेश सं० 1082-A/म्रर्जन/हापुड़/7778/7512—यतः मुझे म्रार० पी० भार्गव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके

पश्चात् 'तक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु०

से अधिक है

भौर जिसकी सं० श्रनुसूची के श्रनुसार है तथा जो श्रनुसूची के श्रनुसार में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय हापुड़ में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 2-9-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया कथा है।—

- (क) ग्रन्तरण से तुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त श्रिष्ठिनियम के अधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (था) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भय अस्तिययों को जिम्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या विषया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अत: ग्रंब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के ग्रनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के ग्रंबीम, निम्नुलिखित व्यक्तियों. प्रयति :--

- श्रीमती गुलाब बाई पत्नी स्वर्गीय जगदीश कृपाल निवासी रेवती कुंज रेलवे रोड, हापुड़, गाजियाबाद। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री राज कृपाल पुत्र बनवारी लाल एवं सुनील कुमार पुत्र राज कृपाल निवासी बुर्ज हापुड़, गार्जिक्ट व । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी घाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के भ्रष्टयाय 20क में परिभा-वित है, वही भर्ष होगा जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है।

### अनुसूची

श्रवल सम्पत्ति मकान दो भागों में स्थित रेवती कुंज रेलवे रोड, हापुड़, जिला गाजियाबाद 26000 ६० के विकय मूल्य में बेची गयी।

> आर० पी० भार्गव, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, कानपुर

सारीख : 31-1-78

प्रइप माई • टी • एन • एस • -----

आयकर भिवित्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269ण (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 2 जून 1978

निदेश सं० 1461-A/ग्रर्जन/हिरिद्वार//7778/1062--यतः मुझे ग्रार० पी० भागव

जायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की घारा 269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- द० से ग्रिधक है

भौर जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हरिद्वार में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 12-9-1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और भन्तरक (अन्तरकों) भौर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्त्विक कप से कथित नहीं किया गया है:—-

- (क) ध्रम्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के ध्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी धान या फिसी धन या घम्य धास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर घिष्टित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर घिष्टित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या विषया जाना चाहिए था, छिपानें में सुविधा के लिए;

अतः धव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269ग के प्रमुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269च की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्निसिखित व्यक्तिमों, अर्थात्:—  श्री रामप्रसाद पुत्र हीरा निवासी ग्राम व पोस्ट भोगपुर प० ज्वालापुर, तहसील रूड़की, जिला सहारनपुर ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री दर्शन सिंह एवं जागीर सिंह पुत्र एस० सुन्दर सिंह निवासी ग्राम नूनावाला, पोस्ट भानियावाला, जिला देहरादून । वर्तमान : ग्राम भोगपुर प० ज्वालापुर, त० स्ड्रकी जिला सहारनपुर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के प्रजेंन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ब्यक्तियों में से किसो व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर संपत्ति में हितबद किसी भन्य व्यक्ति द्वारा भघोहस्ताक्षरी के तस जिख्त में किए जा सकेंगे।

स्पन्तीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दो ग्रीर पदों का, जो 'उक्त, भिधिनियम' के बड़्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही भवं होगा, जो उस ग्रह्माय में दिया गया है ।

#### अनुसूची

ग्रंचल सम्पत्ति कृषि भूमि 19 बीधा 10 बिस्वा, एवं 3 विस्वांसी, स्थित ग्राम भोगपुर परगना ज्वालापुर, त० रूड़की जिला सहारनपुर 55000 रु० के विश्रय मूल्य में बेची गयी।

> न्नार० पी० भार्गव, सक्षम प्राधिकारी, सहायक मायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), मर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 2-6-78

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस० -

भायकर धर्धिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 22 मार्च 1978

सं० 635—यतः मुझे, एन० के० नागराजन ध्रायकर ध्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ध्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० प्रे प्रिक है

श्रीर जिसकी सं० 3 है, जो बिन्तवर्तीपाडु में स्थित है (श्रीर इससे उपाबब अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय गुडिवाडा, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिकारी के कार्यालय गुडिवाडा, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 23-9-77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृमें यह विश्वास करने का कार्य है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यभान प्रतिफल का पन्बह तिशत से मधिक है और अन्तरक (अन्तरिकों) धौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरिकों) धौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरित अन्तरण लिखत में भास्तिक इप से कियात नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रान्तरण से हुई किसी भाग की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के भ्रम्तरक के दायित्व में कमी काने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रम्य भ्रास्तियों को जिन्ह भारतीय भ्राय-कर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व भ्रम्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, छिपानें में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त भ्रधिनियम, की धारा 269ना के अनु-सरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269न्य की उपवारा (1) के ब्राजीन, निम्नविचित व्यक्तियों, प्रयोत्:---

- (1) श्री एस० रंगराव
  - (2) श्री एस० महालक्ष्मी
  - (3) श्री एस० रामकृणाराव
  - (4) श्री एस० रामणाराव
  - (5) श्री पि० सत्यवतम्मा गुडिवाडा

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती श्राकुराति प्रभावति गुडिवाडा, ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के ग्रजैंन के लिए कार्यवाहियां करता हुँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की मनिष्ठ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिक्ष-नियम के राष्ट्रपाय 20- में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अमुस्की

गडिवाडा रजिस्ट्री ग्रिधिकारी से पौक्षिक ग्रंत 30-9-77 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 3374/77 में निगमित ग्रनुसूची में सम्पत्ति ।

एन० के० नागराजन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख: 22-3-78

प्रक्ष भाई • टी • एन • एस • ---

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 22 मार्च 1978

सं० 637—यतः मुझे, एन० के० नागराजन
धायकर श्रिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त श्रिष्ठिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के श्रिष्ठीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/इ० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 568 है, जो कथिकथेकी गाव मे स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची मे श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय निद्यामा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधितयम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 7-9-77 को पूर्शेक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य मे कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल मे, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रिधक है और अन्तरित (अन्तरितथों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) प्रन्तरण से दुई किसो प्राय को बाबत उक्त प्रधितियम के प्रधीन कर देने क प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे प्रवते में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाष या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें शारतीय प्रायकर श्रधिनियम, 1942 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर ग्रिविश्यम, 1957 (1957 ना 27) र प्रयोजनार्थ प्रत्यस्ति। क्षारा प्रकट नहीं जिया गया था या किया भना चाहिए था, खिनाने में द्विजा के लिए;

भतः भन, उक्त मधिनियम की धारा 269 ग के भनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269 व की उपधारा (1) के भवीन, निम्न सिक्ति व्यक्तियों श्रष्तिः -- 1. श्री एन० भीमेस्वर, राजामपेटा

(ग्रन्तरक)

- 2. (1) डि॰ वेकटाराधाकृष्ण मूती ।
  - (2) इि० कनकांच कचिकयली

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भ्रवधि बाद में समाप्त होती हो, क भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न भे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हिनश्रद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा तकेंगे।

स्पाकिरण: ---इसमे प्रयुक्त एव्दों ग्रोर पदो का, जो उक्त ग्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रथं होगा, जो उस भ्रष्याम में दिया गया है।

# अमुसुची

नंदिगामा रजिस्ट्री अधिकारी से पौक्षिक अन्त 15-9-77 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

> एन० के० नागराजन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख: 22-3-78

प्ररूप धाई० टी• एन० एस०-

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, काकीनाडा काकीनाडा, दिनांक 20 स्रप्रैल 1978

सं० 663—यतः मुझे एन० के० नागराजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त शिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-६० से श्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० आर० नं० 313/2 जो बुद्धवरम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गन्नवरन में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 19 सितम्बर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान पति कल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है यौर अन्तरक (अन्तरकों) घौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण निखन में वास्तयिक रूप में कथित नहीं किया गया है:--

- (क) मन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत जक्त प्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या जसमें यचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ब) ऐसी किसी माय या किसी धन या प्रम्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर ग्रीधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रीधिनयम, या धनकर ग्रीधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रांतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया (या या दिया जाना चाहिए या, जिलाने में स्विधा के लिए;

अतः पर्व, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रमु-सरा में में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थीत् :—

- 1. (1) श्री जि० राधा सुब्बाराव
  - (2) श्री जि॰ लक्ष्मी श्रीनिवास नागेन्द्र प्रसाद
  - (3) श्री जि॰ कोदन्डा रामय्या बुद्धवरम।

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती सुकरा विजयकुमारी, भिलाप नगर।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत संपत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की भविध या तस्संबंधी ध्यक्तियों पर सूचना
  की तामील से 30 दिन की भविध जो भी भविध बाद
  में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में
  से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, ध्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त गावीं और पदों का, जो उक्त भिधिनियम के ग्रष्टयाय 20-क में परि-भाषित हैं वही भर्ष होगा, जो उस भ्रष्टयाय में विया गया है।

#### अनुसूची

गन्तवरम रजिस्ट्री ग्रिधिकारी से पाक्षिक श्रंत 30-9-77 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 2821/77 में निगमित श्रमुसूची सम्पत्ति।

एन० के० नागराजन सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख: 20-4-78

### प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

प्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269घ(1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्पालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) 4/14क, आसफग्रली मार्ग, नई दिल्ली ग्रर्जन रेज.

दिल्ली-1, दिनांक 2 ग्रप्रैल 1978

निर्वेश सं० श्राई० ए० सी० /एक्यू०/ 1/159/श्राक्तूबर- 1/(9) /77-78----- प्रतः मुझे जे० एस० गिल म्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इमके पश्चात् 'अका ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के प्रधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थात्रर सम्पत्ति जिसका **उ**चित भाजार मृल्य 25,000/-रु० से ग्रधिक है

भौर जिसकी सं० 11-जे/20-भी है तथा जो लाजपत नगर, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 12-10-77

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है पौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिगत से प्रधिक है ग्रीर ग्रन्तरक (मन्तरकों) ग्रीर ग्रन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उत्तर प्रन्तरण लिखित मे बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:--

- (क) मन्तरण स हुई किसी प्राय को बाबत उक्त मधि-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे सचन म मुविधा के लिए; भीर/या
- (व) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य आस्तियो को, जिन्हे भारतीय ग्रायकर ग्र**धिनियम, 192**2 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अल: अब, उक्त प्रधिनियम की बारा 269ग के अनु-सरण मे, में, उना प्रधिनियम की खारा 269 व की उपधारा (1) के अधीन निम्तलिखित स्यक्तियों, प्र**र्थात्:--**10-116GI/78

1. श्री केशू दास, सुपुत्र श्री साधुराम निवासी 13, बासदेव नगर, श्रन्धा मुगल, दिल्ली-1 इनके जनरल भ्रटारनी श्रीमती रक्षा रानी के द्वारा, पत्नी श्री श्रोंकार नाथ सेठी, निवासी 11-जे,/20-बी, लाजपत नगर, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री दिवन्द्र कुमार सेठी, सपुत्र श्री ग्रोंकार नाथ सेठी निवासी 11-जे/20-बी, लाजपत नगर, नई दिल्ली-24 (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पन्ति के प्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता हुं। .

उक्त संपत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्तंबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्थक्त द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितबद्ध किसी प्रस्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टोक्सरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, जो उक्त ग्रिवियम के ग्र\$याय 20-年 परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस श्रष्टराय में दिया गया है।

# अनुसूची

मकान जोकि 100 वर्ग गज क्षेत्रफल के ऊपर बना हुन्ना है, जिसका नं 11-जे/20-बी है, लाजपत नगर, नई दिल्ली-24 में है।

> जे० एस० गिल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीजण) श्रर्जन रेंज 1, दिल्ली नई दिल्ली-1

तारीख 2-6-78

मोहर:

आरूप ग्राई० टी० एन० एस०———— आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के ग्रिधीन सूचना भारत सरकार

> कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, दिल्ली

> > नई दिल्सी, दिनांक 2 जून 1978

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्पू०/1/219/नवम्बर-11 (11) /77-78----ग्रतः मुझे जे० एस० गिल,

ध्रायकर घ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त ध्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- ६० से ग्रधिक है

भीर जिसकी सं० एम-210 है, तथा जो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थत है (भीर इससे उपाबद्ध म्रनुसूची में भीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के भाषीन दिनांक 21-11-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित ब्राजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है मौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है भौर भन्तरक (भन्तरकों) भौर भन्तरिती (भन्तरितियों) के भीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—-

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त ग्रिश्चित्यम के ग्रिप्टीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रम्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायंकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-घ की उपघारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थांतु:— 1. श्री सुघांगू सैंगल, सुपुत्र श्री जे॰ पी॰ सैंगल, निवासी 38, जवाहर नगर, दिल्ली-7

(ग्रन्तरक)

2. श्री प्रदीप श्रवस्थी तथा श्री तरुन श्रवस्थी, सुपुत्र श्री मदन मोहन श्रवस्थी, निवासी 4859/ए, हरबंस सिंह स्ट्रीट, 24, दरिया गंज, नई दिल्ली-110002

(ग्रन्तरिती)

को य**ह** सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्राजीन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में
  हितवद किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, मन्नोहस्ताकारी के
  पास लिखित में किये जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों घौर पदों का, जो उक्त ध्रिधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, बही धर्म होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

### अमुसूची

जमीन का टुकड़ा जिसका प्लाट नं० 201, क्लाक नं० 'एम' है और क्षेत्रफल 400 वर्ग गज है, निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली के बाहपुर गांव दिल्ली की यूनियन टैरीटरी, दिल्ली नगर निगम की सीमा के अन्तर्गत निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : सर्विस लेन पश्चिम : रोड

उत्तर : प्लाट नं० एम-199 दक्षिण : प्लाट नं० एम-203

> जे० एस० गिल सक्षम प्राधिकारी सहायक भागकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन-रेंज, दिस्सी

तारी**ख** : 2-6-78

मोहर:

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०-

**धागकर प्रधिनिय**म, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 प(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 जून 1978

निर्देश सं० माई०ए० सी०/क्यू०/1/34/सितम्बर-1(18)/ 77-78—म्रत: मुझे जे० एस० गिल,

ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से ग्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं० ई-511 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 13-9-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि प्रन्तरक (अन्तरकों) और प्रन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनयम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः श्रव, उन्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में में, मैं उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-ध की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रधीत्:---

1. श्री विविन्द्र कुमार ग्रानन्व सुपुत्र श्री ए० ग्रार्० ग्रानन्द, निवासी 19, साउथ पटेल नगर, नई विल्ली। इनके श्रदारनी श्री चमन लाल बोहरा के द्वारा सुपुत्र श्री शाम दास वोहरा, निवासी ई-10/5, वसन्त विहार, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2. श्री सतीष कुमार लखीना, सुपुत्र श्री चरण दास लखीना, सथा श्रीमती रीता लखीना, पत्नी श्री मतीश कुमार लखीना, निथासी- जी-47, कालकाजी, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ध्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्रादेश---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रवधि, जो भी ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम के ग्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं ग्रर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

### अन् सूची

एक फीहोल्ड प्लाट जिसका नं० ई-511 है भौर क्षेत्रफल 400 वर्ग गज है, निवासी कालौनी ग्रेटर कैलाण-II, नई दिल्ली में दिल्ली नगर निगम की सीमा के भ्रन्तर्गत राजस्य ईस्टेट के बाह्युर गांव, दिल्ली की यूनियन बैरीटरी में निम्नं प्रकार से स्थित है :---

पूर्व : रोड पश्चिम : सर्विस लेन

उत्तर : मकान नं॰ ई-513 दक्षिण : मकान नं॰ ई-509

> जे० एस० गिस, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, दिल्ली

तारीख: 2-6-78

मोहरः

### UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

#### New Delhi-110011, the 20th April 1978

A.32013/2/77-Admn.I(i).—The Chairman, Public Service Commission hereby appoints Shri V. N. Valdyanathan, Assistant Planning Officer in the Directorate General, A.I.R., and officiating as Under Secretary in the Office of the Union Public Service Commission to officiate as Deputy Secretary in the office of the Union Public Service Commission on ad hoc basis with effect from the forenoon of 17-4-1978 to 15-7-1978 or until further orders, whichever is earlier, vide proviso to Regulation 4 read with Regulation 7 of the Union Public Service Commission (Staff) Regulations, 1958, amended uptodate.

No. A.32013/2/77-Admn.I(ii).—Chairman, Union Public Service Commission hereby appoints Dr. R. Bhaskaran, Lecturer in the Calicut Regional Engineering College, Calicut and officiating as Under Secretary in the office of the Union Service Commission to officiate as Deputy Secretary in the office of the Union Public Service Commission on ad hoc basis with effect from the forenoon of 17-4-1978 to 15-7-1978 or until further orders whichever is earlier, vide proviso to Regulation 4 read with Regulation 7 of the Union Public Service Commission (Staff) Regulations, 1958, amended upto-

#### The 1st May 1978

No. A.32013/2/77-Admn.I.-The Chairman, Union Public Service Commission, hereby appoints Dr. D. N. Prasad, Associate Professor of the NDRI and officiating as Under Secretary in the office of the Union Public Service Commission to the post of Deputy Secretary in the office of the sion to the post of Deputy Secretary in the onice of the Union Public Service Commission on ad hoc basis with effect from the forenoon of 1-5-1978 to 31-7-1978 or until further orders, whichever is earlier, vide proviso to Regulation 4 read with Regulation 7 of the Union Public Service Commission (Staff) Regulations, 1958, amended uptodate.

P. N. MUKHERJEE Under Secv. for Chairman Union Public Service Commission

#### New Delhi, the 18th April 1978

No. A.32013/1/77-Admn.I.—In supersession of this office notification of even no. dated 24-12-77 the President has been pleased to appoint the following permanent officers of the Section Officer Grade of the CSS cadre of the Union Public Service Commission to officiate in Grade I of the service for the periods shown against each or until further orders, whichever is earlier.

- S. No., Name and Period.
  - 1. Shri Vir Singh Riat, 3-10-1977 to 2-1-1978.
  - 2. Shri R. R. Ahir, 5-10-1977 to 31-12-1977.

#### The 1st May 1978

No. P/1879-Admn.I.—The Services of Dr. S. P. Bhatnagar, formerly Reader in the University of Delhi and officiating as Deputy Secretary, Union Public Service Commission are replaced at the disposal of the University of Delhi, effect from 1-5-1978 (FN).

#### The 5th May 1978

No. A.32013/1/77-Admn.I.—In partial modification of this office notification of even No. dated 21-1-78, the President has been pleased to appoint Shri V. S. Riat officiate in Grade I of CSS for the period from 3-1-78 to 4-2-78 (AN).

> P. N. MUKHERJEE Under Secy.

Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 11th May 1978

No. A.32014/1/78-Admn.III(1).—The President is pleased to appoint Shri R. K. Jasuja, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period of 48 days from 1-5-78 to 17-6-78 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/78-Admn.III(2).—The President is pleased to appoint Shri S. N. Sharma, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period of 48 days from 1-5-78 to 17-6-78 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/78-Admn.III(3).—The President is pleased to appoint Shri Jai Narain, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period from 2-5-78 to 16-6-78 or until further orders, whichever is earlier.

P. N. MUKHERJEE

Dy. Secy.

(Incharge of Administration), Union Public Service Commission.

## MINISTRY OF HOME AFFAIRS DEPTT, OF PERSONNEL & A. R. CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 26th May 1978

No. A-19021/5/78-Ad.V.—The President is pleased to appoint Shri L. C. Amarnathan, IPS (1967-Orissa) as Supdt. of Police, C.B.I. (S.P.F.) with effect from the forenoon of No. A-19021/5/78-Ad.V.—The President is

10-3-78 on deputation basis and until further orders.

Shri B. B. Panda, IPS (Orissa) relinquished charge of the Office of Supdt. of Police, C.B.I., Bhubaneswar on the forenoon of 10-5-78. His services have been placed back at the disposal of the State Govt.

> K. K. PURI Deputy Director (Admn), C.B.I.

#### New Delhi, the 24th May 1978

I. No. B-6/69-Ad.V.—The services of Shri B. M. Wagh, Dy. Supdt. of Police in C.B.I. and an Officer of the Maharashtra State Police are placed back at the disposal of State Police with effect from Afternoon of 30-4-78.

V. P. PANDEY Administrative Officer (A)

C.B.I.

#### New Delhi, the 27th May 1978

No. PF/V-63/73-Ad.I.—On attaining the age of super-annuation at the age of 58 years Shii V. G. Rane, Inspector of Police, on deputation from Maharashtra Police, has been relieved of his duties in the Central Bureau of Investigation GOW Bombay with effect from the afternoon of 30-4-1978.

JARNAIL SINGH

Administrative Officer(E) C.B.L.

### OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 24th May 1978

10/13/76-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri B. Satyanarayana, an Investigator in the office of the Director of Census Operation. Andhra Pradesh, and preand pre-Operations sently working as Assistant Director of Census (Technical), on ad hoc basis, in the office of the Director of Census Operations, Karnataka at Bangalore, as Assistant Director of Census Operations (Technical) in the office of Assistant the Director of Consus Operations, Karnataka, with his headquarters continue to be at Bangalore, on regular basis, in a

temporary capacity, with effect for the forenoon of 10 April, 1978, until further orders.

2. He relinquished Charge of the post of Assistant Director of Census Operations (Technical), held by him on ad hoc basis, with effect from the same date.

No. 10/9/78-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri E. Ramaswamy, an Investigator (Social Studies) in the office of the Registrar General, India as Research Officer (Social Studies) in the same office on a purely temporary and ad hoc basis for a period of six months with effect from the forenoon of 1st April, 1978 or until further orders, whichever is earlier.

#### The 25th May 1978

No. P/B(1)-Ad.I.—Shri Badri Nath relinquished charge of the office of the Deputy Registrar General (Census), India on the forenoon of 1st May 1978, on attaining the age of superannuation.

No. P/P(35)-Ad.1.—In continuation of this office notification of even number dated 8-2-1978 the President is pleased to extend the ad hoc appointment of Shri K. N. Pant, a permanent Hindi Translator in the Secretariat of Election Commission of India, as Hindi Officer in the office of the Registrar General, India by transfer on deputation upto 30 June 1978, with effect from 1st April, 1978, or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

2. The headquarters of Shri Pant will continue to be at New Delhi.

P. PADMANABHA Registrar General, India

# OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL CENTRAL REVENUES

New Delhi, the 30th May 1978

No. Admn.I/O.104/5-5/Promotion/78-79/346.—The Accountant General, hereby appoints the following permanent Section Officers of this office to officiate as Accounts Officers, with effect from the afternoon of 3rd May, 1978 until further orders.

Sl. No. & Name.

1. Shri Sarup Singh.

К. Н. СННАҮА

Sr. Dy. Accountant General (Admn)

### OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I MADHYA PRADESH

Gwalior, the 19th May 1978

No. Admn.1/62.—The Accountant General-I, Madhya Pradesh has been pleased to promote the following permanent Section Officers as Accounts Officers in an officiating capacity in the Scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200, with effect from the dates noted against each:—

S/Shri

- 1. R. N. Chakravarty (02/0234) 6-5-78 Forenoon.
- 2. Sukhan Singh (02/0235) 6-5-78 Forenoon.
- 3. N. S. Vaidya (02/0236) 9-5-78 Forenoon.
- 4. M. C Lokre (02/0237) 9-5-78 Forenoon.

KRISHAN GOPAL
Semor Deputy Accountant General
(Administration)

#### MINISTRY OF DEFENCE

INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES Calcutta-16, the 26th May 1978

No. 18/78/G.—On attaining the age of superannuation (58 years), Shri P. K. De, Offg. TSO (Subst. & Permt.

S.A.), retired from service with effect from 31st March, 1978 (A/N).

No. 21/G/78.—The following amendment is made to this Directorate General Notification No. 381/G/77 dated the 26th July, 1977:—

At Sl. No. 18

For: Shri Muraleedhar Singh, AM (On Prob)—19th March, 1977.

Read: Shri Murli Dhar Singh, AM (On Prob)-19th March, 1977.

No. 22/G/78.—The following amended is made to this Directorate General Notification No. 39/G/77 dated the 26th July, 1977:—

At. Sl. No. 25

For: Shri M. N. Roy, Offg. F'Man-25th April 1977.

Read: Shri Manindra Nath Ray, Offg. FMan-25th April, 1977.

No. 23/G/78.—The following amendment is made to this Directorate General, Notification No. 78/G/77 dated the 24th November, 1977:—

At Sl. No. 9.

For: Shri H. L. Sharma, Pt. Dy. Manager-11th July, 1977.

Read: Shri H. L. Sharma, Pt. Dy. Manager-30th June, 1977.

V. K. MEHTA

Assistant Director General, Ordnance Factories

# MINISTRY OF COMMERCE, CIVIL SUPPLIES AND COOPERATION

# OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 24th May 1978

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL
(ESTABLISHMENT)

No. 6/994/72-Admn(G)/3757.—On attaining the age of superannuation Shri K. D. Sharma, an officer officiating in the Section Officer's Grade of the CSS relinquished charge of the post of Controller of Imports and Exports in this office on the afternoon of 30th April, 1978.

#### The 26th May 1978

No. 6/302/55-Admn(G)/3795.—The President is pleased to appoint Kumari S. K. Grewal, Deputy Chief Controller of Imports and Exports (Non-CSS) as Joint Chief Controller of Imports and Exports in the office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi purely on ad hoc and temporary basis for a further period from 1st January, 1978 to 3rd January, 1978.

K. V. SESHADRI Chief Controller of Imports and Exports

### MINISTRY OF INDUSTRY

(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi, the 17th April 1978

No. A-19018(327)/77-Admn.(G).—On the recommendations of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri K. V. K. Raju, as Assistant Director (Gr. I) (Glass/Ceramics) in the Small Industries Development Organisation w.e.f. the afternoon of 23-3-1978 until further orders.

2. Consequent upon his appointment Shri K. V. K. Raju has assumed charge as Assistant Director (Gr. I (Glass/Ceramics) in the Process-cum-Product Development Centre, Ranchi w.e.f. the afternoon of 23-3-1978.

### The 18th April 1978

No. A-19018(103)/73-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri Madan Lal, (Gr. III of LE.S.) as Deputy Director (El) in the Small Industries Development Organisation w.e.f. the forenoon of 21-3-78 until further orders

2. Consequent upon his appointment Shri Madan Lal relinquished charge of the post of Assistant Director (Gr. 1) (EI) at SISI, New Delhi w.e.f. the afternoon of 10-3-78 and assumed charge as Deputy Director (EI) in the SISI, Gauhati, w.e.f. the forenoon of 21-3-78.

#### The 26th April 1978

No. 12(282)/61-Admn.(G).—Shri J. V. Bapuraj relinquished charge of the post of Director (Gr. I) (AEE) in the Office of the Development Commissioner (Small Scale Industries) New Delhi w.c.f. the afternoon of 15-4-78 to proceed on deputation as Technical Adviser to the Government of Tanzania under the SCAAP.

No. 12/596/68-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri S. M. R. Zaidi, a Grade III officer of the I.E.S. and Deputy Director in Small Industry Development Organisation as Director (Gr. 11) (EI) in the Small Industry Development Organisation for the period from 24-10-77 to 10-1-78 on ad hoc basis.

2. Consequent upon his appointment Shri S. M. R. Zaidi, relinquished charge of the post of Deputy Director, (E I) in the office of the Development Commissioner (SSI), New Delhi, w.c.f. the forenoon of 24-10-77 and assumed charge as Director (Gr. II) (EI) in the O/c. DCCSI, New Delhi w.c.f. the forenoon of 24-10-77.

#### The 27th April 1978

No. 12/676/70-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri G. Raman, Director (Mechanical) as Industrial Adviser (Modernisation) in the S.I.D.O. w.e.f. the forenoon of 15-4-78 until further orders.

2. Consequent upon his appointment Shri G. Raman relinquished charge of the post of Director (Mechanical) in the Office of the DCSSI, New Delhi, w.e.f. the forenoon of 15-4-78 and assumed charge as Industrial Adviser (Modn.) in the Office of the DCSSI, New Delhi w.e.f. the forenoon of 15-4-78.

No. A-19018/70/73-Admn.(G).—Consequent upon his appointment as Deputy System Adviser, Directorate of Organisation and Management Services (Income Tax) New Delhi, Shri R. P. Mehta, relinquished charge of the post of Deputy Director (Data Bank) in the Small Industry Development Organisation w.e.f. the afternoon of 31-3-78.

V. VENKATRAYULU Deputy Director (Admn.)

#### OFFICE OF THE JUTE COMMISSIONER

#### Calcutta, the 26th May 1978

No. Jute(A)/147/65.—In continuation of this office Notification of even number dated 24-4-78 the Jute Commissioner hereby extends appointment period of Shri S. K. Hajra, Inspector (Non-Technical) as Assistant Director (Exports) Group 'B' (Gazetted) in the Scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- on an ad hoc officiating capacity in this office w.e.f. 30-4-78 (F/N) to 11-5-78 (A/N).

K. K. BANERJEE
Administrative Officer

# DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS (ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 25th May 1978

No. A-1/1(344).—Shri G. S. Kulashreshtha, permanent Director in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi retired from Government serivce with effect from the afternoon of 30th April, 1978 on attaining the age of superannuation (58 years).

SURYA PRAKASH

Deputy Director (Administration)
for Director General of Supplies & Disposals

# ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA (KHAN VIBHAG)

#### GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 25th May 1978

No. 3718/B/2251(CTG)/19B.—Shri C. T. Gurumukhi received the charge of the post of Driller in the Geological Survey of India on reversion from M.E.C. Ltd. in the same capacity with effect from the forenoon of 30th January, 1978.

No. 3732/D/2251(CTG)/19B.—Shri C. T. Gurumukhi, Driller, Geological Survey of India has been released from the services of Geological Survey of India with effect from the afternoon of 28th February, 1977 enabling him to join the post of Asstt. Drilling Engineer in Mineral Exploration Corporation Limited.

#### The 27th May 1978

No. 3786/B/1734(4)/77/19 C.—The following temporary officers of the Geological Survey of India are declared Quasi-Permanent in the grade and with effect from the dates es shown against their names:—

SI. No.	Name	Designation	Date from which de- clared quasi- permanent
1	2	3	4
1. Shti	R.N. Pal	Assistant Geologist	12-2-71
2. Shri	S. Chakraborty .	Do.	3-11-74
3. Shri	R. K. Bando-		
pa	dhyay	Do.	22-9 <b>-</b> 74
4. Shri	M. Shanmugam .	Do.	7 <b>-1-7</b> 3
5. Shri	Dipankar Sen .	Do،	26-10-74
6. Shri	S. A. Pandhare .	Do.	12-2-71
7. Shri	K. R. Rama-		
ch	andran	Do.	1-3-71
8. Shri	B. O. Thakker .	Do.	25-1 <b>0-</b> 75
9. Shri	Ashis Kumar Roy	Do.	1-9 <b>-7</b> 5
10. Shri	T. Sreenivasa Rao	Do.	25-8-75
11. Shri	Darshan Kumar .	Do.	15 <b>-9-7</b> 5
12. Shri	P. Narasinga Rao	Do.	27-11 <i>-</i> 75
	Shyamal Kumar	<b></b>	20.00
Bı	SWAS	Do.	26-8 <b>-7</b> 5
- ,	S. R. Prasad	Do.	20-6-75
15. Shri	Biman Debnath .	Do.	25-8-75
16. Shri	B. Madan Mohan .	Do.	4-5-76
17. Shri	A. K. Relan .	Do.	19-8-75
18. Shri	Alokes Nandi .	Do.	21-6-75

1 2	3	4
19. Shri C. P. S. Parihar .	Assistant Geologist	21-4-76
20. Shri B. Tirkey	Do.	19-8-75
21. Shri A. K. Malhotra .	Do.	14-8-75
22. Shri N. S. Venkatesh .	Do.	7-9-75
23. Shri R. K. Arora	Do.	4 <b>-</b> 8-75
24. Shri S. T. Sambandan	Do.	4-9-75
25. Dr. M. S. Mahawal	Do.	5-10-75
26. Shri J. S. Jamwal .	$\mathbf{p}_{\mathbf{o}}$ .	27-8-75
27. Shri Sujit Das Gupta .	Do.	3-12-76
28. Shri Sujit Ranjan Sen		
Gupta	Do.	14-12-76
29. Shri Saced A. Khan .	Do.	14-2-77
30. Shri S. K. Singh	Do.	18-1-77
31. Shri R. C. Bhandari .	Do.	15-4-77
32. Shri M. Tiwari	Do.	8-4-77
33. Shri S. K. Srivastava	Do.	15-11-76
34. Shri P. Gopal Krishna	D-	31-10-76
Bhat 35. Shri D. N. Bandyo-	Do.	31-10-70
padhyay	Do.	8-2-77
36. Ku. Kalpana Sen	Do.	29-11-76
37. Shri Amitava Sen	Do.	22-11-76
38. Shri P. M. dutta	Do.	30-3-77
39. Shri P. Chakarborty .	Do.	27-11-76
40 Shri Sunil Kumar Dass	Do.	6-2-77
41. Shri Jibitesh Bhatta-		
charyya	Do.	26-3-77
42. Shri K. Narasimha	ъ.	1 4 75
Rao	Do. Assistant Chemist	1-4-75 25-9-73
43. Shri R.S. Tulsi	Do.	8-11-74
44. Dr. Subnas Chandra	Do. Do.	23-3-77
45. SHI IN.K. SIRRA .	Do.	23-3-11

#### V. S. KRISHNASWAMY, Director General

### NATIONAL ARCHIVES OF INDIA New Delhi, the 27th March 1978

No. F.11-9/78-A.1.—Consequent on the retirement of Shri L. D. Ajmani Administrative Officer with effect from 31-5-78 (AN), Shri B. S. Kalra, Superintendent is appointed to officiate as Administrative Officer (Group 'B' Gazetted) on purely ad hoc basis with effect from the forenoon of the 1st June, 1978 and until further orders. This ad hoc appointment will not confer any right or claim for regular appointment and will not count for the purpose of seniority and for eligibility for promotion to next higher grade.

S. N. PRASAD Director of Archives, Government of India.

### DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 17th May 1978

No. 10/137/77-SIII.—The Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri S. S. Jeevanram to officiate as Assistant Engineer at All India Radio, Gorakhpur with effect from 28-4-78.

HARIT SINGH
Deputy Director of Administration
for Director General

# MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING PUBLICATIONS DIVISION

New Delhi, the 23rd May 1978

No. A.12026/1/78-Admn-I.—In continuation of this Division's Notification No. A.12026/1/78-I dated 15th Feb. '78,

Director, Publications Division is pleased to allow Shri G. D. Madan, a permanent Senior Accountant, to continue to officiate as Accounts Officer on ad hoc basis in this Division vice Shri K. C. Singhal, Accounts Officer, granted extension of leave for the period from 30th April, 1978 to 9th June, 1978.

No. A.12026/2/78-Admn.I.—Director, Publications Division is pleased to appoint Shri D. C. Gupta officiating Business Executive to officiate as Assistant Business Manager vice Shri Ishwar Chandra, Assistant Business Manager in the Division granted leave for the period from 24-4-78 to 9-6-78.

2. This ad hoc appointment will not bestow on Shri Gupta a claim for regular appointment in the grade of Assistant Business Manager. This service also will not count for the purpose of seniority in that grade.

#### The 26th May 1978

No. A.12026/2/78-Admn.I.—In continuation of this Division's Notification No. A.12026/2/78-Admn.I. dated 13-4-78 Director, Publications Division is pleased to allow Shri S. C. Iain, to continue to officiate as Assistant Business Manager on ad hoc basis beyond 12-5-78 vice Shri R. B. Singh, Assistant Business Manager granted leave for the period from 2-5-1978 to 1-7-1978.

INDRAJ SINGH
Deputy Director (Admn.)
for Director

# DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 19th May 1978

F. No. A.12025/8/77-SI.—The Directorate General of Health Services is pleased to appoint Shri Sujit Kumar Sarkar in the post of Chemist (Group B-Gazetted) in the Government Medical Store Depot. Calcutta, with effect from the formoon of the 27th March, 1978 and until further orders. This Directorate Notification No. A.12025/8/77-SI dated 18-4-1978 is hereby cancelled.

SANGAT SINGH Deputy Director Administration (Stores).

### New Delhi, the 20th May 1978

No. A.12023/14/76(WH)Admn.I.—Consequent on her appointment to the post of Junior Research Officer in Safdarjang Hospital. New Delhi Dr. (Smt.) Swarn Lata Kapoor relinquished charge of the post of Assistant Bio-Chemist in Dr. Ram Manohar Lohia Hospital New Delhi with effect from the afternoon of the 14th April, 1978.

No. A.19020/59/77-Admn.I.—On attaining the age of superannuation Smt. Latika Sengupta, Lecturer in Psychology at the Rajkumari Amrit Kaur College of Nursing, New Delhi, retired from service on the afternoon of 30th April, 1978.

# The 26th May 1978

No. 6-19/77-DC.—The President is pleasd to appoint Shri P. G. Ray. Technical Officer (Bacteriology), Central Drugs Laboratory, Calcutta, to the post of Bacteriologist, in the same laboratory with effect from the forenoon of 4th May, 1978 on an ad hoc basis and until further orders.

Shri P. G. Ray relinquished charge of the post of Technical Officer (Bacterlology) on the same day.

S. L. NUTHIALA Deputy Director Administration (O&M).

# MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE New Delhi, the 26th May 1978

No. A.19015/21/77-Estt.I.—On attaining the age of super-annuation, Shri Sansar Chand Sud, relinquished the charge

of the post of Desk Officer in the Ministry of Health and Family Welfare on the forenoon of the 1st May, 1978.

P. L. JOSHI Under Secy.

# KRISHI AUR SINCHAI MANTRALAYA (KRISHI VIBHAG)

#### VISTAR NIDESHALAYA

New Delhi, the 24th May 1978

No. F.5-24/78-Estt.(I).—The ad hoc appointment of Shri P. B. Dutta in the post of Assistant Exhibition Officer (visuals) is further continued beyond 28th February, 1978 and upto 31st August 1978.

I. J. KAPUR Director of Administration

# (DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT) DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

#### Faridabad, the 24th May 1978

No. A. 19025/68/78-A. III.—Shri H. N. Rai, Senior Inspector, has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group I), in the Directorate of Marketing and Inspection at Unjha, with effect from 11-5-78 (A.N.) on short-term basis for a period of three months or until regular arrangements are made, whichever is earlier.

No. A. 19025/74/78-A. III.—Shri S. D. Kathalkar. Senior Inspector, has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group I), in the Directorate of Marketing and Inspection at Ahmedabad, with effect from 8-5-78 (F.N.) on short-term basis for a period of three months or until regular arrangements are made, whichever is earlier.

No. A. 19025/76/78-A. III.—Shri R. K. Pande. Senior Inspector, has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group I) in the Directorate of Marketing and Inspection at New Delhi, with effect from 20-4-1978 (F.N.) on short-term basis for a period of three months or until regular arrangements are made, whichever is earlier.

#### The 26th May 1978

No. A. 19025/64/78-A. III.—Shri Nand I al Singh. Senior Inspector, has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group I), in the Directorate of Marketing and Inspection at Chandigarh, with effect from 3-5-78 (F.N.) on short-term basis for a period of three months or until regular arrangements are made, whichever is earlier.

No. A. 19025/67/78-A. III.—Shri Dinesh Pratap Singh, Senior Inspector, has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group I) in the Directorate of Marketing and Inspection at Chandigarh, with effect from 3-5-1978 (F.N.) on short-term basis for a period of three months or until regular arrangements are made, whichever is earlier.

V. P. CHAWLA
Director of Administration
for Agricultural Marketing Adviser

# DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

#### Bombay-400 001, the 19th May 1978

No. DPS/1/1(6)/77-Ad./14236.—Shri N. R. Vijayan, Assistant Stores Officer, Transport and Clearance Unit, Madras Regional Purchase Unit of this Directorate stands redesignated as Assistant Purchase Officer with effect from June 1, 1977.

K. P. JOSEPH Administrative Officer

# OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 17th April 1978

No. A. 32013/2/77-EW.—In continuation of this office Notification No. A. 32013/2/77-EW, dated 5-1-78, the President is pleased to extend the ad-hoc appointment of Shri H. C. Rai Chowdhury, in the grade of Deputy Director (Fire) for a further period of six months with effect from 30-12-77 or till regular appointment to the grade is made whichever is earlier and to post him at the Headquarters.

#### The 26th May 1978

No. A. 32013/9/77-EC.—In continuation of this Department Notfns, No. A. 32013/9/77-EC dated 6-12-77, No. A, 32013/9/77-EC dated 11-1-78, No. A. 32013/9/78 dated 2-5-78, and No. A. 32013/9/77-EC dated 2-5-78, the President is pleased to the continue the ad-hoc appointment of the following Assistant Technical Officers to the grade of Technical Officer in the Civil Aviation Department upto 31-7-78 or till the regular appointments to the grade are made, whichever is earliers:—

S. No.	Name	Station of Posting		
S/S	ihrı			
1, S.	K. Sharma	. A.C.S. Pajam.		
2. <b>V</b> .	C. Reddy	. Radio Const. & Dev. Units, New Delhi.		
3. D.	K. Sharma .	. Regional Office, Safdarjang Airport, New Delhi.		
4. D.	P. Agnihotri .	. C.A.T.C. Allahabad.		
5. <b>B.</b>	Ramakrishan	. A.C.S. Calcutta.		
6. K.	N.K. Poduwal.	. A.C.S. Bombay		
7. A.	K. Tikoo .	C.A.T.C. Allahabad.		
8. D.	<b>B.</b> Sud	. A.C.S. Safdarjung Airport, New Delhi.		
9. P. S	S. Venkataraman	A.C.S. Nagpui.		
10. T.	R. Shastri	A.C.S. Bombay,		
11. M.	Aruldoss .	Regional Office, Madras.		
12. T.	N. Mehta .	. R.C.D.U., New Delhi.		
13. <b>K</b> .	Chandrachudan	. A.C.S. Madras.		
14. R.	P. Mohindra .	. R.C.D. & U. New Delhi.		
15. N.	I. R. N. Jyongar	A.C.S. Gauhati.		

S. D. SHARMA

Deputy Director of Administration

### CENTRAL EXCISE COLLECTORATE

#### Kanpur, the 26th May 1978

No. 1078.—Consequent upon his promotion to the grade of superintendent, Central Excise, Group 'B' vide Collector, Central Excise, Kanpur's Estt. Order No. I/A/4/1978 dated 9-1-78 issued under endt. C. No. II-22-Estt/78/44 dated 9-1-78 in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 Shri A. S. Ahluwalla, Inspector (SG) assumed the charge of Superintendent Group 'B' Central Excise, Customs, Kanpur (Hdgrs.) in the forenoon of 30-1-78.

No. 16/78.—Consequent upon his promotion to the grade of Superintendent, Central Excise, Group 'B' vide Collector, Central Excise, Kanpur's Estt. Order No. 1/A/4/78 dated 9-1-78 issued under endt. No. II-22-Estt/78/44 dated 9-1-78 in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, Shri P. P. Grover, Inspector (SG) assumed the charge of Superintendent, Group 'B' Central Excise, MOR-Mawere (Meerut) in the forenoon of 16-1-78.

#### The 27th May 1978

No. 9/78.—Consequent upon his promotion to the grade of Superintendent, Central Excise, Group 'B' vide collector, Central Excise, Kanpur's Estt. Order No. 1/A/4/1978 dated 9-1-78 issued under endt. C. No. II-22-Fstt/78/44 dated 9-1-78, in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—FB 35—880—40—1000—FB—40—1200, Shri I. P. Wadhera, Inspector (SG) assumed the charge of Superintendent (Audit), Central Excise, Hdqrs. office Kanpur.

No. 20/78.—Consequent upon his promotion to the grade of Superintendent, Central Excise Group 'B' vide Collector, Central Excise, Kanpur's Estt. Order No. I/A/4/1978 dated 9-1-78 issued under endt. C. No. II-22-Estt/78/44 dated 9-1-78 in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB —35—880—40—1000—EB—40—1200, Shri C. B. Celly, Inspector (SG) assumed the charge of Superintendent Central Excise, Group 'B' Ghaziabad-I in the forenoon of 16-1-1978.

No. 22/78.—Consequent upon his promotion to the grade of Superintendent, Central Excise, Group 'B' vide Collector, Central Excise, Kanpur's Estt. Order No. I/A/4/1978 dated 9-1-78 issued under endt. C. No. II-Estt/78/44 dated 9-1-78 in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, Shri Prem Chand Malik, Inspector (SG) assumed the charge of Superintendent, Central Excise, Group 'B' Hqdrs. Office Kanpur in the forenoon of 24-1-78.

K. PRAKASH ANAND Collector

#### CUSTOMS/ESTABLISHMENT

#### Madras, the 25th May 1978

No. 1/78.—Shri C. Julian Andrew a U.P.S.C. ca didate is appointed as Direct Recruit Appraiser (non-expert) in this Custom House with effect from 6-5-1978 forenoon in a temporary capacity and until further orders. He will be on probation for a period of two years.

M. G. VAIDYA Collector of Customs

### CENTRAL WATER COMMISSION New Delhi, the 24th May 1978

No. A-19012/691/78-Adm. V—Chairman, Central water Commission hereby appoints the following officers to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer on purely temporary and ad-hoc basis in the Scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the dates indicated against each officer until further orders. They assumed charge of the posts in offices mentioned against their names.

Sl. No.	Name of Office with Designation		Date of Promo- tion.	Name of Office where posted.
1	2		3	4
S/	Shri			
	ati Bhan	•	12-4-78 (F.N.)	T.E. Dtc. No. 1
	.Balakrishnan N ipervisor.	air	26-4-78 (F·N.)	Hydrology-I Dte.
	. L. Khurana . ipervisor.	•	29-4-78 (A.N.)	T.E. I Dte.
	I. L. Batra . apervisor.	•	12-4-78 (FN.)	C.S.M.R.S.
	urbachan Lal. ipervisor.	•	14-4-78 (F.N.)	Gates and Design Directorate-I.
	. C. Agarwal		17-4-78 (F.N.)	
	hiv Charan . upervisor.		12-4-78 (F.N.)	P & P Dte.

(1) (2)	(3)	(4)
8. S. Srinivasan Supevisor.	17-4-78 (F.N.)	T.E. Dte. I
9. R. K. Kataria Supervisor.	14-4-78 (F.N.)	Investigation Circle No. 1.
<ol> <li>Harish Chander Yadav Supervisor.</li> </ol>	18-3-78 (A.N.)	(Central Stores Div.) Sahibi Inv. Sub-Div. No. III (Rewari).
11. M. Jaganathan Supervisor.	8-5-78 (F.N.)	Hydrology Dte. I
12. S. K. Kaul . ,	29-4-78 (F.N.)	Chenab Investiga- tion Sub-Div. III, Kulu.
13. D. Mazumdar Supervisor.	26-4-78 (F.N.)	CFFC Gauhati.
14. K. V. Chandrasakharan	14-8-78 (F.N.)	CMI Sub-Division, Raipur.

#### The 27th May 1978

No. A-19012/687/78-Adm. V.—On the recommendations of Union Public Service Commission, Chairman, Central Water Commission is hereby appoints Shri R. K. Bharti, Hindi Officer to the post of Assistant Editor (Bhagirth-Hindi) in the Central Water Commission in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810— EB —35—880—40—1000—EB—40—1200 in an officiating capacity on a regular basis w.e.f. the forenoon of 1st May, 1978 until further orders.

- 2. Shri R. K. Bharti will be on probation in the post of Assistant Editor, (Bhagirth-Hindi) for a period of two years with effect from 1st May, 1978 (F.N.).
- 3. Consequent on the appointment of Shri R. K. Bharti as Assistant Editor (Bhagirth-Hindi), the services of Shri D. P. Sharma are replaced at the disposal of the Ministry of Education & Social Welfare (Department of Social Welfare) on the expiry of 76 days' leave granted to him w.e.f. 29-4-78.

J. K. SAHA Under Secy. Central Water Commission

### CENTRAL ELECTRICITY AUTHORITY

New Delhi-110022, the 29th May 1978

No. 6/5/78-Administration II.—The Chairman, Central Flectricity Authority hereby appoints Shri S. K. Ghosh, Technical Assistant to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer of the Central Power Engineering (Group B) Service in an officiating capacity with effect from 1st May, 78 (Forenoon) until further orders.

S. BISWAS Under Secy.

# NORTHEAST FRONTIFR RAILWAY GENERAL MANAGER'S OFFICE (PERSONNEL BRANCH)

Pandu, the 25th May 1978

No. F/55/III/97(O).—The following Officers of the IRAS are confirmed in Junior Scale from the dute shown against each:—

Name Date from which confirmed.
Shri Suresh Kumar 28-5-77

(B) The following officers are confirmed in Class II service as Asstt. Accounts Officer with effect from the date shown against each:

Name

Date from which confirmed,

Shri R. K. Das

15-6-77

Shri G. P. Verma

1-12-77

M. R. N. MOORTHY General Manager

# MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

# (DEPTT. OF COMPANY AFFAIRS) COMPANY LAW BOARD OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Money Plant Finance & Chit Fund Private Limited

Jullundur, the 23rd May 1978

No. G/Stat/560/3189/1866.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of Money Plant Finance & Chit Fund Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Standard Hotels Limited

Jullundur, the 23rd May 1978

No. G/Stat/560/3452/1868.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of Standard Hotels Limited, has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Tele Voice Private Limited

Jullunder, the 23rd May 1978

No. G/Stat/560/2490/1870.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Tele Voice Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Nagrota Ex-Servicemen Transport Co. (P.) Limited

Jullundur, the 26th May 1978

No. G/Stat/560/2866/1928.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Nagrota Ex-Servicemen Transport Co. (P.) Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolv-

S. P. TAYAL Registrar of Companies Punjab, H.P. & Chandigarh

In the matter of the Companies Act, 1956 and of U.P. Alluminium Corporation Private Limited

Kanpur, the 24th May 1978

No. 5113/2723L.C.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act. 1956 the name of the U.P. Alluminium Corporation Private Limited has this day been struck off and the said Company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Vashisth Industries Private Limited

#### Kanpur, the 24th May 1978

No. 5112/2923-L.C.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 the name of the Vashisth Industries Private Limited has this day been struck off and the said Company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Shiva Lal Agarwala and Company Private Limited

#### Kanpur, the 27th May 1978

No. 5240/1113-L.C.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 the name of the Shiva Lal Agarwala and Company Private Limited has this day been struck off and the sald Company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Trivedi Typewriter Corporation Private Limited

Kanpur, the 27th May 1978

No. 5232/1851-L.C.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act. 1956 the name of the Trivedi Typewriter Corporation Private Limited has this day been struck off and the said Company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Diwan Gokul Chand Kapur and Sons (B.S.) Private Limited

#### Kanpur, the 27th May 1978

No. 5234/2011-L.C.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 the name of the Diwan Gokul Chand Kapur and Sons (B.S.) Private Limited has this day been struck off and the said Company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Garhwal Rosin Private Limited

Kanpur, the 27th May 1978

No. 5238/2071-L.C.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 the name of the Garhwal Rosin Private Limited has this day been struck off and the said Company is dissolved.

In the matter of the Companies Act. 1956 and of Swans Chit Fund Private Limited

Kanpur, the 27th May 1978

No. 5242/2880-L.C.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 the name of the Swans Chit Fund Private Limited has this day been struck off and the said Company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Kashyap Finance Chit Fund Private Limited

Kanpur, the 27th May 1978

No. 5231/2940-L.C.—Notice is hereby given nursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act. 1956 the name of the Kashvap Finance Chit Fund Private Limited has this day been struck off and the said Company is dissolved

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Anupam Shoe Company Private Limited

Kanpur, the 27th May 1978

No. 5235/2943-L.C.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 the name of the Anupam Shoe Company Private Limited has this day been struck off and the said Company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Doon Chit Fund Private Limited

Kanpur, the 27th May 1978

No. 5239/2987-L.C.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 the name of the Doon Chit Fund Private Limited has this day been struck off and the said Company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Upma-Prakashan Private Limited

Kanpur, the 27th May 1978

No. 5241/2997-L.C.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 the name of the Upma Prakashan Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Sital Financiers & Chit Fund Private Limited

Kanpur, the 27th May 1978

No. 5236/3035-L.C.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 the name of the Sital Financiers & Chit Fund Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Dalmia Chit Fund and Investment Private Limited

Kanpur, the 27th May 1978

No. 5237/3163.L.C.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 the name of the Dalmia Chit Fund and Investment Private Limited has this day been struck off and the said Company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Ian Kalyan Trading and Credit Finance Private Limited

Kanpur, the 27th May 1978

No. 5233/3187-L.C.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956

the name of the Jan Kalyan Trading and Credit Finance Private Limited has this day been struck off and the said Company is dissolved.

M. L. SAH Registrar of Companies, U.P., Kanpur.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Arrow Publicity Private Limited

(In Members Voluntary Liquidation)

Ahmedabad, the 26th May 1978

No. 1015/Liq.—Notice is hereby given pursuant to subsection (4) of section 247 of the Indian Companies Act-1913, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Arrow Publicity Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

J. G. GATHA Registrar of Companies, Gujarat

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Island Import Export Trading Co. Pvt. Limited

Bombay the 26th May 1978

No. 15261/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Island Import Export Trading Co. Pvt. Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Giva Safety Razor Co. of India Pvt. Limited

Bombay, the 27th May 1978

No. 6131/560(3).—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Giva Safety Razor Co. of India Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

V. A. VIJAYAN MENON Asstt. Registrar of Companies Maharashtra, Bombay

#### FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE,

Dharwar, the 17th April 1978

Notice No. 214/78.79/Acq. dated 17-4-1978.—Whereas, 1, D. C. RAJAGOPAI AN, Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range, Dharwar,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereina'ter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1-1166/2, situated at Opposite Aiwan-E-Shahi, Station Bazar, Gulbarga,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Gulbarga, Under Document No. 1099 on 3-11-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursurance of Secton 26°C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the accuisition of the aforesaid property by the issue of this notice ut der sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persions, namely:—

- (1) Smt. Sharadabai w/o Chandappa Patil, 17-Sankay Road, Sadashivnagar, Bangalore. (Transferor)
- (2) (1) Shri Lingraj s/o Shantalingappa Patil, m/g Shri Shantalingappa S. Patil, c/o M/s L. R. Patil, Neharuganj, Gulbarga.
- (2) Shri Sahebgouda Chanmallappa Patil, R/o Diggaon, Taluk: Chittapur (Dist. Gulbarga).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property Consisting of a Double Storied House Bearing M. No. 1-1166/2, Situa ed on Plot No. 37, Opposite Alwan-E-Shahi, Station Bazar, Gulbarga.

D. C. RAJAGOPALAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
ACQUISITION RANGE, DHARWAR

Date: 17-4-1978

FORM ITNS

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUITION RANGE, MAREENA BUILDINGS, M.G. ROAD, ERNAKULAM, COCHIN-682016

Cochin-682016, the 6th February 1978

Ref L.C. No. 169/77-78.—Whereas, I, C. P. A. VASU-DEVAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy No. as per schedule

situated at

Thrikkut Panchayath

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nellavi on 2-9-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) (i) Sri Mariappa Gounder (ii) M. Singaravelu (iii) Dr. M. Balasubramanian.

(Transferors)

(2) (i) V. J. George (ii) V. G. Stanley (iii) V. G. Sabu (iv) V. I Sando (v) V. I. Sunny (by V. J. Ittiara. (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

7 07 acres of land with buildings in Sy. Nos 484, 487, 496 497, 498 & 499 of Thrikkur Panchavath.

C. P. A. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
ACQUISITION RANGE, ERNAKULAM

Date: 6-2-1978.

Scal:

#### FORM ITNS -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 2nd June 1978

Ref. No. A-1805.—Whoreas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing No.

No. As per schedule situated at Mota Singh Nagar, Juliundur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on October 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Wow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

M/s. The Doaba Transport Co. Ltd., H.Quarter Hoshiar-pur (Through Mohan Singh).

(Transferor)

(2) S/Sh. Devinder Kumar & Dharampaul Ss/o Shanker Dass, R/o Mota Singh Nagar, Jullundur.

(Transferce)

- \*(3) As per S. No. 2 above.

  (Person in occupation of the property).
- \*(4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULB

Plot as mentioned in the Registeration Sale Deed No: 4556 of October, 1977 of the Registering Authority, Juliundur.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 2-6-78

#### FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE,

Jullundur, the 2nd June 1978

Ref. No. AP-1806.—Whereas, I, B. S. Dehiya, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

As per schedule situated at Vill. Dhanal Khurd Teh: Jullundur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on Nov., 1977

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Gurmej Kaur W/o Charan Singh R/O Dhanal Khurd, Teh: Jullundur.

  (Transferor)
- (2) Shri Kesar Singh S/O Tulsa Singh Guru Nanak Pura, Model Town, Jullundur.

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2 above. (Person in occupation of the property).
- \*(4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registeration Sale Deed No. 4775 of November, 1977 of the Registering Authority, Juliundur.

B. S. DEHIYA.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 2-6-1978

Scal:

### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 2nd June 1978

Ref. No. AP-1807.—Whereas, I, B. S. Dehiya, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Vill. Dhanal Teh: Jullundur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jullundur on November, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the appearent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Gurmej Kaur W/o Charan Singh Vill. Dhanal Teh: Jullundur.
- (2) Shri Inder Singh S/o Kesar Singh, Guru Nanak Pura, Model Town, Jullundur,

(Transferce)

(Transferor)

- (3) As per S. No. 2 above.

  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registration Sale Deed No. 5121 of November, 1977 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date: 2-6-78

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 2nd June 1978

Ref. No. AP-1808.—Whereas, I, B. S. Dehiya, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reuson to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Din Dyal Upadhya Nagar, Jullundur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on Oct. 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons namely:

12—116GI/78

(1) Shri Oma Nand Sharma S/O Vidhya Ram Sharma, H. No. EF-424, Krishan Nagar, Jullundur. (Transferor)

(2) Shri Des Raj S/O Mohan Lal C/O Raj Book Depot, O/S Mai Hiran Gate, Jullundur. (Transferce)

"(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the prop rty)

"(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot as mentioned in the Registration Sale Deed No. 4535 of October, 1977 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullandur.

Date: 2-6-1978

Scal:

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE,

Jullundur, the 2nd June 1978

Ref. No. AP-1809.—Whereas, I, B. S. Dehiya, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

As per Schedule situated at Ladowali Road, Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on Nov. 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Ranjit Singh, Harbans Singh, Ss/O Shri Basant Singh, Chandigarh. (Transferor)
- (2) Shri Manbir Singh S/O Makalgan Singh EH 83-84,, Ladowali Road, Jullundur.

  (Transferee)
- (3) As per S, No. 2 above.

  [Person in occupation of the property]!
- (4) Any other person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Building as mentioned in the Registeration Sale Deed No. 4851 of November, 1977 of the Registering Authority, Jollandar.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 2-6-1978

#### FORM ITNS-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

Jullundur, the 2nd June 1978

Rcf. No. AP-1810.—Whereas, I, B. S. Dehiya sing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

As per schedule Basti Bawa Khel, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur on Nov. 1977

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be diclosed by the transferee for the purposes of the Indian Iniome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Gurbax Singh 5/0 Lal Singh ( & GA 1 bans Kaur (Wife) Swaranjit Singh (Son) Smt Raj Kanwar W/0 Swaranjit Singh R/O Basti Bawa Khel, Jullundur.

(Transferor)

(2) M/s Hans Raj Mahajan & Sons (P) Ltd., Basti Adda, G.T. Road, Juliandur.

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2 above.
  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Building as mentioned in the Registeration Sale Deed No. 4790 of November, 1977 of the Registering Authority, Juliundur.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur-

Date: 2-6-78

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE,

Rhatinda, the 24th May 1978

Ref. No. 208/HSP/78-79.--Whereas, I, P. N. Malik, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing As per S. No. 2 above Court Road, Hoshlarpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ho hiarpur on 17-10-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesnid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Puran Singh S/o Sh. Narain Singh S/o Sl Sarup Singh Village Dheypur Tehsil Hoshiarpur G.A. to Shri Gian Singh S/o Narain Singh, Jogin der Kaur Wd/o Shri Bhag Singh, Santosh Kau Jashi Kaur, Hardial Kaur Daughters of Shri Bha Singh.

(Transferor)

(2) Shri Kirpal Singh Adopted son of Shri Bhag Singi S/o Sh. Narain Singh S/Shri Santoksh Singh, Sohar Singh and Harbhajan Singh SS/o Shri Karam Singl V and P. O. Dehakowal Tehsil Hoshiarpur.

(Transferee)

"(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

"(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this, notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Two shops situated at Court Road, Hoshiarpur as mentioned in sale deed No. 2675 of October, 1977 registered with the Sub-Registrar, Hoshiarpur.

P. N. MALIK,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range

Date: 24-5-1978

# NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 26th May 1978

Ref. No. Rnj/IAC/Acq./402.—Whereas, I, M. P. VASISHTHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 19, situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 8th Sept. 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Murlimanohar Khendelwal, s/o Shri Ganeshlalji resident of Vidhyadhar ka Rasta, Jaipur.

  (Transferor)
- (2) Shri Vijayachandji Lodha s/o Shri Bhagchandji esident of Kundigar Bhneruji ka Rasta, Jaipur.

  (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot of land known as No. 19 at Jawaharlal Nehru Marg, Ganesh Colony, Jaipur, more fully described in the conveyance deed registered on 8-9-77 by the S. R. Jaipur vide his No. 1615.

M. P. VASISHTHA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 26-5-78

### NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 26th May 1978

Ref. No. Raj/IAC/Acq./403.—Whereas, I, M. P. Vasishtha.

being the Competent Authority under section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act' have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- bearing

No. House property situated at Udaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of

Registering officer at

Udaipur on 31-10-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as

aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee (or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said A.A., to the following persons, namely:—

 Shri Maheshbehari through G.P.A. Shri Murarilal s/o Late Shri Guljarilal Mathur resident of 52 Gopalwadi, Jaipur.

(Transferor)

(2) Smt. Premdevi w/o Shri Nandlal Bagrecha resident of No. 95 Bhupalwadi, Udaipur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, with in 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

1/3rd share in house property (Ground floor) situated at Aswani Marg, outside Delhi Gate, Udaipur and morefully described in the conveyance deed registered by the S.R. Udaipur vide his No. 1985 dated 31-10-77.

M. P. VASISHTHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 26-5-78

Scal:

I ORM ITNS --

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 26th May 1978

Ref. No. Raj/IAC/Acq/404.—Whereas, I, M. P. VASISHTHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

House property situated at Udaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Udaipur on 31-10-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shii Murarilal s/o Late Shri Guljarlal resident of plot No. 52, Gopalwadi, Ajmer Road, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Laxmilal s/o Shri Kanhiylal Bagercha resident 95 Bhupalwadi, Udaipur.

(Transferee) (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are are defined in Chapter XXA of the said Act, shull have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/3rd property in the house propert (ground floor) situated at Aswani Marg outside Delhi gate Udaipur and more fully described in the conveyance registered by S. R. Udaipur vide his No. 1986 dated 31-10-77.

M. P. VASISHTHA,

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Jaipur.

Date: 26-5-78

#### FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE,

Jaipur, the 26th May 1978

Ref. No. Raj/IAC/Acq/405.—Whereas, I, M. P. VASISHTHA,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No.

No. House property situated at Udaipur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Udaipur on 31-10-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the consealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

(1) Shri Banwarilal & Shii Mahesh Behari through General Power of Attorny Shri Muratilal s/o Late Shri Gulzarilal Gopal Bari, Jaipur.

(Transferor)

(2) Smt. Deu Bai w/o Shii Kanhiyalalji Bagiecha resident of No. 95 Bhupalwari, Udaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person luterested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property situtaed on First floor of the house at Aswani Marg outside Dedhi gate and more fully described in the conveyance deed registered by the S.R. Udaipur vide his No. 1984 duted 31-10-77.

M. P. VASISHTHA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 26-5-78

FORM TINS--

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE,

Jaipur, the 26th May 1978

Ref. No. Raj/IAC/Acq./406.—Whereas, I, M. P. VASISHTHA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House property situated at Udaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Udaipur on 31-10-77

13--116GI/78

for an apparent consideration

which is less than the fair market value

of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Banwarilal through GPA Shri Murarilal s/o Shri Guljarilal resident of 52 Gopalwadi, Jaipur. (Transferor)

(2) Smt. Mohanidevi w/o Sh. Ambalal Bagrecha resident of 95 Bhupalwari, Udaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

1/3 shared of property (ground floor) belonging to Shri Banwarilal and situated on the Ahswani Marg, out side Delhi Gate, Udaipur and more fully described in conveyance deed registered by SR Udaipur vide his No. 1983 d/31-10-77.

M. P. VASISHTHA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Juliundur.

Date: 26-5-78

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE JAIPUR

Jaipur, the 26th May 1978

Ref. No. Raj/IAC/Acq/407.—Whereas, I, M. P. VASISHTHA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. D-57 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Jaipur on 23-9-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Shri Sarat Kumar Jhunjunuwala S/o Shri Krishan Kumar Jhunjunuwala, resident of Jhunjhunuwalah Niwas New Colony, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Ramchander and Omptakash Goyenka S/o Sh. Chhagamal Goyenka, resident of plot No. D-185, Bhirgu Marg, Bani Park, Jaipur.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Half portion of eastern side of Plot No. D-75, Ghlyamarg, Bani Park, Jaipur, more fully described in the conveyance deed registered by S. R. Jaipur vide his entry No. 1781 dated 23-9-77.

M. P. VASISHTHA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Juliundur

Date: 26-5-1978

#### FORM ITNS -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE JAIPUR

Jaipur, the 26th May 1978

Ref. No. Raj/IAC/Acq/408.—Whereas, I, M. P. VASISHTHA.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Plot No. 9C situated at Daipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udiapur on 28-10-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Amritlal s/o Shri Jas Rajji Yadava resident Jajour.

(Transferor)

(2) Shri Sunderlal s/o Mohanlalji Khanvesra resident of Chogan Scheme No. 2 Udaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used here in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property situated in Plot No. 9 C Chogan Scheme No. 2 Madhuvan, Udaipur and more fully described in the convenayce deed registered by S. R. Udaipur vide No. 1960 dated 28-10-1977.

M. P. VASISHTHA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipui.

Date . 26-5-78

#### FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopl, dated the 6th May 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-78/994.—Whereas, I, R. K. BALI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at Narayanpur (Bastar) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Narayanpur on 5-9-1977 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act,' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely:—

(1) Shri Jugal Prasad Devangan S/o Shri Neelkant Prasad, R/o Narainpur, Dist. Bastar 494-661.

(Transferor

(2) Smt. Assissi Shanti Bhawan, through Sister Tecla Francis, Narainpur, Distt. Bastar, 494-661.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPI ANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

4 16 Acre land at Khasra Nos. 981/2 & 982/2, at Narayan-pur, Dstt. Bastar.

R. K. BALI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 6-5-78

Scal:

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, dated the 6th May 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/995.—Whereas, I, R K BALI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Murwara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Murwata on 19-9-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S/Shri Dharmumal & Mohanlal, both sons of Shri Mitthnlal Sindhi, R/o Binoba Ward, Murwara, Distt. Jabalpur.

(Transferor)

(2) S/Shri Gokuldas s/o Sirumal & Darsanlal s/o Gokalmal, R/O Hanumangan, Murwara, Distt. Jabalpur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Municipal House No. 184, in Binoba Ward, Murwara, Distt. Jabalpur.

R. K. BALI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 6-5-78.

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 16th May 1978

Ref. No. RAC No. 47/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 3-5-1089/1/A situated at Narayanguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 22-9-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income ari sing from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Welth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Dr. Gouri Shanker Palnitkar, Medical Practitioner 5-2-1026 at Nizamshai Road, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. M. R. Meera Devi, W/o Shri M. Raghunath Reddy, H. No. 3-5-1089/1/A at Narayanguda, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House M. No. 3-5-1089/1/A, measuring 193.00 Sq. Yds. at Narayanguda, Hyderabad, registered vide Doc. No. 2644/77 with the Joint Sub-Registrar Hyderbad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 16-5-1978

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th May 1978

Ref. No. RAC No. 48/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and hearing

No. 1-10-1/1 situated at Ashoknagar Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 3-10-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

 Smt. Davuluri Radha, W/o Sri D. V. Vithal, H. No. 7/4 Clarks Road, Richards Town, Bangalore. Represented by her Power of Attorney Sri P. Visweswara Rao. Gandhinagar, Hyderabad (H. No. 1-1-644).

(Transferor)

(2) Shri Darsi Sudhakara Rao, S/o late Sri Rangayya Garu, H. No. 1-10-1/1 at Ashoknagar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House M. No. 1-10-1/1 at Ashoknagar, Hyderabad, registered vide Doc. No. 2706/77 with the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 16-5-1978

Scal:

#### FORM ITNS---

(1) Dipak Oil Mill, Bhayawadar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ambica Oil Mill, through partners: Shri Chandulal Bawanji & Others, Khakhijalia Road, Bhayavadr.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380 009, the 16th May 1978

Ref. No. Acq.23/I/1413(659)/16-7/77-78.—Whereas, J. S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Sur. No. 794, situated at Khakhijalia Road, Bhayavadar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Upleta on 27-10-1977

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

An immovable property standing on land admeasuring 3966-2-3 sq. yds. known as Ambica Oil Mill, bearing S. No. 794 situated on Khakhijalia Road, Bhayavadar and as fully described in the sale-deed registered vide Regn. No. 999 dated 27-10-1977.

S. C. PARIKH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Dated 16th May 1978 Seal:

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFIFCE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 16th May 1978

Ref. No. Acq. 23-1-1506(660)/16-3/77-78.—Whereas, S. C Parikh

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. E.P. No. 87, situated at Bhadar Road, Jetpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jetpur on 17-10-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

14-116GI/78

- (1) Darbarshri Bhanwala Jagawala Yagnik Road, Satyakripa Bhuvan, Rajkot.
  - 2. Kumarshri Meramwala Jagawala Yagnik Road, Satyakrupa Bhuvan, Rajkot.
  - 3. Anopaba Jagawala, Milan Society, Near Mahila Collège, Rajkot.

I ohana Mahajan Trust; Through-President & Managing Trustee; Sheth Shri Devjibhai Bhimjibhal. (2) Lohana Fulwadi, Jetpur.

(Transferee)

- \*(3) 1. Harsad Dyeing;
  - Jagi Fabrics;
  - 3. Mr. Bachubhai Thakarshi,
  - J. B. Textile.
     Jagat Textile.

(Person in occupaton of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

LAPLANATION: -The terms and expressions used herein as as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

An immovable property standing on land admeasuring 321-4 sq. yds. bearing E.P. No. 87 situated at Bhadar Road, and Jetpur and as full described in the sale deed registered vide Regn. No. 689 dated 17-10-1977.

S. C. PARIKH. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 16th May 1978.

#### FORM ITNS------

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 25th May 1978

No.  $\Lambda$ cg.23-I-1500(663)/16-6/77-78.—Whereas I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 476, situated at Nr. Race Course, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 24-10-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (m) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Kalyanji Laxmichand & Sons, through part-ner; Shri Kalyanji Laxmichand, Panchnath Plot, Raikot.

Shri Kalyanji Laxmichand, Panchnath Plot, Rajkot. (Transferor)

(2) 1. Shri Asudomal Bhavandas, 2. Shri Duloram Devandas,

3. Shri Ghanshyam Devandas,

4. Shri Sevram Devandas, Ranchhodnagar Society, Sheri No. 8, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 1288 sq. yds. bearing S No 476, situated on west-side of Race Course, Rajkot and as fully described in the sale-deed registered under registration No. 2198/77 dated 24-10-1977 by th Sub-Registrar, Raikot.

> S. C. PARIKH, Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.

Acquisition Range-I. Ahmedabad

Date: 25-5-1978.

#### FORM ITNS-----

(1) Shri Ram Chandra Ram.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX / CT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Suraj Bali Ram.

(Transferce)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-9, BHUBANESWAR-9

Bhubaneswar-9, the 23rd March 1978

Ref. No. 69/77-78/IAC(A/R)/BBSR.—Whereas, I, A. N. MISHRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income in Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Touzi No. 2538, situated at Badjobra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Registrar of Assurance Calcutta on 26-9-1977

for an upparent consideration which is less than the far market varue of the poresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

HAPTION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The land with building situated at Mouza-Badjobra over Touze No. 2538, Khata No. 475/2, Plot No. 1367/1566 and No. 1367/1567 in the district of Cuttack and registered in the effice of the Register of Assurance, Calcutta vide Sale deed No. I-4437 dated 26-9-1977.

A. N. MISHRA.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhubaneswar.

Date: 23-3-1978

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Rahmatullah & others M/s Swastik Sugars through

(Transferor)

(2) Shri Om Prakash Rastogi & others.

may be made in writing to the undersigned-

whichever period expires later;

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 21st January 1978

Ref. No. GIR No. 159/S/Acq.—Whereas, I, AMAR SINGH BISEN,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Building, land & machinery of M/s Indian Traders, situated at Amroha, District Moradabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Arnroha on 2-9-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 7.36 acres including building, factory, plant & machinery etc. and all that which is entered in Form 37G No. 3530/77 dated 2-9-77 and in the sale deed situate at Amroha, Dist. Moradabad.

A. S. BISEN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

subowing Date: 21-1-1978 Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Nawal Kishore Sharma.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shii Sahdev Kumar Nandi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Shri Nirmala Chakravarty. (Person in occupation of the property).

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Lucknow, the 5th May 1978

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

Ref. No. 5-164/Acq.—Whereas, I, AMAR SINGH BISEN,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 49-K situated at Nazai Bagh, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 17-9-1977 for an apparent consideration, which is less than the fall

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A double storeyed house No. 49-K measuring 1596 sqr. fts. situted at Nazar Bagh Lucknow and all that which is mentioned in form 37-G No. 3150 dated 17-9-1977 registered at the Chief Sub-Registrar Office Lucknow.

A. S. BISEN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-5-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 30th May 1978

Ref. No. GHL/3/77-78.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR PATHANIA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Part of Sniv Shankar Rice Mill, situated at Pehowa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guhla in September, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor b, more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor of the transferor to pay tax under the 'said Act,' to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said -Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 (i) Shri Raghubir Singh and Shri Jaspal Singh, ss/o Sh. Sawaran Singh, (ii) Smt. Surjeet Kaur w/o Shri Swaran Singh, residents of Kothi No. 17, Taylor Road Amritsar, (iii) Shri Shamsher Singh s/o Shri Dhanna Singh, R/o Vill. Bhikhe Hari Singh, Teh. Ajnala, Distt. Amritsar (Punjab).

(Transferor)

 Shri Kaliash Chander s/o Shri Amar Nath, M/s. Amar Nath Kaliash Chander, Commission Agents, Anaj Mandi, Keithal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property m: y be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The .crms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

Part of Shiv Shankar Rice Mill situated at Pchowa Tehsil Guhla.

"Property as mentioned in sale deed registration No. 1543 dated 30-9-1977 and registered in the office of the Registering Authority, Guhla."

RAVINDER KUMAR PATHANIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 30-5-1978

Scal ·

FORM ITNS ----

\_\_\_\_\_

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 30th May 1978

Ret. No. GHL/4/77-78.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR PATHANIA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'raid Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No Part of Shiv Shankar Rice Mill alongwith land measuring 8 kanal 2 marta situated at Pehowa

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has boin transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gubba in November, 1977

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  $\lambda$ . Increby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(i) Shri Harbans Singh s/o Shri Kidara Singh,
 (ii) Shri Hazura Singh s/o Shri Phula Singh, (iii) Shri Rachhpal Singh and (iv) Shri Kabal Singh ss/o Shri Hazura Singh. All resident of Vill. Saraswati Khera, Teh. Guhla Distt. Kurukshetra.

(Transferor)

 Shri Amar Nath s/o Shri Ram Kishan, M/s. Amar Nath Kailash Chander, Commission Agents, Anaj Mandi, Kaithal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as an edefined in Chapter XXA of the said 'Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Part of Shiv Shankar Rice Mill alongwith land measuring 8 kanal 2 marla situated at Pehowa.

"Property as mentioned in sale deed registration No. 1695 dated 3-11-1977 registered in the office of the Registering Authority, Guhla."

RAVINDER KUMAR PAFHANIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 30-5-1978

### FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

### ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 30th May 1978

Ref. No. GHL/5/77-78.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR PATHANIA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Part of Shiv Shankar Rice Mill measuring 4K-2marla (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at

Guhla in November 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 (i) Shri Gurbax Singh s/o Shri Jagir Singh, (ii) Shri Mohinder Singh and (iii) Shri Iqbal Singh ss/o Shri Gurbax Singh; All resident of Vill. Saraswati Khera Teh. Guhla, Distt. Kurukshetra.

(Transferor)

 Shri Amar Nath s/o Shri Ram Kishan, M/s. Amar Nath Kailash Chander, Commission Agents, Anaj Mandi, Kaithal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Part of Shiv Shanker Rice Mill alongwith land measuring 4 kanal 2 marla situated at Pehowa Tch. Guhla.

"Property as mentioned in sale deed registeration No. 1695 dated 3-11-1977 and registered in the office of the Registering Authority, Guhla."

RAVINDER KUMAR PATHANIA,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Rohtak.

Date: 30-5-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) (i) Shri Jaswant Singh s/o Shri Meja Singh, (ii) Shri Mahakali Singh s/o Shri Dhanna Singh, residents of Vill. Urnaya, Teh. Guhla, Distt. Kurukshetra.

(Transferor)

(2) Shri Amar Nath s/o Shri Ram Kishan, M/s Amar Nath Kailash Chander, Commission Agents, Anaj Mandi, Kaithal.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPICTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD, POLITAK

Rohtak, the 30th May 1978

Ref. No. GHL/6/77-78.—Whereas, I, Ravinder Kumar Pathaniu,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair marekt value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Part of Shiv Shanker Rice Mill alonkwith land measuring 6 kanal 2 marla situated at Pehowa

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

at Guhla in November, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent, consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely:—
15—116GI/78

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Part of Shiv Shankar Mill alongwith land measuring 6 kanal 2 marla situated at Pehowa Teh. Guhla, Distt. Kurushetra.

"Property as mantioned in sale deed registration No. 1720 dated 8-11-1977 and registered in the office of the Registering Authority, Guhla."

RAVINDER KUMAR PATHANIA.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date: 30-5-1978

### FORM ITNS----

(1) Shri Joginder Singh s/o Shri Meja Singh, Friends Colony, Taylor Road, Amritsar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shi i Amar Nath C/o M/s Amar Nath Kailash Chander, Commission Agents, Anaj Mandi, Kaithal. (Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 29th May 1978

Ref. No. GH1/2/77-78.--Whereas, I, Ravinder Kumar Pathania,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing '

No. 1/5th share in Shiv Shankar Rice Mill situated at Pehowa (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Guhla in September, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA in the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

1/5th share in Shiv Shanker Rice Mill situated at Pehowa alongwith machinery and fittings.

"Property as mentioned in the sale deed registration No. 1499 dated 21-9-1977 Registered in the office of the Registering Authority, Guhla."

RAVINDER KUMAR PATHANIA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date: 29-5-1978

### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 30th May 1978

Ref. No. RTK/46/77-78.--Wheres I, Ravinder Kumar Pathania,

being the competent authority under section 269B of the Income Tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. M.C. No. 52-53-54, Ward No. 17, situated at

Railway Road, Rohtak

(and more fully described in the schedule

annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Rohtak in September, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforcsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any monys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) or section 269D of the said Act to the following persons namely:--

(1) Shri Jai Parsad s/o Shri Sheesar Chand Jain, H. No. 4/101, Kath Mandi, Sonepat.

(Transferor)

(2) S/Sh. Om Parkash, Krishan Lal, Ved Parkash and Satish Kumar ss/o Shri Ganpat Rai, H. No. 78-B-III, Mohalla Gurunanak Pura, Rohtak.

(Transferee)

(3) (i) Shri Jandu C/o 52-53-54, Wd No. 17, Railway

(1) Sill Janua C, 2

Road, Rohtak.

(ii) Shri Darya Singh, C/o 52-53-54, Wd. No. 17.

Railway Road, Rohtak.

(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gaze te or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property M. C. No, 52-53-54 situated at Ward No. 17, Railway Road, Rohtak and having an area of 97 sq. yds. "Property as mentioned in sale deed registration No. 2345 dated 14-9-1977 registered in the office of the Registering Authority, Rohtak.

> RAVINDER KUMAR PATHANIA, Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Rohtak

Date: 29-5-1978

(1) Shri Ajit Singh s/o Shri Tara Singh, R/o Block E-I/141, Lajpat Nagar, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri H. P. Pal S/o Shri Shadi Lal Pal, R/o 1568, Sector 7-C, Chandigarh.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 29th May 1978

Ref. No. CHD/51/77-78.—Whereas I, Ravinder Kumar Pathania.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 1568, Sector 7-C Chandigath situated at Chandigath

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Chandigarh in September, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conceatment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transerec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

House No. 1568 situated at Sector 7-C, Chandlgarh.

"Property as mentioned in sale deed registration No. 606 dated 9-9-1977 and registered in the office of the Registering Authority, at Chandigarh".

RAVINDER KUMAR PATHANIA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date: 29-5-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 29th May 1978

Ref. No. CHD/103/77-78.—Whereas I, Ravinder Kumar Pathania

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. House No. 74, Sector 5-A situated at Chandigath (and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigath in February, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri R. N. Chopra S/o Shri Kanshi Ram Chopra, R/o F 3/10, Vasant Vihhar, New Delhi.

(Transferor)

(2) (i) Sh.i B. N. Gupta s/o Late Shri Babu Ram Gupta, (ii) Smt. Bimla Devi Gupta W/o Shri B. N. Gupta, (iii) Shri Vimlendra Gupta and (iv) Shri Ranjiv Gupta ss/o Shri B. N. Gupta. All residents of H. No. 74, Sector 5-A, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—Ine terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Residential House No. 74 Built on plot No. 70-C Sector 5, Chandigarh and having an area of 4.07 kanal.

"Property as mentioned in sale deed registration No 1229 dated 16-2-1978 registered in the office of the Registering Authority, Chandigath".

RAVINDER KUMAR PATHANIA,

Competent Authority.

ssistant Commissioner of Income-tax,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak

Date: 29-5-1978

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Mudias-6, the 29th March 1978

Ref. No. 6/SEPUT/77.---Whereas, I. A. T. GOVINDAN, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 295 & 295A situated at West Masi Street, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Pudumandapam, Madurai (Doc. No. 453/77) on September 1977

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. P. Pankajam, W/o. Shii Pitchai, No. 295, West Masi Street, Madurai.

(Traffsferor)

(2) Shri P. S. Loganathan Chettiar, Smt. Sulochana, No. 3/853, Bharathi Nagar, Paramakudi, Ramnad district.

(Transferee)

(3) United Commercial Bank.
(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land measuring 24700 sft. with building thereon at door Nos. 295 & 295A (Survey No. 560), West Masi Street, Mdurai.

A. T. GOVINDAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date: 29-3-1978.

Smt Marie Angela Peleria Smt. Maris Josephine Moliar (1) 1.No. 18 Enam Venkatachalampillai St. Pondicherry.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Selva Kalpana No. 28 Nainiappa Pillai St.,

Pondicherry-1.

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 26th May 1978

Ref. No. 3989/September/77.—Whereas, J. K. Ponnan, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 18, situated at Enam Venkatachalam Pillai St., Pondicherry,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Pondicherry (Doc. No. 1323/77) on 5-9-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act', to the following persons namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and building bearing Door No. 18, Enam Venkatacholam Pillai Street, Pondicherry.

> K. Ponnan Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisiton Range-II, Madras-6

Date : 26-5-1978.

### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri P. V. A. Mohamed Jeeyaudin S/o Shri P. V. Abdul Rahman Rowther Cutchery St., Mettupalayam.

(Transferor)

(2) Shri P. A. Syed Mohamed Rowther S/o Shri P. Ayub Mohamed Rowther, Appai Naicker St., Mettupalayam.

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 26th May 1978

Ref. No. 4425/September/77.—Whereas, I. K. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. 85 & 85A Annaji Rao St., situated at Mettupalayam (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mettupalayam (Doc. No. 989/77) on 1-9-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and building bearing Door No. 85 and 85A, Annaji Rao Street, Mettupalayam.

K. Ponnan
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisiton Range-II, Madras-6.

Date: 26-5-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### **GOVERNMENT OF INDIA**

(2) Sui Allimuthu S/o Shri Marudappa Gounder

Coimbatore 641020.

(Transferor)

Thudiyalur

(1) Sri Ramakrishna Mission Vidyalaya Sri Ramakrishna Vidyalaya P.O.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 26th May 1978

Ref. No. 4428/September/77.—Whereas, I K. Ponnan

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 2.36½ Acres, situated at S. Nos. 24/1, 24/2, 24/3, 24/4 & 24/5 Thudiyalur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Perianaickenpalayam (Doc. No. 182/77) on

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

16-116GI/78

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Thudiyalur Village:

S. No.	Extent.		
24/2 24/3 24/4 24/5 24/1		0 1 0 0 0	34 04 56½ 27 15
	TOTAL	2	36 <del>1</del>

K. Ponnan Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 26-5-1978.

### FORM ITNS....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 26th May 1978

Ref. No. 4428/September/77.—Whereas, I, K. Ponnan being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. S. No. 23 and 24/1 situated at Thudiyalur village (2-00½ Acres)

(and more fully described in the Schedule annexed Meretto), has been transferred under the Registration Act, 1908: (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Perianaickenpalayam (Doc. No. 183/77) on September 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferror to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property for the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sree Ramakrishna Mission Vidyalaya Sri Ramakrishna Vidyalaya P.O. Coimbatore 641 020.

(Transferor)

Sri Marudhachafam; and
 Shri A. Chinnasami
 S/o Shri Ammasai Gounder
 Thudiyalur village, Coimbatore Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

2-00½ Acres bearing S. No. 24/1 and 23, Thudiyalur village, Coimbatore Taluk.

K. Ponnan
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisiton Range-II, Madras-6.

Date: 26-5-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 26th May 1978

Ref. No. 4452/September/77.—Whereas I, K. Ponnan being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable propertry, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Door No. 40 Krishnammal St. situated at Radhakrishna Layout, K. K. Pudur, Sanganoor Panchayat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

at Gandhipuram (Doc. No. 866/77) on 19-9-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferror to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice, under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. D. Vasantha Devi W/o Shri K. Veera Doss
 Krishnammal St., Radhakrishna Layout, Kuppakonampudur, Sanganur, Coimbatore Tk.

(Transferor)

(2) Shri P. Natarajan, B. Sc. (Ag.) No. 31/5 Ponnaia Rajapuram Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land admeasuring 2800 sq. ft. (with building) situated at Site No. 31, Door No. 40, Krishnammal Street, Radhakrishna Layout, Kuppakondampudur, Sanganoor village, Coimbatore Taluk.

K. Ponnan
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 26-5-1978.

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 26th May 1978

Ref. No. 5799/September/77.—Whereas, I, K. Ponnan being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act; 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rsfl 25,000/- and bearing

No. Door No. 14, situated at Pasumathy Street, Madras-24 (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Kodambakkam (Doc. No. 1277/77) on 12-9-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 cf 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-rection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Smt. C. H. Susheela Rani; and
  - Shri C. H. Venkateswara Rao
     Pasumarthy St., United India Colony, Madras-24.

(Transferors)

(2) Shri Jagadish Mitra No. 9 Masilamani Mudaliar Colony Madras-4.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land admeasuring 5624 3/4 Sq. ft. (with building) situated at No. 14 Pasumarthy St., Madras-24 (T. S. No. 62, Block No. 44).

K. Ponnan
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 26-5-1978.

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### CE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 26th May 1978

Ref. No. 5818/September/77,-Whereas, I. K. Ponnan being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Plot Nos. 5 and 6, situated at Door No. 5 Greams Road, Madras-6,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar, Madras (Doc. No. 653/77) on September 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

- (1) 1. Shri M. Murugesa Naicker;
  - Shri M. Anandan: and
     Shri M. Thirunavukkarasu
  - No. 1 First Link St., CIT Colony, Madras-4
    4. Shri T. Govindasami
    No. 62 B Mowbrays Road, Madras-18.

(Trafferor)

(2) Smt. C. Annammal No. 79 Mannar Sami Koil St. Madras-13.

(Transferee)

Objections, If any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

1/10th undivided share in Plot Nos. 5 and 6 extending to 7 grounds and 1435 sq. ft. and uninished building with a carpet area of 3421 sq. ft. (Door No. 5 Greams Road, Madras-6).

> K. PONNAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 26-5-1978.

Seal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-II MADRAS-6

Madras-6, the 26th May 1978

Ref. No. 5818/September/77.—Whereas, I, K. Ponnan being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Plot Nos. 5 and 6, situated at Door No. 5 Greams Road, Madras-6.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

T. Nagar, Madras (Doc. No. 654/77) on September 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

- (1) 1. Shri M. Murugesa Naicker;
  - 2. Shri M. Anandan; and
  - 3. Shil M. Thirunavukkarasu
    1, First Link St., CIT Colony, Madras-4.
  - Shri H. Govindasami No. 62B, Mowbrays Road, Madras-18.
- (2) 1. Smt. G. Mallika No. 79 Mannar Saml Koil St., Madras-13 and
  - G. Senhamarai
     No. 132, Mannarsami Koil St. Royapuram, Madras-13.

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

1/10th undivided share in Plot No. 5 and 6 extending to 7 grounds and 1435 sq. ft. and unfinished building with a carpet area of 3421 sft. (Door No. 5, Greams Road, Madras-6)

K. PONNAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Madras-6.

Date: 26-5-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II MADRAS-6

Madras-6, the 30th May 1978

Ref. No. 5812/Sep./77.—Whicreas, I, K. Ponnan, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 2, Rutland Gate 5th St., situated at Nungambakkam, Madras-6

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar, Madras (Doc. No. 654/77) on September 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee to the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby inlitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Smt. Sara Kasthuri Chandy No. 23-A St. Paul Road, Bhandra, Bombay-50.
  - Shri D. J. K. Cornelius S/o Shri J. T. Cornelius R. S. V Naidu St., Madras-10.

\_nsf

(2) Asha Nivas Diocesan Social Welfare Centre, Rutland Gate, Madras-6 (No. 2 Rutland Gate 5th St., Madras-6).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land admeasuring 5 grounds and 616 sq. ft. (with building) and bering Door No. 2, Rutlnad Gate 5th Street, Nungambukkam, Madras-6.

K. PONNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Madras-6.

Date: 26-5-1978.

- Shri A. Aboobacker and Shri A. Shaikalaudeen No. 13 Nageswara Iyer Road, Madras-24.
- (2) Shri C. K. Prabhakaran Padiyath No. 19 Chaudhary Colony Madras-34.

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE-II MADRAS-6

Madras-6, the 30th May 1978

Ref. No. 5813/Sep./77.—Whereas I, K. Ponnan, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 13. Nageswara Iyer Road, situated at Madras-34, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at T. Nagar, Madras (Doc. No. 629/77) on September 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and building bearing Door No. 13, Nageswari Iyer Road, Madras-34.

K. PONNAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Madras-6.

Dato: 30-5-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-

### GOVERNMENT OF INDIA

 Captain P. S. Rajan, No. 16 Pushphavanam Main Road, Madras-34.

(Transferor)

(2) Shri P. K. Bahadur S/o Shri Kochu Mohideen 178, 5th Street, 9th Avenue, Ashok Nagar, Madras-83.

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 30th May 1978

Ref. No. 5815/Sep/77.—Whereas, I, K. PONNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 1 (Premises 16) situated at Pushpavanam Main Road, Nungambakkam, Madras-34, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagai, Madras (Doc. No. 641/77) on September, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I herey initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

17—116GI/78

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land admeasuring 2 Grounds and 1220 Sq. ft. (with building) and bearing Plot No. 1 (Premises No. 16) Pushpavanam Main Road, Nungambakkam, Madras-34.

K. PONNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-6

Date: 30-5-1978

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

 Shri P. Shyam Sundar, No. 70 G. N. Chetty Road, T. Nagar, Madras-17.

(Transferor)

(2) Smt. M. Varalakshmi No. 5 North Street, West CIT Nagar, Madras-35.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 30th May 1978

Ref. No. 5824/Sep/77.—Whereas, I K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to at the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

110/2 Kodamoakkam High,

situated at Madras-34

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

T. Nagar, Madras (Doc. No. 691/77) on 28-9-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of

the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

### THE SCHEDULE

Land and building bearing Door No. 110/2 Kodambak-kam High Road, Madras-34.

K. PONNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-6

Date: 30-5-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri S. H. Syed Khudoos Sahib S/o Shri Syed Hussain Sahib Syed Hussain Sabib St., Gingec.

Shri S. M. Syed Ahamed

S/o Shri Syed Murthuja Basha Sahib Chathira Street, Gingee.

(Transferee)

(Transferor)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME.TAX. ACQUISITION RANGE-II.

> MADRAS-6 Madras-6, the 30th May 1978

Ref. No. 8020/Sep/77.--Whereas, I, K. PONNAN being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax Act., 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Gingee Survey No. 7/1-B Sakkarapuram village 5. No. 31/2 (land and outlding) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ginec (Doc. No. 1447/77) on 26-9-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :---

and/or

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the tarnsferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely: --

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and building bearing Survey No. 7/1-B Gingee and Sakkarapuram village S. No. 31/2 (81 Cents) (Doc. No. 1447*/7*7).

> K. PONNAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras-6

Date: 30-5-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE-11, MADRAS-6

Madras-6, the 30th May 1978

Ref. No. 8021/Sep/77.—Whereas, I, K. PONNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing Choultry Street, Gingee situated at Survey No. 4/7 (land and building) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gingee (Doc. No. 1480/77) on 30-9-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- Shri M. Yusuff Khah
   Sho Shri K. Mohamed Khan
   Sathira St., Gingee.
  - Shri M. Kareem Khan S/o Shri K. Mohamed Khan No. 73 Tiruvannamalai Road, Gingee.
  - 3. Shri M. Noorullah No. 59 Sathira St., Gingee.

(Transferor)

(2) Gingee Purgania Sangam (Represented by: Sri S. H. Syed Khudoos Sahib S/o Shri Syed Hussain Sahib, Syed Hussain St., Gingee—President; Shri Syed Rahim Sahib, Shri Syed Rahim Sahib, S/o Shri Syed Hussain Sahib, Syed Hussain St., Gingee—Secretary)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and building bearing Survey No. 4/7 Choultry Street, Gingee, (Doc. No. 1480/77).

K. PONNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-6

Date: 30-5-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### ASSISTAN I COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 30th May 1978

Ref. No. 8023/Sep/77.--Whereas, I, K. PONNAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

O/A, J. B. Buildings studed at T.S. No. 3427, Mahamanamman Koil Street, Manuargudi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Mannargudi (Doc. No. 2137/77) on 28-9-1977

Tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration to such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922 or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the nequisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri J. S. M Sheik Badruddin No. 86 Showkath Ali St., Koothanallur

(Transferor)

(2) Shri A. A. Haja Maideen C/o Shri K. M. S. Abdul Rahim, No. 43 Nooria St., Koothauallur

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from he date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land admeasuring 6159 Sq. ft. (with building) and bearing Door No. O/A (JB Buildings) Maha Mariamman Koil Street, Mannargudi. (Waid No. 1, Block No. 54, T.S. No. 3427).

K. PONNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,

Date: 30-5-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kinpur, the 4th January 1978

Ref. No. Acq/i133-A/M. Nagar/77-78/6808.—Whereas, I, R. P. BHARGAVA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PFR SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muzaffarnagar on 17-9-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 S/Shri Begraj Sharma S/o Banwari Lal and Shri Om Prakash S/c Begraj Sharma, R/o House No. 43, Gher Khatti, Nai Mandi, Muzasfarnagar.

(Transferor)

(2) S/Shri Suresh Chand, Ramesh Chand and Subash Chand S/o Harish Chand R/o House No. 128, Bhopa Road (Southern) Muzafarnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House No. 198, situated at South Bhopa Road, Nai Mandi. Muzoffarnagar, transferred for an apparent consideration of Rs. 5,000/-.

R. P. BHARGAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 4-1-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 30th January 1978

Ref. No. Acq/813/Agra/77-78/7479.—Whereas, I. R. P. BHARGAVA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Agra on Septembr 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Smt. Rukmani Bai widow of Late Sri Mathura Das Sadar Bhatti, Agra.

(Transferor)

(2) Shri Nand Kishore Puri
S/o Parmanand Puri
R/o Shankar Market, Peepalmandi, Agra and
Raj Kumar Puri
S/o Parmanand Puri
R/o Krishna Colony, Agra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazotte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Immovable property consisting of House bearing No. 17/296 and 17/296/1, situated at Sadar Bhatti, Rakabganj Ward, Agia, transferred for an apparent consideration of Rs. 75,000/-.

R. P. BHARGAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Ihcome-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 30-1-78

[PART III-SEC. 1

### FORM ITNS-

 Shri Madho Kripal son of Late Dau Dayal, Resident of Revti Kunj, Hapur, Distt. Ghaziabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Raj Kripal son of Banwari Lal R/o Burj, Hapur, Dstt. Ghaziabad

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 31st January 1978

Ref. No. Acq/1080-A/Hapur/77-78/7499.—Whereas, I, R. P. BHARGAVA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hapur on 2-9-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Immovable property consisting of House property transferred in three parts situated at Revti Kunj, Railway Poad. Hapur, transferred for an apparent consideration of Rs. 27,000/-.

R. P. BHARGAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 31-1-78

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

KANPUR

Kanpur, the 31st January 1978

Ref. No. Acq/1081-A/Hapur/77-78/7513.—Whereas, I, R. P. BHARGAVA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fai. market value exceeding Rs. 25,000/aml bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hapur on 2-9-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
18—116GI/78

 Shri Janardan Kripal son of Dau Dayal Resident of Revti Kunj, Hapur, Distt, Ghaziabad.

(Transferor)

(2) Shri Sunil Kumar son of Raj Kripal, Resident of Burj, Hapur, Distt. Ghaziabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Immovable property consisting of House property transferred in parts situated at Revti Kunj, Railway Road, Hapur transferred for an apparent consideration of Rs. 27,000/-.

R. P. BHARGAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 31-1-78

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANFUR

Kanpur, the 31st January 1978

Ref. No. Acq/1082-A/Hapur/77-78/7512.—Whereas, I, R. P. BHARGAVA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hapur on 2-9-1977

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269°D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

 Smt. Gulab Bai wife of late Jagdish Kripal Resident of Revti Kunj, Railway Road, Hapur, Distt. Ghaziabad.

(Transferor)

 Shri Raj Kripal son of Banwari Lal Sunil Kumar son of Raj Kripal Resident of Burj, Hapur, Distt. Ghaziabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act; shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Immovable property consisting of House property transferred in three parts, situated at Revti Kunj, Railway, Hapur Distt. Ghaziabad, transferred for an apparent consideration of Rs. 26,000/-.

R. P. BHARGAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 31-1-78

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 2nd June 1978

Ref. No Acq/1461-A/Hardwar/77-78/1062,--Whereas, I, R. P. BHARGAVA

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Haridwar on 12-9-1977

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:--

(1) Shri Ram Prasad s/on Hira R/o V. & P.O. Bhogpur, Parg, Jwalapur, Teh. Roorkee, Distt. Saharanpur.

(Transferor)

(2) Shri Darshan Singh and Jageer Singh S/o S. under Singh R/o Vill. Noonawala, P.O. Bhaniawala, Distt. Dehradun, Present: Vill. Bhogpur, Parg. Jwalapur, Tch. Roorkee, Distt. Saharanpur.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Immovable property consisting of agricultural land measuring 19 Bigha 10 Biswa and 3 Biswansi, situated at Village Bhopur, Parg. Jwalapur, Teh. Roorkee, Distt. Saharanpur, transferred for an apparent consideration of Rs. 55,000/-.

R. P. BHARGAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur.

Date: 2-6-1978

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 22nd March 1978

Ref. No. Acq. F. No. 635.-Whereas, I, N. K. NAGA-RAJAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing RS No. 3 situated at Valivarthipadu Road

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gudivada on 23-9-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

S/Shri

- Sambhangi Rangarao,
   S. Mahalaxmi,

  - S. Ramakrishnarao,
     S. Ramanarao,
  - Peddinti Satyavatamma,
     C/o 6th Ward, Peddaveedhi, Gudivada.

(Transferor)

(2) Smt. Akurathi Prabhavathi, W/o Pardhasaradhi, 10/80, Ravinilayam, Ciudivada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the anid immovable property, within 45 days from date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document 3374/77 registered before the Sub-registrar, Gudivada during the fortnight ended on 30-9-1977.

> N. K. NAGARAJAN Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kakinada.

Date: 22-3-1978

I ARI III - DEC. I

### FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 22nd March 1978

Ref. No Acq. F. No. 637.—Whereas, I, N. K. NAGA-RAJAN.

being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

RS No. 568 situated at Kanchikacherla Village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Nandigama on 7-9-1977

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act,
  in respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby in tiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Nandyala Bhimeswar, Rajampeta Post, Kamareddi Taluk, Nizamabad Dist.

(Transferor)

(2) Shri Eturu Venkata Radhakrishnamurty, Dev. Officer, L.I.C., Nidadavolu, W.G. Dt. Smt. Eturu Kanakamba W/o Sitaramasastry, Kanchikacherla Post, Nandigama Taluk, Kistna Dt.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 3727/77 registered before the Sub-registrar, Nandigama during the fortnight ended on 15-9-1977.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date: 22-3-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 20th April 1978

Ref. No Acq. F. No. 663.—Whereas, I, N. K. NAGA-RAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

RS No 313/2 situated at Buddhavaram

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gannavaram in Sept 1977.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

S/Shri

- (1) 1. Gudavalli Radha Subbarao S/o Laxma Raidu,
  - 2. G. Laxmi Srinivasa Nagendraprasad
  - G. Kodanda Ramayya, Minor by guardian father G. Radha Subbarao,
     Buddavaram, Gannavaram Taluk.

(Transferor)

(2) Smt. Sunkara Vijayakumari W/o Yashwantharao, S.E., Hindustan Steel Construction Ltd., Quarter No. 11C, St-10, Section 10, Bhilai Nagar (M.P.)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 2821/77 registered before the Sub-registrar, Gannavaram during the fortnight ended on 30-9-1977.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date: 20-4-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 4/14, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 2nd June 1978

Ref. No. IAC/Acq.I/159/Oct.I(9)/77-78.—Whereas, I, I. S. GILL

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. II-J/20-B, situated at Lajpat Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 12-10-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Keshoo Dass 5/o Shri Sadhu Ram, R/o 13, Vasdev Nagar, Andha Mughal, Delhi Through General Attorney Smt. Raksha Rani W/o Shri Onkar Nath Sethi R/o II-1/20-B, Lajpat Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Devinder Kumar Sethi S/o Shri Onkar Nath Sethi R/o II-J/20-B, Lajpat Nagar, New Delhi-24.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

A Government Built property bearing No. J-II/20-B, measuring 100 sq. yds. situated at Lajpat Nagar New Delhi.

J. S. GILL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date: 2-6-1978

### FORM ITNS------

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, 4/14. ASAF ALI ROAD. NEW DELHI-110001

New Delhi, the 2nd June 1978

Ref. No. IAC/Acq I/219/Nov. $\Pi(11)/77$ -78.—Whereas, I, J. S. GILL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

M-201 situated at Greater Kailash-II, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 21-11-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Sudhanshu Saigal
 S/o Shri J. P. Saigal
 R/o 38, Jawahar Nagar, Delhi-7.

(Transferor)

(2) Shri Pradcep Awasthi and Shri Tarun Awasthi S/o Shri Madan Mohan Awasthi R/o 4859/A, Harbans Singh Street, 24, Daryaganj, New Delhi-110002.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the under Igned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

A piece of land measuring 400 sq. yds. bearing Plot No. 201 Block 'M' situated in the residential colony known as Greater Kailash-II, New Delhi area of Village Bahapur in the Unon Territory of Delhi Municipal Corporation and bounded as under:—

East: S. Lane West: Road

North: Plot No. M/199 South: Plot No M/203

J. S. GILL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date: 2-6-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-I, 4/14, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

. New Delhi, the 2nd June 1978

Ref. No. IAC/Acq.I/134/Sep.I(18)/77-78.—Whereas, I, J. S. GILL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

E-511, situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 13-9-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Davinder Kumar Anand S/o Shri A. R. Anand R/o 19, South Patel Nagar, New Delhi Through Attorney Shri Chaman Lal Vohra S/o Shri Sham Das Vohra R/o L-10/5, Vasant Bihar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Satish Kumar Lakhina S/o Shri Charan Das Lakhina 1/3 share of property and 2. Smt. Rita Lakhina W/o Shri Satish Kumar Lakhina R/o G-47, Kalkaji, New Delhi 2/3rd share of property.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

A free-hold plot bearing No. 511 n Block 'E' measuring 400 Sq. yds. in the residential colony known as Greater Kailash-II, New Delhi-48 within the limits of Delhi Municipal Corporation, in the Revenue Estate of Village Bahapur, in the Union Territory of Delhi, and bounded as under :-

North: House No. E-513 South: House No. E-509

East: Road West: Service Lane

J. S. GILL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 2-6-1978

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

### OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 25th May 1978

Ref. No. IAC/Acq.II/1306/78-79/732.—Whereas, I, N. S. CHOPRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter reterred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 4348-B/1, Madan Mohan Street, situated at 4-C, Darya Gani, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi in October, 1977,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Bhim Sen Gupta s/o Late Dr. HAR SWAROOP GUP1A r/o 7301, Circle Avenue 102 Forest Park, Illinios 60130 USA, through his brother & Gen. Att. Sh. Om Parkash r/o 4318, Kayastnan Street, 3 Darya Ganj, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Santosh Kumari Agarwal w/o Shri Bir Singh Agarwal r/o 116 State Bank Colony, Delhi-33 & Sh. Rama Nand Gupta and Sada Ram Gupta sons of L. Lala Giani Ram, r/o D-5 Rana Partap Bagh, Delhi-7.

(Trausferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot of land known as Plot No. 4348-B/1 Madan Mohan Street, 4-C, Darya Ganj, New Delhi-110002 alongwith the upper structure measuring 193.36 sq. mts or 231.27 sq. yds and bounded as under:—

North: House No. 4378. South: 15ft. wide road. West: House No. 4348-A. West: House No. 4348-A.

N. S. CHOPRA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
ACQUISITION RANGE-II, DELHI/NEW DELHI.

Date: 25th May, 1978